गुरुग्राम संभाग
अध्ययन सामग्री (2021- 22)
विषय- हिंदी
कक्षा- सातवीं (सत्र -2)

अपूर्व अनुभव

बहुविकल्पीय प्रश्न -

1-निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

तोमोए में हरेक बच्चा बाग के एक-एक पेड़ को अपने खुद के चढ़ने का पेड़ मानता था। तोत्तो-चान का पेड़ मैदान के बाहरी हिस्से में कुहोन्बुत्सु जानेवाली सड़क के पास था। बड़ा सा पेड़ था उसका, चढ़ने जाओ तो पैर फिसल-फिसल जाते। पर, ठीक से चढ़ने पर ज़मीन से कोई छह फुट की ऊँचाई पर एक द्विशाखा तक पहुँचा जा सकता था। बिलकुल किसी झूले सी आरामदेह जगह थी यह। तोत्तो-चान अकसर खाने की छुट्टी के समय या स्कूल के बाद ऊपर चढ़ी मिलती। वहाँ से वह सामने दूर तक ऊपर आकाश को या नीचे सड़क पर चलते लोगों को देखा करती थी।

बच्चे अपने-अपने पेड़ को निजी संपत्ति मानते थे। किसी दूसरे के पेड़ पर चढ़ना हो तो उससे पहले पूरी शिष्टता से, माफ़ कीजिए, क्या मैं अंदर आ जाऊँ?" पूछना पड़ता था।

यासुकी-चान को पोलियो था, इसलिए वह न तो किसी पेड़ पर चढ़ पाता था और न किसी पेड़ को निजी संपत्ति मानता था।

1. बच्चे किसे अपनी संपत्ति मानते थे?
(अ) स्वयं को
(ब) पेड़ को
(स) अपनी जगह को
(द) किसी को नहीं

2. यासुकी-चान को क्या रोग था?
(अ) पोलियो का
(ब) पेड़ पर चढ़ने का
(स) आपस में मिलने का
(ड) कहीं चलने का

3. हरेक बच्चा बाग के एक-एक पेड़ को क्या मानता था?
(अ) विद्यार्थी
(ब) खिलाड़ी
(स) अपने खुद के चढ़ने का पेड़ मानता था
(द) पड़ोसी

4. पेड़ की द्विशाखा ज़मीन से कितनी ऊँचाई पर थी?
(अ) चार फुट
(ब) पाँच फुट
(स) छह फुट
(द) सात फुट

5 पेड़ की द्विशाखा पर दोनों बच्चे कैसे महसूस करते थे?

(a) कष्टदायक
(b) झूले सी आरामदेह जगह
(c) प्रकृति से सान्निध्यता
(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर
1, (b) पेड़ को
2,(a) पोलियो का
3,(c) अपने खुद के चढ़ने का पेड़ मानता था
4,(c) छह फुट
5,(b) झूले सी आरामदेह जगह

2-निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

यासुकी-चान के हाथ-पैर इतने कमज़ोर थे कि वह पहली सीढ़ी पर भी बिना सहारे के चढ़ नहीं पाया। इस पर तोत्तो-चान नीचे उतर आई और यासुकी-चान को पीछे से धकियाने लगी। पर तोत्तो-चान थी छोटी और नाजुक-सी, इससे अधिक सहायता क्या करती| यासुकी-चान ने अपना पैर सीढ़ी पर से हटा लिया और हताशा से सिर झुकाकर खड़ा हो गया। तोत्तो-चान को पहली बार लगा कि काम उतना आसान नहीं है जितना वह सोचे बैठी थी। अब क्या करे वह ?

1.यासुकी-चान पहली सीढ़ी पर भी क्यों नहीं चढ़ पा रहा था ?
(अ) क्योंकि उसके हाथ-पैर कमज़ोर थे
(ब) क्योंकि उसे डर लग रहा था
(स) क्योंकि सीढ़ी काफ़ी कमज़ोर थी
(द) इनमें से कोई नहीं

2.पेड़ के नीचे कौन उतर आया?
(अ) यासुकी-चान
(ब) तोत्तो-चान
(स) कोरू-चान
(द) तारो-चान

3.यासुकी-चान निराश क्यों हो गया था ?
(अ) क्योंकि रास्ता काफ़ी कठिन था
(ब) क्योंकि वह सीढ़ी पर चढ़ नहीं पा रहा था
(स) तोत्तो-चान के धक्का देने पर गिर गया
(द) क्योंकि उसका हौसला जवाब दे गया।

4. तोत्तो-चान के लिए यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ाने का काम कैसा था?
(अ) सरल
(ब) कठिन
(स) पक्का
(द) ठीक

5.तोत्तो-चान, यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ाने का कौन-सा तरीका अपना रही थी?

(अ) कूदकर
(ब) कंधे पर चढ़ाकर
(स) सीढ़ी पर धक्के लगाकर
(द) हाथ से ऊपर की ओर खींचकर

उत्तर
1,(अ) क्योंकि उसके हाथ-पैर कमज़ोर थे
2,(ब) तोत्तो-चान
3,(ब) क्योंकि वह सीढ़ी पर चढ़ नहीं पा रहा था
4,(ब) कठिन
5,(ब) सीढ़ी पर धक्के लगाकर
3-निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

उस समय विशाखा पर खड़ी तोत्तो-चान द्वारा यासुकी-चान को पेड़ की ओर खींचते हुए अगर कोई बड़ा देखता तो वह ज़रूर डर के मारे चीख उठता। उसे वे सच में जोखिम उठाते ही दिखाई देते। पर यासुकी-चान को तोत्तो-चान पर पूरा भरोसा था और वह खुद भी यासुकी-चान के लिए भारी खतरा उठा रही थी। अपने नन्हें-नन्हें हाथों से वह पूरी ताकत से यासुकी-चान को खींचने लगी। बादल का एक बड़ा टुकड़ा बीच-बीच में छाया करके उन्हें कड़कती धूप से बचा रहा था। काफ़ी मेहनत के बाद दोनों आमने-सामने पेड़ की द्विशाखा पर थे। पसीने से तरबतर अपने बालों को चहरे पर से हटाते हुए तोत्तोचान ने सम्मान से झुककर कहा, "मेरे पेड़ पर तुम्हारा स्वागत है।"

1.तोत्तो-चान यासुकी-चान को कहां चढ़ाना चाहती थी?
(अ) पेड़ की सबसे ऊँची टहनी पर
(ब) पेड़ की द्विशाखा पर
(स) पेड़ के तने पर
(द) पेड़ की लंबी टहनी पर

2.यासुकी-चान के लिए तोत्तो-चान खतरा क्यों ले रही थी?
(अ) बीमारी से बचाना चाहती थी
(ब) उससे पैसा लेना चाहती थी
(स)वह यासुकी-चान को द्विशाखा का आनंद देना चाहती थी
(द) अपना वचन पूरा करना चाहती थी

3.तोत्तो-चान ने यासुकी-चान का स्वागत कहाँ किया?
(अ) अपने पेड़ पर
(ब) ज़मीन पर
(स) अपने घर पर
(द) सीढ़ी पर

4.यासुकी-चान ने किससे क्या पूछा?
(अ) तोत्तो-चान से पूछा क्या मैं पेड़ पर चढ़ सकता हूँ?
(ब)तोत्तो-चान से पूछा क्या मैं अंदर आ सकता हूँ?
(स) तुम यहाँ क्यों आए हो ?
(द) तोत्तो-चान से पूछा क्या तुम मेरे साथ खेलोगे?

5.दोनों को धूप से कौन बचा रहा था?
(अ) पेड़
(ब) नई छतरी
(स) नीला आसमान
(द) बादल का टुकड़ा

उत्तर
1,(ब) पेड़ की द्विशाखा पर
2,(स) वह यासुकी-चान को द्विशाखा का आनंद देना चाहती थी
3,(अ) अपने पेड़ पर
4,(ब)तोत्तो-चान से पूछा क्या मैं अंदर आ सकता हूँ?
5,(द) बादल का टुकड़ा

4-निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से सही विकल्प का चुनाव कीजिए।
तोत्तो-चान उस समय यह तो न समझ पाई कि यासुकी-चान के लिए, जो कहीं भी दूर तक चल नहीं सकता था, घर बैठे चीज़ों को देख लेने के क्या अर्थ होंगे? वह तो यह ही सोचती रही कि सूमो पहलवान घर में रखे किसी डिब्बे में कैसे समा जाएँगे? उनका आकार तो बड़ा होता है, पर बात उसे बड़ी लुभावनी लगी। उन दिनों टेलीविजन के बारे में कोई नहीं जानता था। पहले-पहल यासुकी-चान ने ही तोत्तो-चान को उसके बारे में बताया था।
पेड़ मानो गीत गा रहे थे और दोनों बेहद खुश थे। यासुकी-चान के लिए पेड़ पर चढ़ने का यह पहला और अंतिम मौका था।

1. पाठ का नाम बताओ।
(अ) नई दुनिया
(ब)पेड़ ने गीत गाया
(स)अपूर्व अनुभव
(द)कंचा

2. तोत्तो-चान क्या नहीं समझ पा रही थी?
(अ) टेलीविजन के विषय
(ब) सूमो पहलवान के बारे में
(स) नीले आसमान के बारे में
(द) उपर्युक्त सभी

3.यासुकी चान ने तोत्तो-चान को किसके बारे में बताया?
(अ) पेड़ के बारे में
(ब) दुनिया के बारे में
(स) नीले आसमान
(द) टेलीविजन के बारे में

4.पेड़ क्या कर रहे थे?
(अ) पेड़ झूम रहे थे
(ब) पेड़ गीत गा रहे थे
(स)बहुत सुंदर थे
(द)उपर्युक्त सभी

5.यासुकी चान के लिए पेड़ पर चढ़ने का यह कौन सा मौका था ?
(अ) पहला मौका
(ब) आखिरी मौका
(स) पहला और आखिरी मौका
(द) कोई सा भी नहीं

उत्तर
1,(स) अपूर्व अनुभव
2,(अ)टेलीविजन के विषय
3,(द) टेलीविजन के बारे में
4,(ब) पेड़ गीत गा रहे थे
5,(स)पहला और आखिरी मौका

लघु उत्तरीय प्रश्न -

1- तोत्तो चान को किस से मिलना था?
उत्तर- तोत्तो चान को यासुकी चान से मिलना था|
2- तोत्तो चान खाने की छुट्टी के समय या स्कूल के बाद कहां मिलती थी?
-उत्तर- तोत्तो चान खाने की छुट्टी के समय या स्कूल के बाद अपने पेड़ पर मिलती थी|
3-यासुकीचान की क्या परेशानी थी जिसके कारण वह पेड़ पर नहीं पढ़ पाता था?
उत्तर- यासुकीचान को पोलियो था|
4- तोत्तो चान के पीछे स्टेशन तक कौन आया?
उत्तर- तोत्तो चान के पीछे स्टेशन तक रॉकी आया|
5- तोत्तो चान ने सच किसे बताया?
उत्तर-तोत्तो चान ने सच रॉकी को बताया|
6-तोत्तो चान और यासुकी चान ने क्या निर्णय किया?
उत्तर-दोनों ने पेड़ पर चढ़ने का निश्चय किया|
7-तोत्तो चान की हार्दिक इच्छा क्या थी ?
उत्तर- तोत्तो चान की हार्दिक इच्छा थी कि यासुकी चान पेड़ पर चढ़े|
8- तोत्तो चान को तिपहिया सीढ़ी कहां से मिली?
उत्तर-तोत्तो चान को तिपहिया सीढ़ी चौकीदार के छप्पर से मिली|
9-पेड़ पर चढ़ते समय किसका ताप उन दोनों पर पड़ रहा था?
उत्तर-सूर्य का ताप उन दोनों पर पड़ रहा था|
10-तोत्तो चान द्विशाखा पर कैसे चढ़ी ?
उत्तर- तोत्तो चान सीढ़ी पर से छलांग लगाकर द्विशाखा पर चढ़ी|
11-तोत्तो चान यासुकी-चान को पेड़ पर क्यों आमंत्रित कर रही थी
उत्तर-क्योंकि वह यासुकी-चान को नई- नई चीजें दिखाना चाहती थी|
12- उन दोनों को कड़कती धूप से कौन बचा रहा था?
उत्तर- उन दोनों को कड़कती धूप से बादल का टुकड़ा बचा रहा था|
13- यासुकी-चान के लिए पहला और अंतिम मौका क्या था?
उत्तर- यासुकी-चानके लिए पेड़ पर चढ़ने के लिए पहला और अंतिम मौका था|
14-तोत्तो चान पुस्तक मूलतः किस भाषा में लिखी गई है?
उत्तर- यह पुस्तक जापानी भाषा में लिखी गई है |
15- यासुकी-चान पहली सीढ़ी पर भी क्यों नहीं चढ़ पा रहा था?

उत्तर- यासुकी-चान को पोलियो था|
16-यासुकी-चान क्यों उदास हो गया?
उत्तर-वह सीढ़ी पर नहीं चढ़ पा रहा था इसलिए उदास हो गया|
17- यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़कर कैसा लगा?
उत्तर-उसे पेड़ पर चढ़कर बहुत अच्छा लगा|
18- यासुकी-चान ने पेड़ चढ़ कर तोतो चान-को किसके बारे में बताया?
उत्तर- यासुकी-चान ने पेड़ पर चढ़कर तोत्तो चान को टेलीविजन के बारे में बताया |

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1-तोत्तो चान पेड़ पर चढ़कर क्या देखा करती थी ?
उत्तर-तोत्तो चान पेड़ पर चढ़कर ऊपर आसमान को तथा नीचे सड़क पर चलते लोगों को देखा करती थी |
2-यदि कोई बच्चा किसी और के पेड़ पर चढ़ना चाहता था तो उसे क्या करना पड़ता था?
उत्तर-बच्चे को पूरी शिष्टता के साथ पूछना पड़ता था- माफ कीजिए, क्या मैं अंदर आ जाऊं?
3-घर से निकलते समय तोत्तो चान ने माँ से क्या कहा?
उत्तर- तोत्तो चान ने कहा कि वह यासुकीचान के घर डेनिनचोफू जा रही है|
4-तोत्तो चान माँ को बताते समय मां की आंखों में क्यों नहीं देख पा रही थी?
उत्तर-वह मां की आंखों में इसलिए नहीं देख पा रही थी क्योंकि वह मां से झूठ बोल रही थी|
5- यासुकीचान को पेड़ पर चढ़कर कैसा लगा?
उत्तर- यासुकी चान को पेड़ पर चढ़कर बहुत अच्छा लगा उसे नए अनुभव की प्राप्ति हुई पहली बार उसने पेड़ पर चढ़कर नई- नई वस्तुओं को देखा|
6--यदि हम किसी की मदद करते हैं तो प्रकृति भी हमारी मदद करती है- पाठ के आधार पर लिखिए|
उत्तर- तोत्तो चान यासुकी चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए अथक प्रयास कर रही थी तभी बादल का एक टुकड़ा उन्हें धूप से बचा रहा था |सच है यदि हम किसी की मदद करते हैं तो प्रकृति भी हमारी मदद करती है|

मूल्यपरक प्रश्न-

1तोत्तो चान ने जिस प्रकार यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए प्रयास किया था वह वास्तव में प्रशंसनीय है |आप अपने मित्र की मदद कैसे कर सकते हैं?
2- दृढ़ निश्चय तथा परिश्रम के आधार पर कठिन कार्य भी सफल हो जाते हैं इस पर अपने विचार लिखिए|
उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर बच्चे अपनी समझ से लिखेंगे, उनके द्वारा दिये गए उत्तर मान्य होंगे |

भाषा की बात -

1-आना प्रत्यय से 4 शब्द बनाइए-
उत्तर- फिल्माना , हथियाना, बड़बड़ाना , गिड़गिड़ाना
2निम्न शब्दों के दो- दो पर्यायवाची शब्द लिखो-
सूरज ,पेड़ ,मां
सूरज- सूर्य, दिनकर
पेड़- वृक्ष, तरु
मां -जननी, माता
3- निम्न शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए-
निजी- सार्वजनिक
झूठ - सच

गर्मी- सर्दी
हंसना- रोना

--------- *---------

रहीम के दोहे

बहुविकल्पीय प्रश्न

1-निम्नलिखित पदयांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से सही विकल्प का चुनाव कीजिए --

कहि रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत।

बिपति कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत।।1।।

जाल परे जल जात बहि, तजि मीनन को मोह।

रहिमन मछरी नीर को, तऊ न छाँड़ति छोह।।2।।

तरुवर फल नहि खात है, सरवर पियत न पान।

कहि रहीम परकाज हित, संपति-सचहिं सुजान।।3।।

1. सच्चे मित्र की परख कब होती है?

(अ) समृद्धि में

(ब) कहीं जाते समय

(स) विपत्ति पड़ने पर

(द) किसी समारोह

2.क्या जल मछली से प्रेम करता है?

(अ) हाँ

(ब) नहीं

(स) पता नहीं

(द) इनमें से कोई नहीं

3.साँचा मीत किसे कहा गया है?

(अ) विपत्ति की कसौटी पर खरा उतरनेवाला

(ब) सच बोलनेवाला

(स) संपत्ति हड़पनेवाला

(द) मिलनेवाला

4.रहीम जी ने मछली की क्या विशेषता बताई है?

(अ) मछली पानी से मोह नहीं करती

(ब) जाल पड़ने पर वह पानी का मोह छोड़ देती है

(स) जल के बह जाने पर भी पानी का मोह नहीं छोड़ती

(द) मछली पानी के बिना रह सकती है।

5."छोह" शब्द का अर्थ है।

(अ) मोह

(ब) छोड़ना

(स) मछली

(द) कोई नहीं

6.पेड़ अपना फल स्वयं क्यों नहीं खाते हैं।

(अ) क्योंकि उसे फल पसंद नहीं हैं

(ब) क्योंकि वह खाना नहीं चाहते

(स) क्योंकि वे परोपकारी होते हैं

(द) क्योंकि वे फल नहीं खाते

7. सरोवर क्या ग्रहण नहीं करते?

(अ) फल

(ब) जल

(स) मछली

(द)कोई नहीं

8. सज्जन पुरुष अपने धन का संचय किसके लिए करते हैं?

(अ) अपने लिए

(ब) घर के लिए

(स) परोपकार के लिए

(द)कोई नहीं

उत्तर

1(स) विपत्ति पड़ने पर

2(ब) **हां**

3(अ) विपत्ति की कसौटी पर खरा उतरनेवाला

4,स) जल के बह जाने पर भी पानी का मोह नहीं छोड़ती

5(अ) मोह

6(स) क्योंकि वे परोपकारी होते हैं

7(ब) जल

8(स) परोपकार के लिए

2-निम्नलिखित पदयांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से सही विकल्प का चुनाव कीजिए --

थोथे बादर क्वार के, ज्यों रहीम घहरात।

धनी पुरुष निर्धन भए, करें पाछिली बात।।4।।

धरती की-सी रीत है, सीत घाम औ मेह।

जैसी परे सो सहि रहे, त्यों रहीम यह देह।।5।।

1.कवि का नाम बताओ।

(अ) कबीरदास

(ब) केशव

(स) तुलसीदास

(द)रहीम

2.रहीम के दोहे' का मुख्य अभिप्राय है

(अ) ईश्वर की भक्ति

(ब) नीति की बातें

(स) वीरता का वर्णन

(द) ईमानदारी की बातें

3.बादलों की तुलना किससे की गई है?

(अ) अमीरों से .जो निर्धन हो गए

(ब) गरीबों से . जो धनी हो गए

(स) दरिद्रों से

(द) राजा-महाराजाओं से

4. क्वार के बादल कैसे होते हैं?

(अ)पानी वाले

(ब) बरसने वाले

(स) खाली

(द) केवल गरजने वाले

5.शरीर की तुलना किससे की गई है?

(अ) पेड़ से

(ब) जानवर से

(स) मनुष्य से

(द)धरती से

6.रहीम जी ने धरती की क्या रीत बताई है?

(अ) धरती हर परिस्थिति को सहर्ष स्वीकार कर लेती है

(ब) धरती खुश नहीं रहती

(स) डरती रहती है

(द)कोई नहीं

उत्तर

1(द)रहीम

2ब) नीति की बातें

3(अ) अमीरों से जो निर्धन हो गए

4(द) केवल गरजने वाले

5(द)धरती से

6(अ) धरती हर परिस्थिति को सहर्ष स्वीकार कर लेती है

लघु उत्तरीय प्रश्न -

1-सच्चे मित्र की क्या पहचान है?
उत्तर- सच्चा मित्र हमेशा विपत्ति में साथ देता है|
2- पानी किस का मोह छोड़ देता है?
उत्तर-पानी मछली का मोह छोड़ देता है|
3- मछली किस के वियोग में मर जाती है?
उत्तर-मछली पानी के वियोग में मर जाती है|
4- तालाब और वृक्षों की क्या विशेषता होती है?
उत्तर-तालाब और वृक्ष अपने द्वारा संचित वस्तुओं का स्वयं ही उपयोग नहीं करते|
5- क्वार के बादलों की क्या पहचान है?
उत्तर -वे केवल गरजते हैं ,बरसते नहीं|
6-रहीम ने निर्धन लोगों की तुलना किससे की है?
उत्तर- क्वार के महीने में छाने वाले बादलों से रहीम ने निर्धन लोगों की तुलना की है|
7- धरती की क्या रीत है?
उत्तर - धरती हर मौसम को सहर्ष स्वीकार करती है|
8- सज्जन लोग संपत्ति क्यों एकत्रित करते हैं ?
उत्तर -दूसरों की भलाई करने के लिए सज्जन संपत्ति एकत्रित करते हैं|
9- जल मछली का मोह कब छोड़ देता है?
उत्तर- जब मछली जाल में फंस जाती है तब जल मछली का मोह छोड़ देता है|
10-दूसरों का हित चाहने की भावना किन में दिखाई देती है?
उत्तर- दूसरों का हित चाहने की भावना सज्जन व्यक्तियों में दिखाई देती है|

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1-रहीम दास जी मछली और पानी के माध्यम से क्या कहना चाहते हैं?
उत्तर- रहीम दास जी मछली और पानी के माध्यम से कहना चाहते हैं कि निस्वार्थ भाव से प्रेम करने वाला व्यक्ति सदैव सब का ध्यान रखता है परंतु स्वार्थी व्यक्ति मोह में ना पड़कर जल की तरह आगे बढ़ जाता है|
2-नदी और वृक्ष के माध्यम से रहीम दास जी क्या संदेश देना चाहते हैं?
उत्तर- रहीम दास जी कहना चाहते हैं कि मनुष्य को हमेशा धन का संचय ही नहीं करते रहना चाहिए| उसका धन तभी उपयोगी सिद्ध होगा जब जनहित में लगे|
3- धरती के माध्यम से रहीम जी मनुष्य को क्या शिक्षा देना चाहते हैं?
उत्तर -जिस प्रकार धरती समभाव रूप से हर परिवर्तन को स्वीकार करती है, उसी प्रकार मनुष्य को भी हर परिस्थिति में स्थिर बने रहना चाहिए|
4-जीवन में मित्रों की अधिकता कब होती है?

उत्तर - जब व्यक्ति के पास धन- दौलत ,मान- सम्मान तथा हर प्रकार की सुख- सुविधाएं होती हैं तभी जीवन में मित्रों की अधिकता भी होती है|

मूल्यपरक प्रश्न-

1-सच्चा मित्र आप किससे मानेंगे - द्रुपद और द्रोणाचार्य को या कृष्ण और सुदामा को?
2- हमें कभी भी किसी भी वस्तु का आदी नहीं होना चाहिए | आज के संदर्भ में इस विषय पर अपने विचार लिखिए|
3- रहीम ने मनुष्य को परोपकारी बनने का संदेश दिया है ? क्या हमें वास्तव में परोपकार करना चाहिए?

उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर बच्चे अपनी समझ से लिखेंगे, उनके द्वारा दिये गए उत्तर मान्य होंगे |

भाषा की बात

1-निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए-
सुजान - सज्जन
संचहि--संचय करना
सांचे----- सच्चे
थोथे----खोखले ,बेकार
घाम----धूप

2-निम्न शब्दों के दो- दो पर्यायवाची शब्द लिखो-
मित्र, मछली, नीर ,बादल, धरती ,शरीर
मित्र ---दोस्त, सखा
मछली- मीन ,मत्स्य
नीर-- जल ,पानी
बादल-- मेघ, घन
धरती--- पृथ्वी ,धरा
शरीर ---काया ,देह

3-निम्न शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए-
निर्धन- धनी
मीत--- शत्रु
धरती-- आकाश
शीत-- ऊष्ण

----------*----------

कंचा

बहुविकल्पीय प्रश्न

1–निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से सही विकल्प का चुनाव कीजिए।
कौए ने गाने के लिए मुँह खोला तो रोटी का टुकड़ा ज़मीन पर गिर पड़ा। सियार उसे उठाकर नौ दो ग्यारह हो गया | वह ज़ोर से हँसा।बुद्धु कौआ।वह चलते-चलते दुकान के सामने पहुँचा | वहाँअलमारी में काँच के बड़े-बड़े ज़ार कतार में रखे थे। उनमें चॉकलेट, पिपरमेंट और बिस्कुट थे। उसकी नज़र उनमें से किसी पर नहीं पड़ी। क्यों देखे? उसके पिता जी उसे ये चीजें बराबर

ला देते हैं।फिर भी एक नए ज़ार ने उसका ध्यान आकृष्ट किया। वह कंधे से लटकते बस्ते का फीता एक तरफ़ हटाकर, उस ज़ार के सामने खड़ा टुकर-टुकर ताकता रहा।

1.किसने मुँह खोला?

(अ) सियार ने

(ब) कौए ने

(स) अप्पू ने

(द) मल्लिका ने

2.ज़ोर से कौन हँस पड़ा?

(अ) कौए

(ब) सियार

(स) अप्पू

(द) जॉर्ज

3.दुकान के पास कौन पहुँचा?

(अ) रामन

(ब) अप्पू

(स) सियार

(द) जॉर्ज

4.लड़के की नज़र किस ज़ार पर थी?

(अ) चॉकलेटवाली ज़ार पर

(ब) बिस्कुटवाले ज़ार पर

(स) कंचे वाले जार पर

(द) खिलौनेवाली ज़ार पर

5, "नौ दो ग्यारह हो गया" का अर्थ होता है-

(अ) गायब होना

(ब) भाग जाना

(स) छुप जाना

(द) खो जाना

उत्तर

1,(ब) कौए ने

2,(स) अप्पू

3,(ब) अप्पू

4,(स) कंचे की जार पर

5,(ब) भाग जाना

2--निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसमें दिये गए प्रश्नों के सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

सब अपनी-अपनी जगह पर हैं। रामन अगली बेंच पर है। वह रोज़ समय पर आता है। तीसरी बेंच के आखिर में मल्लिका के बाद अम्मु बैठी है। जॉर्ज दिखाई नहीं पड़ता। लड़कों के बीच जॉर्ज ही सबसे अच्छा कंचे का खिलाड़ी है। कितना भी बड़ा लड़का उसके साथ खेले, जॉर्ज से मात खाएगा। हारने पर यों ही विदा नहीं हो सकता। हारे हुए को अपनी बंद मुट्ठी ज़मीन पर रखनी होगी। तब जॉर्ज बंद मुट्ठी के जोड़ों की हड्डी पर कंचा चलाता था।

1.उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और उसके लेखक के नाम वाला विकल्प छाँटकर लिखिए।

(अ) अप्पू और कंचे टी० सुब्रह्मण्यम

(ब) अप्पू और कंचा-पी० स्वामी

(स) कंचा-टी .पद्मनाभन

(द) कंचा-पी. गोपाल स्वामी

2.उस दिन आखरी बेंच पर मल्लिका के बाद कौन बैठा था?

(अ) अप्पू को

(ब) जॉर्ज को

(स) रामन को

(द) उपर्युक्त सभी को

3.अप्पू कक्षा में किसे ढूँढ़ रहा था?

(अ) कंचे

(ब) बस्ता

(स) जॉर्ज

(द) इनमें से कुछ नहीं

4.कंचे देखकर अप्पू को जॉर्ज की याद क्यों आई?

(अ) क्योंकि वह उसके साथ खेलना चाहता था।

(ब) क्योंकि जॉर्ज कंचों का अच्छा खिलाड़ी था।

(स) क्योंकि जॉर्ज अप्पू का घनिष्ठ मित्र था।

(द) क्योंकि जॉर्ज ने अप्पू को बुलाया था।

5.जॉर्ज जीतने के बाद हारे हुए बच्चे को क्या करता था?

(अ) वह हारे हुए बच्चों को सज़ा देता था।

(ब) वह हारे हुए बच्चों पर जुर्माना देता था।

(स) हारे हुए बच्चे को अपनी मुट्ठी बंद करके ज़मीन पर रखनी पड़ती थी। वह बंद मुट्ठी के जोड़ों की हड्डी पर कंचा चलाता था।

(द) हारनेवाले बच्चों को दुबारा मौका नहीं देता था।

उत्तर

1,(स) कंचा-टी पद्मनाभन

2,(अ) अम्मु को

3,(स) जॉर्ज

4,(ब) क्योंकि जॉर्ज कंचों का अच्छा खिलाड़ी था।

5,(स) हारे हुए बच्चे को अपनी मुट्ठी बंद करके ज़मीन पर रखनी पड़ती थी। वह बंद मुट्ठी के जोड़ों की हड्डी पर कंचा चलाता था।-

3–निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ कर उसमें दिये गए प्रश्नों के सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

कर्मठ मास्टर जी उस लड़के का चेहरा देखकर समझ गए कि उसके मन में और कुछ है। शायद उसने पाठ पर ध्यान दिया भी हो। अगर दिया है तो उसका जवाब उसके मन से बाहर ले आना है। इसी में उनकी सफलता है।"हाँ, हाँ, बता। डरना मत।

"मास्टर जी ने देखा, अप्पू की ज़बान पर जवाब था।

“हाँ, हाँ…।”

वह काँपते हुए बोला-“कंचा।”

“कंचा…!”

वे सकपका गए।

कक्षा में भूचाल आ गया।

1.मास्टर जी ने लड़के के बारे में क्या अनुमान लगा लिया?

(अ) मन लगाकर पढ़ाई न करने का

(ब) उसके गरीबी का

(स) मन अन्यत्र होने का

(द) उसकी बौद्धिक क्षमता का

2.मास्टर जी अपनी सफलता किसमें मान रहे थे?

(अ) गृह कार्य पूरा कराने में

(ब) कक्षा का अच्छी तरह संचालन करने पर

(स) प्रश्न का उत्तर मन से निकलवाने में

(द) प्रश्न का उत्तर याद कराने में

.

3.मास्टर जी द्वारा पूछे गए प्रश्न का अप्पू सही जवाब न दे सका। क्यों?

(अ) क्योंकि जवाब कठिन था

(ब) क्योंकि वह प्रश्न न समझ सका

(स) क्योंकि पाठ पर उसका ध्यान नहीं था

(द) उपर्युक्त सभी

4.कक्षा में भूचाल क्यों आ गया?

(अ) बाहर भूचाल आने के कारण

(ब) मास्टर जी को काफ़ी गुस्सा आ गया

(स) अप्पू द्वारा उदंडता करने के कारण

(द) जवाब में कंचा शब्द सुनकर

5.‘कर्मठ’ विशेषण का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

(अ) अप्पू के लिए

(ब) जॉर्ज के लिए

(स) मास्टर जी के लिए

(द) पूरी कक्षा के लिए

उत्तर

1,(अ) मन लगाकर पढ़ाई न करने का

2,(स) प्रश्न का उत्तर मन से निकलवाने में

3,(स) क्योंकि पाठ पर उसका ध्यान नहीं था

4,(द) जवाब में कंचा शब्द सुनकर

5.(स) मास्टर जी के लिए

4--निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ कर उसमें दिये गए प्रश्नों के सही विकल्प का चुनाव कीजिए।

एकाएक उसे शक हुआ। क्या सब कंचों में लकीर होगी?उसने पोटली खोलकर देखने का निश्चय किया। बस्ता नीचे रखकर वह धीरे से पोटली खोलने लगा। पोटली खुली और सारे कंचे बिखर गए। वे सड़क के बीचोंबीच पहुंच रहे हैं।क्षणभर सकपकाने के बाद वह उन्हें चुनने लगा। हथेली भर गई। वह चुने हुए कंचे कहाँ रखे?

1.अप्पू को क्या शक हुआ?

(अ) कंचे कम तो नहीं हैं

(ब) क्या कंचे के खेल में जॉर्ज से जीत पाएँगे

(स) क्या सभी कंचों में लकीर है

(द) क्या कंचे को देखकर माँ नाराज़ होगी।

2.पोटली खोलने का निश्चय किसने किया?

(अ) माँ ने

(ब) मास्टर जी ने

(स) जॉर्ज ने

(द) अप्पू ने

3.वह पोटली खोलने की कोशिश क्यों कर रहा था?

(अ) कंचे गिनना चाहता था

(ब) वह कंचे देखना चाहता था

(स) कंचे से खेलना चाहता था

(द) कंचे किसी को देना चाहता था

4.पोटली खुलने के बाद क्या हुआ?

(अ) कंचे इधर-उधर बिखर गए

(ब) कंचे बच्चों ने लूट लिए

(स) कंचे गड्ढे में गिर गए

(द) इनमें कोई नहीं

5.कंचे कहाँ तक फैल गए थे?

(अ) पूरी कक्षा में

(ब) गड्ढे में

(स) पूरे घर में

(द) सड़क के बीचों–बीच

उत्तर

1,(स) क्या सभी कंचों में लकीर है

2,(द) अप्पू ने

3,(ब) वह कंचे देखना चाहता था

4,(अ) कंचे इधर-उधर बिखर गए

5,(द) सड़क के बीचों बीच

लघु उत्तरीय प्रश्न -

1-कंचा पाठ के लेखक कौन हैं?
उत्तर-इस पाठ के लेखक पी पदमनाभन हैं|
2- चलते -चलतेअप्पू कहां पहुंचा?
उत्तर-अप्पू चलते -चलते एक दुकान के सामने पहुंचा|
3- कांच के जार में क्या-क्या चीजें पड़ी थी?
उत्तर-कांच के जार में चॉकलेट, पिपरमेंट, और बिस्कुट, पड़े थे|
4- कंचे कैसे थे?
उत्तर-कंचे हरी लकीर वाले बढ़िया सफेद गोल तथा आंवले जैसे थे|
5-कंचे का सबसे अच्छा खिलाड़ी कौन था?
उत्तर-कंचे का सबसे अच्छा खिलाड़ी जॉर्ज था|
6-मास्टर जी कौन सा पाठ पढ़ा रहे थे?
उत्तर-मास्टर जी रेलगाड़ी का पाठ पढ़ा रहे थे|
7-कक्षा में अप्पू का ध्यान कहां था?
उत्तर-कक्षा में अप्पू का ध्यान कंचों की तरफ था|
8- क्या अप्पू को कंचा खेलना आता था?
उत्तर- नहीं, अप्पू को कंचे खेलना नहीं आता था|
9-अप्पू के कंचे कहां बिखर गए?
उत्तर-अप्पू के कंचे सड़क पर बिखर गए|
10- अप्पू की राह कौन देख रहा था?
उत्तर-अप्पू की माँ उसकी राह देख रही थी|

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1-जार में कंचे देखकर अप्पू किन कल्पनाओं में खो गया?
उत्तर-अप्पू को जार आकाश से भी बड़ा दिखाई देने लगा| वह उसके अंदर चला गया |वहां केवल अप्पू ही था| वह चारों तरफ कंचे बिखेर कर मजे से खेलने लगा|
2-कक्षा में उसे मास्टर जी से क्यों डांट पड़ी?
उत्तर-अप्पू कंचों की दुनिया में खोया हुआ था|उसका ध्यान पाठ की तरफ बिल्कुल नहीं था इसलिए उसे मास्टर जी ने डांट कर बेंच पर खड़ा कर दिया|
3- अप्पू किसके साथ कंचे खरीदना चाहता था और क्यों ?
उत्तर-अप्पू जॉर्ज के साथ कंचे खरीदना चाहता था क्योंकि जॉर्ज ही कंचे का सबसे अच्छा खिलाड़ी था| हर लड़का उससे मात खा जाता था|

मूल्यपरक प्रश्न-

1-आपकी किस खेल में सबसे अधिक रुचि है उसके बारे में बताइए|
2- अप्पू ने फीस के पैसों से कंचे खरीदें आपकी दृष्टि में क्या उसने उचित किया ?स्पष्ट कीजिए|
3-आपको अपने खेल के शौक को पूरा करने के लिए क्या अप्पू जैसा मार्ग अपनाना चाहिए?

उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर बच्चे अपनी समझ से लिखेंगे, उनके द्वारा दिये गए उत्तर मान्य होंगे |

भाषा की बात

1-द्वंद समास के 4 उदाहरण लिखो|
उत्तर-माता- पिता
भाई- बहन
छोटा -बड़ा
दादा- दादी
2- गुणवाचक विशेषण छाँटो-
रंग बिरंगे कंचे
कर्मठ मास्टर
प्यारा कौवा
छोटी शीशी
उत्तर- रंग-बिरंगे
कर्मठ
प्यारा
छोटी
3- निम्न मुहावरों के अर्थ लिखिए-
नौ दो ग्यारह हो जाना
आंख का तारा
गुस्से से उबल ना
दांतो तले उंगली दबाना
उत्तर- भाग जाना
बहुत प्रिय होना
बहुत क्रोधित होना
आश्चर्यचकित होना

----------*----------

कविता- एक तिनका
कवि - अयोध्यासिंह उपाध्याय

मैं घमंड से भरा ऐंठा हुआ,
एक दिन था जब मुंडेर पर खड़ा |

अचानक दूर से उड़ता हुआ,
एक तिनका आंख में मेरी पड़ा |
मैं झिझक उठा हुआ बेचैन - सा,
लाल हो कर आंख भी दुखने लगी |
मूँठ देने लोग कपड़े की लगे ,
ऐंठ बिचारी दबे पाँवों भागी|

जब किसी ढब से निकल तिनका गया,
तब 'समझ 'ने यों मुझे ताने दिए।
ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए।

कविता-सारांश- एक तिनका कविता के माध्यम से कवि ने मनुष्य को समझाना चाहा है कि यदि हम प्रत्येक कार्य में सक्षम हैं तो भी हमें अपने ऊपर गर्व नहीं करना चाहिए कई बार छोटे से छोटा मनुष्य या कोई वस्तु हमारे झूठे गर्व को तोड़ सकते हैं जैसे कभी जब घमंड से चूर छत की मुंडेर पर खड़ा था तो उसकी आंख में एक छोटा तिनका उड़कर पड़ गया उस तिनके ने कवि को बेचैन कर दिया और जब तक लोगों ने उसकी आंख से तिनका निकाल नहीं दिया तब तक वह छट पटाता रहा।

पठित पद्यांश-1

मैं घमंड में भरा ऐंठा हुआ,
एक दिन था जब मुंडेर पर खड़ा |

अचानक दूर से उड़ता हुआ,
एक तिनका आंख में मेरी पड़ा |
मैं झिझक उठा हुआ बेचैन - सा,
लाल हो कर आंख भी दुखने लगी |

प्रश्न -1 पद्यांश में' मैं 'किसका प्रतीक है?
(क)लोगों का। (ख) कवि का
(ग) एक व्यक्ति का. (घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न -2 कवि कहां पर खड़ा था?
(क) छत के किनारे। (ख) आंगन में
(ग) छत के बीचो बीच (घ) बगीचे में

प्रश्न 3 अचानक क्या हुआ?
(क) तेज आंधी आ गई (ख)मिट्टी का कण आंख में आ गिरा
(ग) एक तिनका कवि की आंख में आकर गिर गया
(घ) एक बड़ा पक्षी छत पर आ गया।

प्रश्न 4 आंख में तिनका जाने पर क्या हुआ?
(क) आंख दुखने लगी (ख)आंख लाल हो गई
(ग) वह दर्द से परेशान हो गया (घ)उपरोक्त सभी

प्रश्न 5 कवि क्यों झिझक गया?
(क)उसके पास कोई नहीं आया
(ख)उसका घमंड टूट गया
(ग) उसे अपनी बेचैनी पर शर्म आने लगी
(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-1 (ख)- कवि का
2 (क)- छत के किनारे।
3 (ग)- एक तिनका कवि की आंख में आकर गिर
4(घ) - उपरोक्त सभी
5 (ग)- उसे अपनी बेचैनी पर शर्म आने लगी

पठित पद्यांश -2

मूँठ देने लोग कपड़े की लगे ,
ऐंठ बिचारी दबे पाँवों भागी|
जब किसी ढब से निकल तिनका गया,
तब 'समझ 'ने यों मुझे ताने दिए।
ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए।

प्रश्न -1 कवि की आंख में तिनका चले जाने पर लोगों ने क्या किया?
(क) कवि को बुरा भला कहने लगे
(ख) कवि को डॉक्टर के पास ले जाने लगे
(ग) आंख में कपड़े की मूँठ देने लगे
(घ)कवि के दुख में दुखी हो गए।

प्रश्न -2 ऐंठ बिचारी दबे पाँव भागी का क्या अर्थ है?
(क)शर्म आना
(ख)विचार बदलना
(ग)घमंड चूर होना
(घ)दूसरों के वश में हो ना

प्रश्न 3 'ढब 'शब्द का अर्थ बताइए?

(क)उपाय
(ख)नया
(ग)एक बार में
(घ)आंसू

प्रश्न 4 'समझ' शब्द से क्या तात्पर्य है?
(क)बुद्धि का
(ख) जानकारी का
(ग)अपने महत्व का
(घ) नयी बातों का

प्रश्न 5 कवि की समझ ने उसे क्या ताने दिए?
(क) तुझे घमंड नहीं करना चाहिए
(ख) तेरा घमंड एक छोटा तिनका भी तोड़ सकता है
(ग)ऐंठ जाने में समय नहीं लगता
(घ)दिए गए सभी

उत्तर- 1 (ग) 2 (ग) 3(क) 4(क) 5(ख)

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न -1 एक तिनका कविता के कवि का नाम बताइए?
(क) शिवमंगल सिंह सुमन (ख) शिव प्रसाद सिंह
(ग) विजय तेंदुलकर (घ) अयोध्या सिंह उपाध्याय
उत्तर- (घ)अयोध्या सिंह उपाध्याय
प्रश्न -2 कवि छत के किनारे पर किस भाव से खड़ा था?
(क) खुशी से (ख) घमंड में चूर
(ग) उदास होकर (घ) नतमस्तक होकर

उत्तर(ख) घमंड में चूर
प्रश्न;- 3 आंख का पर्यायवाची शब्द चुनिए।
(क)नयन (ख)जलद
(ग) अबुं (घ) आकाश
उत्तर-(क) नयन
प्रश्न;- 4 कवि मन ही मन अपने बारे में क्या सोच रहा था?
(क) वह किसी को कुछ भी कह सकता है
(ख) वह अत्याधिक धनवान है
(ग)उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता
(घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ग)उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता
प्रश्न;- 5 कवि की आँख में पड़ा तिनका कैसे निकला?
(क)डॉक्टर ने उसका तिनका निकाला ।
(ख)कवि ने स्वयं प्रयास किया।
(ग)लोगों ने कपड़े की मूँठ से तिनका निकाल दिया।

(घ) कवि ने आँख धोकर तिनका निकाला।
उत्तर-(ग)लोगों ने कपड़े की मूँठ से तिनका निकाल दिया।

अति लघु प्रश्न उत्तर

प्रश्न -1 कवि के साथ कौन सी घटना घटी?
उत्तर कवि जब अपनी अकड़ में मुंडेर पर खड़ा था, तब उसकी आंख में उड़कर तिनका पड़ा और वह परेशान हो गया।
प्रश्न -2 कवि की बेचैनी का क्या कारण था?
उत्तर- कवि की आंख में एक तिनका पड़ गया था जिसके कारण उसकी आंख लाल हो गई व दुखने लगी| यही उसकी बेचैनी का कारण था।
प्रश्न -3 कवि की आंख में तिनका जाने पर लोगों ने क्या किया?
उत्तर- कवि की आंख में तिनका जले जाने पर वह बेचैन हो गया और लोगों ने कपड़े की मूँठ बनाकर उसकी आंख में दी और बड़ी मुश्किल से किसी तरह तिनका निकाला गया।
प्रश्न 4 कवि की समझ ने कवि को क्या चेतावनी दी?
उत्तर- कवि की समझ ने कवि को चेतावनी दी कि तुम इतना घमंड क्यों करते हो एक तिनका ही तुम्हारा घमंड तोड़ने के लिए बहुत है।
प्रश्न 5 तिनका पडने से कवि को क्या सीख मिली?
उत्तर- तिनका पडने से कवि की आंख लाल हो गई उसे काफी पीड़ा हुई और उसकी अकड़ गायब हो गई इससे कवि को घमंड न करने की सीख मिली।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1'एक तिनका 'पाठ में तिनका किसका प्रतीक है?
उत्तर- एक तिनका पाठ में वर्णित तिनका समाज के किसी दबे कुचले शोषित व्यक्ति का प्रतीक है समाज के बाहुबली लोग उसका शोषण कर उस को दबाए कुचले रखते हैं परंतु मौका मिलते ही वही दीन हीन व्यक्ति क्रांति करके उस शोषक को ऐसी चोट पहुंचाता है कि उसे हमेशा के लिए एक सीख मिल जाती है।
प्रश्न -2 कवि की समझ ने ऐसा क्या समझाया कि कवि बहुत कुछ समझ गया?
उत्तर- कवि की आंख में पड़े तिनका के के कारण उसे बहुत पीड़ा हुई उस पीड़ा ने उसकी सारी अकड़ निकाल दी ऐसे में उसकी समझ ने उसे ताना देते हुए कहा कि तुम्हारी अकड़ के लिए बस तिनका का ही काफी है इससे कभी भी समझ में आ गया कि व्यक्ति को घमंड नहीं करना चाहिए|

व्याकरण बोध
प्रश्न 1 आंख शब्द के पर्यायवाची लिखिए।
उत्तर- नयन ,लोचन ,नेत्र , चक्षु
प्रश्न 2घमंड शब्द का पर्यायवाची लिखिए।
उत्तर- गर्व ,अभिमान ,दर्प
प्रश्न 3 मुंडेर का अर्थ बताइए।
उत्तर-किनारा
प्रश्न 4 मैं शब्द क्या है?
उत्तर- सर्वनाम
प्रश्न 5- समान शब्द का विलोम शब्द लिखिए?
उत्तर-असमान
प्रश्न 6 दूर शब्द से भाववाचक संज्ञा बनाइए |
उतर-दूरी

सृजनात्मक बोध
प्रश्न 1 घमंड से संबंधित कोई अन्य कहानी अपनी कक्षा में सुनाइए।

पाठ- खान-पान की बदलती तसवीर –

पाठ का सारांश- इस पाठ में लेखक ने बताया है कि पिछले 10-15 वर्षों से हमारी खानपान की संस्कृति में बहुत बड़ा बदलाव आया है उत्तर भारत के व्यंजन दक्षिण भारत में और दक्षिण भारत तक सीमित रहने वाले व्यंजन उत्तर भारत में आसानी से मिल जाते हैं उत्तर भारत की 'ढाबा 'संस्कृति पूरे देश में फैल चुकी है। इसी प्रकार फास्ट फूड जैसे बर्गर ,नूडल्स, चाइनीस ,मोमोज अब आसानी से मिल जाते हैं गुजराती ढोकला गठिया बंगाली मिठाईयां अनेक शहरों में उपलब्ध हैं खानपान में आए बदलाव का असर है कि अब जो ब्रेड है सभी लाखों करोड़ों भारतीयों के घरों में से क्यों खाई जा रही है और उसका प्रभाव नहीं पीढ़ी पर खूब पड़ रहा है स्थानीय व्यंजन भूलती जा रही हैं और आधुनिक व्यंजन के बारे में अधिक जानती हैं स्थानीय व्यंजनों में कमी के अलावा आजकल उन्हीं व्यंजनों को बनाया जाता है जिन्हें बनाने और पकाने में सुविधा हो। शहरी जीवन की भागमभाग और कमरतोड़ महंगाई के कारण भी स्थानीय व्यंजनों में कमी आई है।
खानपान की मिश्रित संस्कृति के कारण अब गृहणियाँ व कामकाजी महिलाओं और नई पीढ़ी को देश-विदेश के व्यंजनों को जानने का अवसर मिला है ।आजादी के बाद उद्योग धंधों नौकरियों तथा तबादलों के विस्तार के कारण खानपान की चीजें अन्य प्रदेशों तक पहुंचे हैं।
उत्तर- भारत में गली मोहल्ले में मिलने वाली चीजों को आधुनिकता के कारण छोड़ दिया गया है अब पश्चिम की नकल के कारण स्वाद स्वास्थ्य संस्था में हमारे अनुकूल ना होने वाले व्यंजनों को अपना लिया गया है। इस संस्कृति में असली स्वाद गायब होता जा रहा है प्रति भोजों और पार्टी में रखी ढेरों चीजों से उनका स्वाद खराब हो रहा है यह संस्कृति हमें चैन करने का अवसर देती है। पर हम उसका लाभ उठाने में असमर्थ रहे हैं। खानपान की संस्कृति को हमें समय-समय पर जांचते और परखते रहना चाहिए।
पठित गद्यांश-1
आजादी के बाद उद्योग धंधों नौकरियों तबादलों का जो एक नया विस्तार हुआ है। उसके कारण भी खानपान की चीजें किसी एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में पहुंची हैं बड़े शहरों के मध्यमवर्गीय स्कूलों में जब दोपहर के टिफिन के वक्त बच्चों के टिफिन डिब्बे खुलते हैं तो उनसे विभिन्न प्रदेशों के व्यंजनों की खुशबू उठती है।
प्रश्न 1 आजादी के बाद किस में परिवर्तन आया है?
(क) उद्योग धंधे में नौकरियां तबादले के कारण लोगों का एक प्रांत से दूसरे में चले जाना
(ख) नए व्यंजनों का अविष्कार
(ग) लोगों की सोच में बदलाव आना
(घ) लोगों का गांव छोड़कर शहरों में प्रवेश
उत्तर-1 क
प्रश्न -2 खानपान की वस्तुओं का एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में पहुंचने का क्या कारण है?
(क) लोगों का एक से दूसरे प्रांत में आवागमन
(ख) व्यापार उद्योग नौकरियों में तबादले के कारण लोगों का एक से दूसरे स्थान पर जाकर बसना
(ग)लोगों का अपनी संस्कृति को त्यागना
(घ)इसमें से कोई नहीं
उत्तर-2 ख
प्रश्न 3 विभिन्न प्रदेशों के व्यंजन की एक खुशबू से क्या तात्पर्य है?
(क) एक साथ कई व्यंजन पकना
(ख) एक साथ कई व्यंजन परोसना
(ग)एक साथ विभिन्न भाषा भाषी तथा रहन-सहन वाले बच्चों का एक साथ टिफिन खोलना।
(घ)विभिन्न प्रांतों के बच्चों का एक साथ बैठकर खाना।
उत्तर-3 ग

प्रश्न 4 प्रदेशों की मिली जुली खानपान व्यवस्था किसे प्रभावित करती है?
(क) लोगों के मेलजोल को
(ख)राष्ट्रीय एकता को
(ग) जातिगत भावनाओं से ऊपर उठकर आपकी प्रेम क
(घ)दिए गए सभी
उत्तर-4- घ
प्रश्न 5 खान पान की बदलती तस्वीर किस विधा में लिखा गया है?
(क)निबंध
(ख) लेख
(ग)कहानी
(घ) वार्तालाप
उत्तर-5 (ख)

पठित गद्यांश -2

खानपान की नई संस्कृति में हमें राष्ट्रीय एकता के लिए नए बीज मिल सकते हैं बीज भली-भांति तभी अंकुरित होंगे जब हम खान-पान से जुड़ी हुई दूसरी चीजों की ओर भी ध्यान देंगे ।मसलन हम उस बोली बानी भाषा -भूषा आदि को भी किसी ना किसी रूप में ज्यादा जानेंगे, जो किसी खानपान विशेष से जुड़ी हुई है।

प्रश्न -1 खानपान की नई संस्कृति का सबसे अधिक प्रभाव किस पर पड़ता है?
(क) धार्मिक एकजुटता पर
(ख) राष्ट्रीय एकता पर
(ग) खान-पान का नया स्वरूप
(घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-1 ख

प्रश्न -2 खानपान के साथ-साथ और किन चीजों का अनुसरण किया जाता है?

(क) भाषा और बोली
(ख)वेशभूषा
(ग) रहन-सहन
(घ) दिए गए सभी

उत्तर -2 घ

प्रश्न 3 खानपान की संस्कृति को राष्ट्रीय एकता से कैसे जोड़ा जाता है?

(क)खानपान के साथ लोगों का आपसी तालमेल बढ़ना
(ख)सभी प्रांतों में एक साथ भोजन बनना
(ग) एक प्रांत के अच्छे व्यंजनों का दूसरे प्रांतों द्वारा अपनाना
(घ)खानपान के आधार पर सभी लोगों का विभिन्न प्रांतों की भाषा व रहन-सहन को भी ग्रहण करना।
उत्तर-3-घ

प्रश्न 4 'बोली और भाषा' का राष्ट्रीय एकता पर कैसे प्रभाव पड़ता है?
(क) सभी लोग सीख जाते हैं

(ख)एक दूसरे प्रांत को जान जाते हैं
(ग) एक दूसरे प्रांत के भावों और विचारों को समझने लगते हैं
(घ) एक प्रांत से दूसरे प्रांत में जा सकते हैं।

उत्तर-4-ग

प्रश्न -5 किसी स्थान का खानपान भिन्न-भिन्न क्यों होता है?
(क) मौसम अनुसार मिलने वाले पदार्थों के आधार पर
(ख)आसानी से वस्तुओं की उपलब्धता पर
(ग) रुचि के आधार पर
(घ) दिए गए सभी

उत्तर-5-घ

पठित गद्यांश -3

मथुरा के पेड़ों और आगरा के पेठे -नमकीन में वह बात कहाँ रही ! यानी जो चीजें बची भी हुई हैं ,उनकी गुणवत्ता में फर्क पड़ा है ।फिर मौसम और ऋतु के अनुसार फल और खाद्यान्नों से जो व्यंजन और पकवान बना करते थे ,उन्हें बनाने की फुर्सत भी और कितने लोगों को रह गई है ।अब गृहणियों या कामकाजी महिलाओं के लिए खरबूजे के बीज सुखाना छीलना और फिर उनसे व्यंजन तैयार करना सचमुच दुःसाध्य है।

प्रश्न 1. वस्तुओं की गुणवत्ता में क्या और कैसे फर्क आया है?
उत्तर- पहले वस्तुएं शुद्ध ताजी और स्वादिष्ट बनाई जाती थी लेकिन आजकल लोभ लालच बढ़ता जा रहा है और पैसे कमाने के चक्कर में दुकानदार भी मिलावटी सामान बेचने लगे हैं।

प्रश्न 2 आज की गृहणियों और कामकाजी महिलाओं के लिए क्या दुःसाध्य है?
उत्तर- उनके पास इतना समय नहीं है कि वे पुरानी परिपाटी के अनुसार व्यंजन बना सके जैसे खरबूजे के बीजों को धोना, सुखाना, छीलना और फिर उनसे व्यंजन तैयार करना।

प्रश्न 3 इस गद्यांश के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहते हैं?

इस गद्यांश के माध्यम से लेखक कहना चाहते हैं कि स्थानीय रूप से प्रचलित खाद्य पदार्थों का चलन अब कम होता जा रहा है और वस्तुओं की गुणवत्ता भी कम होती जा रही है।

प्रश्न 4 पाठ व लेखक का नाम बताइए
उत्तर- पाठ का नाम -खान पान की बदलती तस्वीर
लेखक का नाम -प्रयाग शुक्ल

प्रश्न 5 ऋतुओं शब्द का एकवचन रूप लिखिए।
उत्तर-ऋतु

प्रश्न 1 10- 15 वर्षों में खानपान की संस्कृति में क्या बदलाव आया है?
उत्तर- खानपान की भारतीय संस्कृति या मिलजुल गई हैं जिस कारण उत्तर भारत के लोग दक्षिण और दक्षिण के लोग उत्तर भारत के खानपान पसंद करने लगे हैं।

प्रश्न 2 ढाबा संस्कृति किस प्रांत की है?
उत्तर- पंजाब

प्रश्न 3 फास्ट फूड से क्या तात्पर्य है?
उत्तर- तुरंत भोजन

प्रश्न 4 फास्ट फूड में शामिल पदार्थ हैं-
उत्तर- बर्गर ,नूडल्स, चाइनीस नूडल्स इत्यादि

प्रश्न 5 खानपान की संस्कृति के मेलजोल का क्या परिणाम हो रहा है?
उत्तर- राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा, खानपान की नई विधियां व संस्कृतियों में निकटता आना।

प्रश्न 6 खानपान की मिश्रित संस्कृति में कई बार हम चीजों का असली स्वाद क्यों नहीं ले पाते?
उत्तर- क्योंकि एक ही बार में अनेक चीजें परोस दी जाती हैं

प्रश्न 7 नये-नये व्यंजन गृहणी और कामकाजी महिलाओं को क्यों पसंद है?
उत्तर क्योंकि वह कम समय में तथा जल्दी पक जाते हैं।

प्रश्न 8- मिश्रित संस्कृति के सकारात्मक पहलू कौन से हैं?
उत्तर- नई पीढ़ी को देश-विदेश के व्यंजनों को जानने का सुअवसर मिलता है।

प्रश्न 9 इडली डोसा कहां का व्यंजन है?
उत्तर- दक्षिणी भारत।

प्रश्न 10 पहले ब्रेड कहां देखने को मिलती थी?
उत्तर शिक्षित शहरी लोगों के घरों में।

प्रश्न 11 युवाओं को नए व्यंजनों का ज्ञान होना किसका परिणाम है?
उत्तर खान पान की बदलती संस्कृति का।

प्रश्न 12 एथनिक किन्हें कहा जाता है?
उत्तर- पांच सितारा होटल के स्थानीय व्यंजनों को।

प्रश्न 13 मौसमी सब्जियों से भरे समोसे कहां मिलते हैं?
उत्तर- उत्तर भारत के बाजारों में।

प्रश्न 14 बर्गर ,पिज़्ज़ा, नूडल्स व पूडिय़ाँ इनमें से कौन सा फास्ट फूड नहीं है?
उत्तर-पूडिय़ाँ

प्रश्न 15 फास्ट फूड का प्रचलन कहां बढा है?
उत्तर- फास्ट फूड का प्रचलन शहरों में खूब बढा है क्योंकि ये आधुनिकता का प्रतीक माने जाते हैं।

लघु प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1 कुछ गैर स्थानीय भोजनों के नाम लिखिए जो आपके परिवार में आनंद से खाए जाते हैं।
उत्तर- चाऊमीन ,बर्गर, पिज़्ज़ा, डोसा, इडली- सांभर ,समोसा, ढोकला व बंगाली मिठाईयां आदि।

प्रश्न 2 उत्तर भारतीय की' ढाबा संस्कृति' की क्या स्थिति है?
उत्तर- यह संस्कृति सारे भारत में फैल चुकी है आज हम देश के किसी भी भाग में हो हमें उत्तर भारतीयों का प्रिय भोजन रोटी दाल और साग आसानी से मिल जाता है।

प्रश्न 3 खान पान की बदलती संस्कृति ने पाव भाजी और छोले कुलचे पर क्या असर डाला है?।
उत्तर- खान पान की बदलती संस्कृति के कारण मुंबई की पाव भाजी और दिल्ली के छोले कुलचे अब सभी जगह आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं।

प्रश्न 4 कामकाजी महिलाओं के लिए स्थानीय व्यंजन बनाना सरल नहीं है ,क्यों?
उत्तर- क्योंकि कामकाजी महिलाओं के पास इतना समय नहीं होता कि वह छोटी-छोटी वस्तुओं जैसे खरबूजे के बीजों को सुखाना - छीलना के लिए समय निकाल सकें।

प्रश्न 5 खानपान की मिश्रित संस्कृति का प्रचार-प्रसार कब अधिक हुआ?
उत्तर- खानपान की मिश्रित संस्कृति का प्रचार प्रसार स्वतंत्रता के बाद अधिक हुआ।

प्रश्न 6 खानपान की मिश्रित संस्कृति का नमूना आसानी से कहां देखा जा सकता है?
उत्तर- खानपान की मिश्रित संस्कृति का नमूना माध्यमिक विद्यालयों में आसानी से देखा जा सकता है जब बच्चे दोपहर के समय टिफिन खोलते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1खानपान की संस्कृति राष्ट्रीय एकता बढ़ाने में किस प्रकार सहायक है?
उत्तर- खानपान की मिश्रित संस्कृति राष्ट्रीय एकता बढ़ाने में विशेष रूप से सहायक है इसी के प्रचार प्रसार से स्थानीय व्यंजन अन्य प्रदेशों में मिलने लगे हैं और उन व्यंजनों के प्रति लोगों का रुझान बढ़ा है और इसके अलावा उनको बनाने की विधि एवं अन्य बातों के प्रति बातचीत बढ़ती है इस मेलजोल से राष्ट्रीय एकता में वृद्धि होती है।

प्रश्न 2 पुनरुद्धार का अर्थ बताते हुए समझाइए कि यह स्थानीय व्यंजनों के लिए किस प्रकार आवश्यक है?
उत्तर-पुनरुद्धार का अर्थ है -पुनः उद्धार करना अर्थात किसी टूट-फूट की शिकार हो चुकी वस्तु परंपरा या मान्यता में आवश्यक सुधार लाते हुए उसे गौरवशाली रूप प्रदान करना, क्योंकि युवा वर्ग पाश्चात्य व्यंजनों को अपनाता जा रहा है। इससे स्थानीय व्यंजन महत्वहीन होते जा रहे हैं।

प्रश्न 3 खानपान की विविधता होने पर भी हम व्यंजनों का स्वाद नहीं ले पाते हैं ,क्यों?
उत्तर- खानपान की मिली-जुली संस्कृति के कारण आज खाने की मेज पर व्यंजनों की विविधता देखने को मिलती है पर हम यह भूल जाते हैं कि हर व्यंजन के खाने का तौर तरीका और स्वाद अलग होता है हम कई प्रकार के व्यंजन प्लेट में रख लेने के कारण उनका आनंद नहीं उठा पाते।

प्रश्न 4 खान पान की बदलती तस्वीर पाठ का माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहते हैं?
उत्तर- इस पाठ के माध्यम से लेखक ने यह संदेश देना चाहा है कि हम देश के विभिन्न अंचलों के स्थानीय व्यंजनों के स्वाद का अनंत तो उठाएं पर उन्हें तौर तरीके से खाएं हम पाश्चात्य का अंधानुकरण ना करें और पाश्चात्य व्यंजनों के कारण स्थानीय व्यंजनों की उपेक्षा न करें और उनका अस्तित्व बनाए रखें।

प्रश्न 5 स्थानीय व्यंजनों के प्रति लोगों की अभिरुचि में बदलाव क्यों आता जा रहा है?
उत्तर- स्थानीय व्यंजनों के प्रति लोगों की अभिरुचि में बदलाव आने के कई कारण हैं वर्तमान में महिलाओं में कामकाजी नौकरी करने की प्रवृत्ति बढ़ी है इस कारण वे इन व्यंजनों तैयार करने में इतना समय नहीं दे सकती जितना देना चाहिए| दिन प्रतिदिन बढ़ती महंगाई ने भी स्थानीय व्यंजनों का स्वाद कम कर दिया है इसके अलावा लोगों में आधुनिकता के नाम पर स्थानीय व्यंजनों की उपेक्षा करने की प्रवृत्ति बढ़ गई है।

व्याकरण बोध

प्रश्न 1द्वंद समास के 5 उदाहरण लिखिए
उत्तर-1 माता- पिता
2भला -बुरा
3 घास -फूस
4 नई -पुरानी
5 बर्गर -पिज़्ज़ा

प्रश्न 2 ससकृति शब्द का शुद्ध रूप लिखिए।
उत्तर-संस्कृति

प्रश्न 3 खुशबू का विलोम शब्द लिखिए?
उत्तर- बदबू

प्रश्न 4 दुर्गति शब्द में उपसर्ग बताइए।
उत्तर- दुर

प्रश्न 5 विविधता शब्द को वाक्य में प्रयोग कीजिए।
उत्तर- छात्र स्वयं करेंगे।

सृजनात्मक बोध

प्रश्न 1उत्तर भारत व दक्षिण भारत में प्रसिद्ध व्यंजनों की एक सूची बनाइए।
उत्तर- छात्र स्वयं करेंगे

प्रश्न 2 अपने पसंदीदा भोजन को बनाने की विधि लिखिए।
उतर- छात्र अपनी समझ के अनुसार स्वयं करेंगे

नीलकंठ

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें :-

नीलकंठ और राधा की सबसे प्रिय ऋतु तो वर्षा ही थी । मेघों के उमड़ आने से पहले ही वे हवा में उसकी सजल आहट पा लेते थे और तब उनकी मंद केका की गूँज अनुगूँज तीव्र से तीव्रतर होती हुई मानो बूँदों के उतरने के लिए सोपान पंक्ति बनने लगती थी । मेघ के गर्जन के ताल पर ही उसके तन्मय नृत्य का आरंभ होता । और फिर मेघ जितना अधिक गरजता , बिजली जितनी अधिक चमकती , बूँदों की रिमझिमाहट जितनी तीव्र होती जाती , नीलकंठ के नृत्य का वेग उतना ही अधिक बढ़ता जाता और उसकी केका का स्वर उतना ही मंद्र से मंद्रतर होता जाता । वर्षा के थम जाने पर वह दाहिने पंजे पर दाहिना पंख और बाएँ पर बायाँ पंख फैलाकर सुखाता । कभी - कभी वे दोनों एक- -दूसरे के पंखों से टपकनेवाली बूँदों को चोंच से पी - पीकर पंखों का गीलापन दूर करते रहते । इस आनंदोत्सव की रागिनी में बेमेल स्वर कैसे बज उठा , यह भी एक करुण कथा है ।

प्रश्न1. पाठ एवम् लेखक का क्या नाम है?

(क) नीलकण्ठ- महादेव (ख) नीलकण्ठ-हरिशंकर परसाई

(ग) नीलकण्ठ-महादेवी वर्मा (घ) नीलकण्ठ- भगवतीचरण वर्मा

प्रश्न2. वर्षा शब्द का पर्यायवाची क्या होगा?

(क) बादल (ख) बारिश

(ग) मेघ (घ) ग्रीष्म

प्रश्न3. मंद शब्द का क्या अर्थ है?

(क) तेज (ख) धीमा

(ग) बुरा (घ) मीठा

प्रश्न4. नीलकण्ठ कौन है?

(क) खरगोश (ख) सांप

(ग) कबूतर (घ) मोर

प्रश्न5. बूँदों की रिमझिमाहट तीव्र होने पर क्या होता?

(क) नीलकण्ठ छुप जाता (ख) तेज नाचता

(ग) रोने लगता (घ) सो जाता

उत्तरमाला- 1. ग, 2. ख, 3. ख, 4. घ, 5. ख

(ख)

मयूर कला प्रिय वीर पक्षी है, हिंसक मात्र नहीं। इसी से उसे बाज़, चील आदि की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता, जिनका जीवन ही क्रूर कर्म
मानवीकरण भी हो गया था। मेघों की सांवली छाया में अपने इंद्रधनुष के गुच्छे जैसे पंखों को मंडलाकार बनाकर जब वह नाचता था, तब
दाहिने-बाएं क्रम से घूम कर वह किसी अलक्ष्य सम पर ठहर-ठहर जाता था।
प्र(i) मोर ,चील और बाज़ में एकमात्र समानता क्या है?
क) कलाप्रिय होना
ख) निर्दयी होना
ग) हिंसक होना
घ)वीर होना
(ii) 'नीलकंठ का मानवीकरण हो गया' का आशय क्या है?
क) नीलकंठ मनुष्य जैसा था।
ख) नीलकंठ और मनुष्य में अंतर ना था।
ग) नीलकंठ मनुष्य जैसा ही नाचता था।
घ) नीलकंठ में मानवोचित गुण भरे थे।
(iii) वह पंखों को मंडलाकार बनाकर कब नाचता था?
क) वर्षा होने पर
ख) आसमान में बादल छाने पर
ग) इंद्रधनुष निकलने पर
घ)सूरज चमकने पर
iv) नीलकंठ के नृत्य की विशेषता बताने वाला विकल्प कौन सा है ?
क)एक सहजात लय-ताल होना
ख) अलक्ष्य सम पर ठहरना

ग) आगे-पीछे, दाएं बाएं क्रम में घूमना
घ) उपर्युक्त सभी
v) मंडलाकार का संधि विच्छेद क्या होगा-
क)मंडला+कार
ख) मंडल+आकार
ग)मंड+ लाकार
घ) मंडल+कार
उत्तर-
i) ग -हिंसक होना
ii) घ -नीलकंठ में मानवोचित गुण भरे थे
iii) ख- आसमान में बादल छाने पर
iv) घ- उपर्युक्त सभी
v) ख -मंडल+आकार ।

लघु प्रश्न उत्तर-
1. लेखिका ने मोर मोरनी को कहां से खरीदा था?
उत्तर-लेखिका ने मोर मोरनी को बड़े मियां चिड़िया वाले की दुकान से खरीदा था।
2.लेखिका ने मोर के बच्चों को कितने रुपए में खरीदा था ?
उत्तर-पैंतीस रुपए में।
3.किसके बच्चे ऊन के गोले जैसे दिख रहे थे?
उत्तर-खरगोश के।
4.शरारत करने पर नीलकंठ कैसे दंड देता था?
उत्तर-चोंच मारकर
5.कुब्जा कौन थी और उसका स्वभाव कैसा था ?
उत्तर-कुब्जा एक मोरनी थी और उसका स्वभाव क्रूर था।

भोर और बरखा

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें:-

जागो बंसीवारे ललना ! जागो मोरे प्यारे !

रजनी बीती , भोर भयो है , घर घर खुले किंवारे ।

गोपी दही मथत , सुनियत हैं कंगना के झनकारे ।।

उठो लालजी भोर भयो है , सुर - नर ठाढ़े द्वारे ।

ग्वाल बाल सब करत कुलाहल , जय - जय सबद उचारै ।।

माखन - रोटी हाथ मुँह लीनी , गउवन के रखवारे ।

मीरा के प्रभु गिरधर नागर , सरण आयौं को तारै ।।

बरसे बदरिया सावन की । सावन की मन भावन की ।।

सावन में उमग्यो मेरो मनवा , भनक सुनी हरि आवन की ।

उमड़ - घुमड़ चहुँदिस से आया , दामिन दमकै झर लावन की ।।

नन्हीं - नन्हीं बूँदन मेहा बरसे , शीतल पवन सुहावन की ।

मीरा के प्रभु गिरधर नागर ! आनंद - मंगल गावन की

प्रश्न1. उपर्युक्त काव्यांश किस कविता से लिया गया है?

उत्तर - भोर और बरखा ।

प्रश्न2. रजनी शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर -- रात

प्रश्न3. काव्यांश में कौन किसे सम्बोधित कर रहा है?

उत्तर यशोदा माता श्रीकृष्ण को

प्रश्न4. भनक शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर - आभास होना

प्रश्न5. मेहा शब्द के पर्यायवाची क्या होंगे?

उत्तर - मेघ, जलचर ।

प्रश्न 6:- ' भोर और बरखा ' कविता के कवि/ कवयित्री कौन है?
उत्तर:- मीरा बाई जी ।
प्रश्न:7- माँ यशोदा किसको जगाने का प्रयास का रही है?
उत्तर:- श्रीकृष्ण जी को जगाने का प्रयास माँ यशोदा कर रही है ।
प्रश्न8:- ' बंसीवारे' किसे कहा गया है?
उत्तर:- बंसीवारे श्रीकृष्ण जी को कहा गया है ।
प्रश्न9:- गोपियों के कंगन की आवाज क्यो उत्पन्न हो रही है?
उत्तर:- गोपियों के कंगन की आवाज दही मथने के कारण आ रही है ।
प्रश्न10:- ग्वालो के बच्चों द्वारा कोलाहल क्यों किया जा रहा है?

उत्तर:- **श्रीकृष्ण की जयजयकार करने से बच्चों का कोलाहल सुनाई दे रहा है ।**
प्रश्न11:- **मीरा किसकी भक्त थी ?**
उत्तर:- **मीरा श्रीकृष्ण जी की भक्त थी**
प्रश्न:**12- मीरा को सावन मनभावन क्यों लगने लगा ?**
उत्तर:- **क्योंकि उन्हें श्रीकृष्ण जी के आने का आभास हो गया था ।**
प्रश्न13:- **मीरा के अनुसार उनके प्रभु मुख्यतः क्या कार्य करते हैं?**
उत्तर:- **मीरा के अनुसार उनके प्रभु मुख्यतः गायो की रक्षा और अपने भक्तों का कल्याण करते हैं ।**
प्रश्न14:- **' दामिन' और ' मेहा' शब्दो के अर्थ लिखिए** :-
उत्तर:- **दामिन** :- **बिजली**
मेहा :- **बादल ।**
प्रश्न:- **' सरन' शब्द का तत्सम शब्द बताइये**:-
उत्तर:- **सरन शब्द का तत्सम शब्द है – शरण ।**
प्रश्न:- **'सबद' का तत्सम शब्द बताइये**:-
उत्तर:- **' सबद ' का तत्सम शब्द है**:- **शब्द ।**
प्रश्न:- **निम्नलिखित शब्दों में संधि करिए** :- **नील+आभ = नीलाभ ।**
नव+ आगंतुक = नवागंतुक ।
प्रश्न:- **निम्नलिखित शब्दों को जोड़कर अन्य शब्द बनाइए**:- **गंध, फल , मान**
उत्तर:- **विद्यार्थी स्वयं करे ।**

व्याकरण के प्रश्न उत्तर

1. माखन-रोटी में कौन सा समास है?

उत्तर -. द्वन्द्व समास ।

2. नवागंतुक का सन्धि विच्छेद क्या होगा?

उत्तर -नव+आगंतुक

3. मोर के सिर की कलगी सघन, ऊँची तथा चमकीली हो गई।इस वाक्य में विशेषण शब्द छाँटिए।

उत्तर -सघन , ऊंची, तथा चमकीली ।

4. वह सुंदर पक्षी है। इस वाक्य में वह शब्द व्याकरणिक दृष्टि से क्या है?

उत्तर - सर्वनाम,

5. भोर और बरखा काव्य में आये पुनरुक्त शब्द छाँटिए।

उत्तर नन्हीं-नन्हीं, घर-घर ।

वीर कुंवर सिंह

1) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

2) यहां स्वतंत्रता संग्राम के उसी वीर कुंवर सिंह के बारे में जानकारी दी जा रही है ।

3) सन 1857 के व्यापक सशस्त्र विद्रोह ने भारत में ब्रिटिश शासन की जड़ों को हिला दिया भारत में ब्रिटिश शासन ने जिस दामन नीति का आरंभ किया था उसके विरुद्ध विद्रोह शुरू हो गया था । मार्च 1857 में बैरकपुर शाखा बैरकपुर में अंग्रेजों के विरुद्ध बगावत करने वाले मंगल पांडे को 8 मई 1857 को फांसी दे दी गई थी| 10 मई 1857 को मेरठ में सैनिकों ने ब्रिटिश अधिकारियों के विरुद्ध आंदोलन किया और सीधे दिल्ली की ओर कूच कर गए दिल्ली में तैनात सैनिकों के साथ मिलकर 11 मई 1857 को उन्होंने दिल्ली पर कब्जा कर लिया और अंतिम मुगल बादशाह जफर को भारत का शासक घोषित कर दिया| यह विद्रोह जंगल की आग की भांति दूर-दूर तक फैल गया कई महीनों तक उत्तरी और मध्य भारत के विस्तृत विभागों पर विद्रोहियों का कब्जा रहा|

प्रश्न :-1 उपर्युक्त गद्यांश में किस क्रांतिकारी के बारे में जानकारी दी गई हैं?
उत्तर:- प्रस्तुत गद्यांश में वीर कुंवर सिंह के बारे में जानकारी दी गई हैं ।
प्रश्न:-2 अंग्रेजो के द्वारा किस नीति का अनुसरण किया जा रहा था?
उत्तर:- अंग्रजों के द्वारा दमन नीति का अनुसरण किया जा रहा था ।
प्रश्न:-3 सबसे पहले विद्रोह किस छावनी में हुआ था?
उत्तर:- बैरकपुर छावनी में सबसे पहले विद्रोह हुआ था ।
प्रश्न:-4 सबसे पहले किस क्रांतिकारी को फांसी की सजा दी गई?
उत्तर:- सबसे पहले मंगल पांडे जी को फांसी की सजा सुनाई गई ।
प्रश्न:-5 क्रांतिकारियों ने दिल्ली का बादशाह किसको घोषित कर दिया?
उत्तर:- बहादुर शाह जफर को क्रांतिकारियों ने दिल्ली का बादशाह घोषित कर दिया ।

3)-निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-
वीर कुंवर सिंह के बचपन के बारे में बहुत अधिक जानकारी नहीं मिलती| कहा जाता है,कि कुंवर सिंह का जन्म बिहार के शाहबाद जिले के जगदीशपुर में 1782 में हुआ था। उनके पिता का नाम साहबजादा सिंह और माता का नाम पंचरतन कुंवर था। उनके पिता साहबजादा सिंह जगदीशपुर रियासत के जमींदार थे ।परंतु उनको अपनी जमीनदारी हासिल करने में बहुत संघर्ष करना पड़ा । पारिवारिक उलझनों के कारण कुंवर सिंह के पिता बचपन में उनकी ठीक से देखभाल नहीं कर सके । जगदीशपुर लौटने के बाद ही वे कुंवर सिंह की पढ़ाई लिखाई की ठीक से व्यवस्था कर पाए। कुंवर सिंह के पिता वीर होने के साथ-साथ स्वाभिमानी एवं उदार स्वभाव के व्यक्ति थे। उनके व्यक्तित्व का प्रभाव कुंवर सिंह पर भी पड़ा। कुंवर सिंह की शिक्षा दीक्षा की व्यवस्था उनके पिता ने घर पर ही की। वहीं से उन्होंने हिंदी संस्कृत और फारसी सीखी । परंतु पढ़ने लिखने से अधिक उनका मन घुड़सवारी तलवारबाजी और कुश्ती लड़ने में लगता था।

प्रश्न:-1 वीर कुंवर सिंह का जन्म कहाँ हुआ?
उत्तर:- कुंवर सिंह का जन्म शाहबाद जिलें के जगदीशपुर में हुआ था ।
प्रश्न:-2 वीर कुंवर सिंह के माता-पिता का क्या नाम था?
उत्तर:- उनके पिताजी का नाम साहबजादा सिंह और माता का नाम रतन कुंवर था ।
प्रश्न:-3 वीर कुंवर सिंह के पिता जी क्या काम करते थे?
उत्तर:- वे जगदीशपुर रियासत के जमींदार थे ।
प्रश्न:-4 वीर कुंवर सिंह की पढाई लिखाई कहाँ से हुई थी?
उत्तर:- वीर कुंवर सिंह की पढाई लिखाई घर पर ही हो पाईं थी ।
प्रश्न:-5 वीर कुंवर सिंह का मन कहाँ पर ज्यादा लगता था?
उत्तर:- घुड़सवारी, तलवारबाजी और कुश्ती लडने मे ज्यादा मन लगाता था ।

(3) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

आजमगढ़ की ओर जाने का उनका उद्देश्य था - इलाहाबाद एवं बनारस पर आक्रमण कर शत्रुओं को पराजित करना। और अंततः जगदीशपुर पर अधिकार करना । अंग्रेजों और कुंवर सिंह की सेना के बीच घमासान युद्ध हुआ। उन्होंने 22 मार्च 18 58 को आजमगढ़ पर अधिकार कर लिया। अंग्रेजों ने दो बार आजमगढ़ पर आक्रमण किया। कुंवर सिंह ने एक बार फिर आजमगढ़ पर अंग्रेजों को हराया। इस प्रकार अंग्रेजी सेना को परास्त कर कुंवर सिंह 23 अप्रैल 1818 को स्वाधीनता की विजय पताका फहराते हुए जगदीशपुर पहुंचे। किंतु इस बूढ़े शेर को बहुत अधिक दिनों तक इस विद्या का आनंद लेने का सौभाग्य नही मिला। इसी दिन विजय उत्सव मनाते हुए लोगों ने यूनियन जैक (अंग्रेजों का झंडा) उतार कर अपना झंडा फहराया। इसके 3 दिन बाद ही 26 अप्रैल 18 58 को यह वीर इस संसार से विदा होकर, अपनी अमर कहानी छोड़ गया। स्वाधीनता सेनानी वीर कुंवर सिंह युद्ध कला में पूरी तरह कुशल थे। छापामार युद्ध करने में उन्हें महारत हासिल थी। कुंवर सिंह के रण कौशल को अंग्रेजी सेनानायक समझने में पूर्णत: असमर्थ थे। दुश्मन को उनके सामने से या तो भागना पड़ता था, या कट मरना पड़ता था। 18 57 के स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने तलवार की धार से अंग्रेजी सेना को मौत के घाट उतारा। उन की चमक आज भी भारतीय इतिहास के पृष्ठों में अंकित है। उनकी बहादुरी के बारे में अनेक किस्से प्रचलित है।

प्रश्न:-1 आजमगढ़ की ओर आने का क्रांतिकारियों का क्या उद्देश्य था ?

उत्तर:- उनका उद्देश्य था इलाहाबाद और बनारस पर आक्रमण कर शत्रुओं को पराजित करना।

प्रश्न:-2 क्रांतिकारियों ने आजमगढ़ के किले पर कब अधिकार किया?

उत्तर:- 22 मार्च 1858 को उन्होंने अधिकार प्राप्त किया।

प्रश्न:-3 जगदीशपुर पर कब स्वाधीनता की पताका फहराई?

उत्तर:- 23 मार्च 1858 को जगदीशपुर पर स्वाधीनता की पताका फहराई।

प्रश्न:-4 वीर कुंवर सिंह का देहावसान कब हुआ?

उत्तर:- 26 मार्च 1858 को उनका देहान्त हो गया।

प्रश्न:-5 वीर कुंवर सिंह कौन सा युद्ध अंग्रजों के विरुद्ध करते थे?

उत्तर:- गुरिल्ला युद्ध वीर कुंवर सिंह अंग्रजों के विरुद्ध करते थे।

(4) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

कहा जाता है, एक बार वीर कुंवर सिंह को अपनी सेना के साथ गंगा पार करनी थी, अंग्रेजी सेना निरंतर उनका पीछा कर रही थी, पर वीर कुंवर सिंह भी कम चतुर नहीं थे। उन्होंने अफवाह फैला दी- कि वह अपनी सेना को बलिया के पास हाथियों पर चढ़ा कर पार कराएंगे। फिर क्या था, अंग्रेज सेनापति डगलस बहुत बड़ी सेना लेकर बलिया के निकट गंगा तट पर पहुंचा।और कुवर सिंह की प्रतीक्षा करने लगा। कुवर सिंह ने बलिया से 7 मील दूर शिवराजपुर नामक स्थान पर अपनी सेना को नावों से गंगा पार करा दिया। जब डगलस को इस घटना की सूचना मिली, तो वह भागते हुए शिवराजपुर पहुंचा। पर कुंवर सिंह की तो पूरी सेना गंगा पार कर चुकी थी। एक अंतिम नाव रह गई थी ,और कुंवर सिंह उसी पर सवार थे। अंग्रेज सेनापति डगलस को बहुत अच्छा मौका मिल गया। उसने गोलियां बरसानी आरंभ कर दी। तब कुंवर सिंह के बाएं हाथ की कलाई को छेदती हुई एक गोली निकल गई। कुंवर सिंह को लगा -कि अब हाथ तो बेकार ही हो गया , और गोली का जहर भी फैलने का भय था। उसी क्षण उन्होंने गंगा मैया की ओर भावपूर्ण नेत्रों से देखा, और अपने बाएं हाथ को काट कर गंगा मैया को अर्पित कर दिया। कुंवर सिंह ने अपने ओजस्वी स्वर में कहा - हे गंगा मैया अपने प्यारे की इस अकिंचन भेंट को स्वीकार करो।

प्रश्न 1:- वीर कुंवर सिंह ने क्या अफवाह फैला दी ?

उत्तर:- उन्होंने अफवाह फैला दी कि बलिया के रास्ते गंगा पार करेंगे।

प्रश्न:-2 वीर कुंवर सिंह ने गंगा पार कहाँ से किया ?

उत्तर:- शिवराजपुर से उन्होंने गंगा पार की।

प्रश्न:-3 जब अंग्रेज अधिकारी शिवराजपुर पहुँचा तो उसने क्या देखा ?

उत्तर:- उसने देखा कि अंतिम नाव बची हुई है जो गंगा पार कर रहीं हैं।

प्रश्न:-4 डगलस ने गोलियाँ चलाई तो कुंवर सिंह को कहाँ गोली लगी?

उत्तर:- वीर कुंवर सिंह को डगलस की एक गोली बाएँ हाथ में लगी।

प्रश्न:-5 गोली लगने के बाद वीर कुंवर सिंह ने क्या किया ?
उत्तर:- उन्होंने अपना बायाँ हाथ काटकर गंगा में अर्पित कर दिया।

(5) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

वीर कुंवर सिंह ने ब्रिटिश हुकूमत के साथ लोहा तो लिया ही साथ ही उन्होंने अनेक सामाजिक कार्य भी किए। आरा जिला मे उन्होने अपनी जमीन स्कूल के लिए दान में दी थी। जिस पर स्कूल के भवन का निर्माण किया गया। कहा जाता है कि उनकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। फिर भी वह निर्धन व्यक्तियों की सहायता करते थे।उन्होंने अपने इलाके में अनेक सुविधाएं प्रदान की थी। उनमें से एक है, आरा -जगदीशपुर सड़क और आरा -बलिया सड़क का निर्माण। उस समय जल की पूर्ति के लिए लोग कुआं खुदवाते थे, और तालाब बनवाते थे। वीर कुंवर सिंह ने अनेक कुआं खुदवाए।और जलाशय भी बनवाए। कुंवर सिंह उदार एवं अत्यंत संवेदनशील व्यक्ति थे। इब्राहिम खान और किफायत हुसैन उनकी सेना में उच्च पदों पर आसीन थे। उनके यहां हिंदुओं और मुसलमानों के सभी त्यौहार एक साथ मिलकर मनाए जाते थे। उन्होंने पाठशालाए और मकतब भी बनवाए। बाबू कुंवर सिंह की लोकप्रियता इतनी थी- कि बिहार की कई लोग भाषाओं में उनकी प्रशस्ति लोकगीतों के रूप में आज भी गाई जाती है। बिहार के प्रसिद्ध कवि मनोरंजन प्रसाद सिंह ने उनकी वीरता और शौर्य का वर्णन करते हुए लिखा है -

चला गया यूं कुंवर अमरपुर, साहब से अब अरिदल जीत ,
उनका चित्र देखकर अब भी ,दुश्मन होते हैं भयभीत।
वीर- प्रसविनी- भूमि धन्य है, धन्य वीर वह धन्य अतीत।
गाते थे और गावेगे हम हरदम, उनकी जय का गीत।
स्वतंत्रता का सैनिक था, आजादी का दीवाना था ।
सब कहते हैं कुंवर सिंह भी, बड़ा वीर मरदाना था।

प्रश्न:-1 क्रांतिकारी कार्यों के साथ-साथ वीर कुंवर सिंह ने और क्या किया जिससे वे प्रसिद्ध हुए?
उत्तर:- उन्होंने बहुत से सामाजिक कार्य भी किए। निर्धन व्यक्तियों की सहायता करते थे। उन्होंने अनेक कुएँ खुदवाए और जलाशय बनवाएं।

प्रश्न:-2 वीर कुंवर सिंह ने कौन कौन से सामाजिक कार्य किए थे?
उत्तर:- उन्होंने पाठशालाओ का निर्माण करवाया, अनेक कुएँ खुदवाए और जलाशय बनवाएं।
प्रश्न:-3 वीर कुंवर सिंह के किस कार्य से पता चलता है कि वे हिंदू मुसलमानों को समान समझते थे?
उत्तर:- उनकी सेना में मुसलमान उच्च पदों पर आसीन थे।
प्रश्न:-4 वीर कुंवर सिंह के शौर्य का पता कैसे चलता है?
उत्तर:- अनेक कवियों की कविताओं और रचनाओं के द्वारा।
प्रश्न:-5 बिहार के किस कवि ने वीर कुंवर सिंह के शौर्य की चर्चा की हैं?
उत्तर:- बिहार के प्रसिद्ध कवि मनोरंजन सिंह की प्रशस्ति के द्वारा।

व्याकरण आधारित प्रश्न उत्तर लिखो:-

1) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिए:-
कवि, मरदाना।
2) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए:-
गोली, व्यक्ति।
3) निम्नलिखित शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनिए:-
सवाधिनता, सवाधीनता, स्वाधीनता, स्वाधिनता।
4) रिक्त स्थान की पूर्ति करिए:-
रानी लक्ष्मीबाई---------की रानी थी।

"स्वतंत्रता " शब्द का क्या अर्थ होता है?

उत्तर

1) कवयित्री , मर्दानी।
2) गोलियाँ, व्यक्तियों।
3) स्वाधीनता।
4) झाँसी की
5) आजादी।

संघर्ष के कारण मैं तुनकमिजाज हो गया :

1) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-
बचपन मुश्किलों से भरा रहा हम बहुत गरीब थे। मेरे दोनों बड़े भाई हॉकी खेलते थे। उन्हीं के चलते समय मुझे भी उसका शौक हुआ। पर हॉकी स्टिक खरीदने तक की हैसियत नहीं थी मेरी। इलिए अपने साथियों के स्टीक उधार मांग कर काम चलाता था। वह मुझे तभी मिलती- जब वे खेल चुके होते थे। इसके लिए बहुत धीरज के साथ अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता था। मुझे अपनी पहली स्टिक तब मिली- जब मेरे बड़े भाई को भारतीय फर्म के लिए चुन लिया गया। उसने मुझे अपनी पुरानी स्टिक दे दी। यह नई तो नहीं थी - लेकिन मेरे लिए बहुत कीमती थी। क्योंकि वह मेरी अपनी थी। मैंने अपनी जूनियर राष्ट्रीय हॉकी सन 1985 में मणिपुर में खेली। तब मैं सिर्फ 16 साल का था। देखने में दुबला पतला और छोटे बच्चे के जैसा चेहरा । अपनी दुबली कद- काठी के बावजूद मेरा ऐसा दबदबा था, कि कोई मुझसे भिड़ने की कोशिश नहीं करता था। मैं बहुत जुझारू था- मैदान में भी और मैदान के बाहर भी। 1986 में मुझे सीनियर टीम में डाल दिया गया। और मैं बोरिया बिस्तर बांध कर मुंबई चला आया। उस साल मैंने और मेरे बड़े भाई रमेश ने मुंबई लीग में बेहतरीन खेल खेला। हमने खूब धूम मचाई। इसी के चलते मेरे अंदर एक उम्मीद जगी- कि मुझे ओलंपिक 1988 के लिए नेशनल कैंप से बुलावा जरूर आएगा। पर नहीं आया।मेरा नाम 57 खिलाड़ियों की लिस्ट में भी नहीं था। बड़ी मायूसी हुई -मगर एक साल बाद ही ऑलविन एशिया कप के कैंप के लिए मुझे चुन लिया गया। तब से लेकर आज तक मैंने पीछे मुड़ कर नहीं देखा।

प्रश्न:-1 प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से अवतरित है ?
उत्तर :- यह गद्यांश " संघर्ष के कारण मैं तुनकमिजाज हो गया " पाठ से अवतरित है।
प्रश्न:-2 प्रस्तुत गद्यांश में अपने बारे में कौन बता रहा है?
उत्तर:- हॉकी खिलाडी " धनराज पिल्लै" जी एक इंटरव्यू के दौरान अपने अनुभव को साझा कर रहे हैं।
प्रश्न:-3 धनराज जी हाकी स्टिक का प्रबंध कहाँ से करते थे?
उत्तर:- वे अपने दोस्तों से उधार लेकर अभ्यास करते थे।
प्रश्न:-4 धनराज जी ने जब अपना पहला मैच खेला तब उनकी आयु कितनी थी ?
उत्तर:- उस समय वे सोलह साल के थे।
प्रश्न:-5 अंततः धनराज जी का चुनाव किस टीम के लिए हुआ?
उत्तर:- आलविन एशिया कप में उनको चयनित किया गया।

2) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-
धनराज :- मै पढ़ने में एकदम फिसड्डी था। इसी तरह दसवीं तक पहुंचा ,मगर उसके आगे तो मामला बहुत कठिन था। एक बात कहूं अगर मैं हॉकी खिलाड़ी नही होता , तो शायद एक चपरासी

की नौकरी भी मुझे ना मिलती। आज मैं बैचलर ऑफ साइंस या बैचलर आफ आर्ट भले ना हो ,पर गर्व से कह सकता हूं , कि मैं बैचलर ऑफ हॉकी हूं । (हंसते हुए) और मेरी शादी के लिए आप मुझे मास्टर ऑफ हॉकी कह सकते है।

विनीता- आप इतनी तुनक मिजाज क्यों हैं? कभी-कभी आप आक्रामक भी हो जाते है।

धनराज- इस बात का संबंध मेरे बचपन से जुड़ा हुआ है। मैं हमेशा से ही अपने आप को बहुत असुरक्षित महसूस करता रहा हॅ। मैंने अपनी मां को देखा है- कि उन्हें हमारे पालन पोषण में कितना संघर्ष करना पड़ा है। मेरी तुनकमिजाजी के पीछे कई वजह हैं। लेकिन मैं बिना लाग- लपेट वाला आदमी हूं। मन में जो आता है, सीधे-सीधे कह डालता हूं। और बाद में कई बार पछताना भी पड़ता है। मुझसे अपना गुस्सा रोका नहीं जाता। दूसरे लोगों को भी मुझे उकसाने में मजा आता है। मुझे जिंदगी में हर छोटी -बड़ी चीज के लिए जूझना पड़ा। जिससे मैं चिड़चिड़ा हो गया हूं। साथ ही साथ मैं बहुत भावुक इंसान भी हूं। मैं किसी को तकलीफ में नहीं देख सकता। मैं अपने दोस्तों और अपने परिवार की बहुत कद्र करता हूं। मुझे अपनी गलतियों के लिए माफी मांगने में कोई शर्म महसूस नहीं होती।

प्रश्न:-1 धनराज पिल्लै जी का इंटरव्यू कौन ले रह था ?

उत्तर :- विनीता नामक एक पत्रकार उनका इंटरव्यू ले रहीं थीं।

प्रश्न:-2 पढने लिखने मे कैसे थे ?

उत्तर:- उनका मन नहीं लगता था। उन्होंने मैट्रिक पास की थी।

प्रश्न:-3 धनराज जी ने अपनी तुनकमिजाज का क्या कारण बताया ?

उत्तर:- उन्होंने कहा कि बचपन से ही उनकों प्रत्येक चीज के लिए संघर्ष करना पड़ा था जिसके कारण वे तुनकमिजाज हो गए थे।

प्रश्न:-4 धनराज पिल्लै जी ने कौन-सी डिग्री हासिल की थी?

उत्तर:- उन्होंने बैचलर ऑफ हाकी की डिग्री हासिल की थी।

प्रश्न:-5 धनराज जी को पछताना क्यों पडता था?

उत्तर:- वे अपने गुस्से पर काबू नहीं पा सकते थे जिसके कारण वे कुछ भी बोल देते थे कुछ ऐसा भी जिसके बारे में सोचकर बाद में उनको पछतावा भी होता था।

3) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

मेरी पहली कार सेकंड हैंड अरमाडा थी। जो मुझे मेरे पहले के एम्प्लॉय ने दी थी। तब तक मैं काफी नामी खिलाड़ी बन चुका था। मगर यह कोई जरूरी नहीं था- कि शोहरत पैसा साथ लेकर आए। मैं तब भी मुंबई की लोकल ट्रेनों और बसों में सफर करता था। क्योंकि टैक्सी में चढ़ने की हैसियत मुझ में नहीं थी। मुझे याद है एक बार किसी फोटोग्राफर ने एक भीड़ से भरे रेलवे स्टेशन पर मेरी तस्वीर खींचकर अगली सुबह अखबार में यह खबर छाप दी।- कि हॉकी का सितारा पिल्लै अभी भी मुंबई की लोकल ट्रेनों में सफर करता है। उस दिन मैंने महसूस किया -कि मैं एक मशहूर चेहरा बन चुका हूं। और मुझे लोकल ट्रेनों में सफर करने से बचना चाहिए। लेकिन मैं कर ही क्या सकता था । मैं जो भी थोड़ा बहुत कमाता उससे अपना परिवार चलाना पड़ता था। धीरे-धीरे पैसे जमा करके बहन की शादी की। और अपनी मां के लिए हर महीने पुणे पैसा भेजना शुरू किया। आज मेरे पास एक फोर्ड आइकन है।जिसे मैंने 2000 में खरीदा था। मगर वह किसी कारपोरेट हाउस का दिया हुआ तोहफा नहीं बल्कि मेरी मेहनत की गाढ़ी कमाई से खरीदी हुई कार है।

विनीता। - -सफलता का आपके लिए क्या महत्व है? हॉकी को आपने इतना कुछ दिया इसके बदले आपको क्या मिला?

धनराज। कुछ रुपए इनाम में मिले थे। मगर आज खिलाड़ियों को जितना मिलता है -उसके मुकाबले में पहले कुछ नहीं मिलता था । मेरी पहली जिम्मेदारी थी, परिवार में आर्थिक तंगी को दूर करना।

और उन सबको एक बेहतर जिंदगी देना। विदेश में जाकर खेलने से जो कमाई हुई ,उससे मैंने 1994 में पुणे के भाऊ पाटील रोड पर दो बेडरूम का एक छोटा सा फ्लैट खरीदा । घर छोटा जरूर है, पर हम सब के लिए काफी है। 1999 में महाराष्ट्र सरकार ने मुझे पवई में एक फ्लैट दिया। वह ऐसा घर है, जिसे खरीदने की मेरी खुद की हैसियत कभी नहीं हो पाती।

प्रश्न:-1 धनराज पिल्लै जी ने अपनी पहली कार कौन सी खरीदी थी?
उउत्तर:- अरमाडा जोकि सेकेंड हैंड थी।
प्रश्न:-2 धनराज पिल्लै जी मुम्बई की लोकल ट्रेन में सफर क्यों करते थे?
उत्तर:- क्योंकि उनकीं आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी।
प्रश्न:-3 एक दिन धनराज पिल्लै जी के साथ स्टेशन पर क्या हुआ?
उत्तर:- एक दिन एक पत्रकार ने उनका फोटो खींचकर अखबार में छाप दिया था।
प्रश्न:-4 धनराज जी ने अपना पहला घर कहाँ पर खरीदा था?
उत्तर:- पूणे की भाऊ पाटिल रोड पर उन्होंने अपना पहला घर खरीदा था।
प्रश्न:-5 पवई महाराष्ट्र में उनको एक फ्लैट किसने दिया था?
उत्तर:- महाराष्ट्र सरकार ने उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए यह फ्लैट दिया था।

व्याकरण आधारित प्रश्न उत्तर;-

1) निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग बताइये;:-
   विनम्रता, विख्यात।
2) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द बताइये :-
   अच्छा, दौडना।
3) ',' विराम चिन्ह को पहचान कर उसका नाम बताइये।
4) हाकी का सितारा या हाकी का जादूगर कौन है ?
5) इंटरव्यू का क्या अर्थ होता है ?

उत्तर ;-

1) वि , वि ।
2) बुरा, धीरे-धीरे चलना।
3) अर्ध विराम।
4) मेजर ध्यानचंद जी।
5) इंटरव्यू गद्य की एक विधा है, जिसमें दो व्यक्ति आमने-सामने बैठकर बात करते हैं।एक व्यक्ति प्रश्न पूछता है और दूसरा उसका उत्तर देता है।

आश्रम का अनुमानित व्यय।

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तरदीजिए।

हर महीने औसतन दस अतिथियों के आने की संभावना है।इन में तीन या पाँच सपरिवार होंगे, इसलिए स्थान की व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए कि परिवार वाले लोग अलग रह सके और शेष एक साथ। इसको ध्यान मे रखते हुए तीन रसोई घर हो और मकान कुल पचास हजार वर्ग फुट क्षेत्र फल में बने तो सब लोगों के लायक जगह हो जाएगी।इसके अलावा तीन हजार पुस्तकें रखने लायक पुस्तकालय और अलमारियाँ भी होनी चाहिए।

1) प्रत्येक महीने कितने अतिथियों के आश्रम में आने की संभावना बताई गईहै?
2) आश्रम में सपरिवार कितने लोगों के आने की संभावना है?

3) आश्रम में कितने रसोईघर बनवाएं गए हैं?
4) मकान (आश्रम) कुल कितने वर्गफुट क्षेत्रफल में बना हुआ था?
5) आश्रम के पुस्तकालय की अलमारियों में लगभग कितनी पुस्तकें रखी जा सकती है?

उत्तर:-

1) प्रत्येक महीने लगभग दस अतिथियों के आने की संभावना बताई गई है।
2) सपरिवार लगभग तीन या पाँच की संभावना है।
3) आश्रम में कुल तीन रसोईघर बनाएं गए हैं।
4) मकान कुल पचास हजार वर्ग फुट क्षेत्रफल में बना हुआ था।
5) पुस्तकालय की अलमारियों में तीन हजार पुस्तकें रखी जा सकती है।

2) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नोके उत्तर दीजिए:-

कम से कम पांच एकड जमीन खेती करने के लिए चाहिए, जिसमें कम से कम तीस लोग काम कर सकें, इतनें खेती के औजार चाहिए। इन में कुदालियों, फावडों और खुरपों की जरुरत होगी।
बढईगिरी के निम्नलिखित औजार भी होने चाहिए- पाँच बडे हथौड़े, तीन बसूले, पाँच छोटी हथौड़ियाँ, दो एरन, तीन बम, दस छोटी- बडी छेनियाँ, चार रंदे, एक सालनी, चार केतियाँ,चार छोटी- बडी बेधनियाँ, चार आरियाँ,पाँच छोटी- बडी संडासियाँ, बीस रतल कीलें- छोटी और बड़ी, एकमोंगरा (लकडी का हथौडा) , मोची के औजार।
मेरे अनुमान से इन सब पर कुल पाँच रूपया खर्च आएगा।
रसोई के लिए आवश्यक सामान पर एक सौ पचास रुपये खर्च आएगा। स्टेशन दूर होगा तो सामान को या मेहमानों को लाने के लिए बैलगाड़ी चाहिए। मै खाने का खर्च दस रुपये मासिक प्रति व्यक्ति लगाता हूँ। मैंन हीं समझता कि हम यह खर्च पहले वर्ष मे निकाल सकेंगे । वर्ष मे औसतन पचास लोगों का खर्च छह हजार रुपये आएगा।

1) आश्रम में खेती करने के लिए कितनी जमीन चाहिए थी?
2) आश्रम की जमीन पर कितने लोग खेती का काम कर सकते थे?
3) बढईगिरी के कौन–कौन से औजार मंगवाएं गए थे ?
4) बढईगिरी के औजारों पर लगभग कितना खर्च तय किया गया?
5) आश्रम में रहने पर खाने के लिए प्रतिव्यक्ति कितना खर्च लिया जाता था

उत्तर:-

1) आश्रम में खेती करने के लिए कम से कम पांच एकड जमीन चाहिए थी।
2) आश्रम की जमीन पर कम से कम तीस लोग काम कर सकतेथे।
3) पाँच बडे हथौड़े, तीन बसूले, पाँच छोटी हथौड़ियाँ, दो एरन, तीन बम, दस छोटी–बड़ी छेनियाँ, चार रंदे, एक सालनी, चार केतिया, चार आरिया, पाँच छोटी बडी संडासियाँ आदि वस्तुएँ चाहिएथी।
4) बढईगिरी के औजारों पर कुल पाँच रूपया खर्च तय किया गया।
5) खानेके लिए प्रति व्यक्ति दस रुपये मासिक तय किया गया।

3) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

मुझे मालूम हुआ कि प्रमुख लोगों की इच्छा यह है कि अहमदाबाद में यह प्रयोग एक वर्ष तक किया जाए। यदि ऐसा हो तो अहमदाबाद को सब खर्च उठाना चाहिए।मेरी माँग तो यह भी है कि अहमदाबाद मुझे पूरी जमीन और मकान सभी दे दे तो बाकी खर्च मै कहीं और से या दूसरी तरह जुटा लूँगा। अब चूंकि विचार बदल गया है, इसलिए ऐसा लगता है कि एक वर्ष का या इससे कुछ कम दिनों का खर्च अहमदाबाद को उठाना चाहिए। यदि अहमदाबाद एक वर्ष का बोझ उठाने के लिए तैयार न हो, तो ऊपर बताए गए खाने के खर्च का इंतजाम मै कर सकता हूँ। चूंकि मैंने खर्च का यह अनुमान जल्दी में तैयार किया है,

इसलिए यह संभव है कि कुछ मदें मुझसे छूट गई हो।इसके अतिरिक्त खाने के खर्च के सिवा मुझे स्थानीय स्थितियों की जानकारी नहीं है।इसलिए मेरे अनुमान में भूलें भी हो सकती है।

1) उपरोक्त गद्यांश किस लेख से उद्धृत है और इसके लेखक का नाम भी बताइये?
2) गाँधी जी ने अहमदाबाद शहर से क्या माँग की हैं?
3) गाँधी जी के अनुसार एक वर्ष का खर्च किसको उठाना चाहिए?
4) गाँधीजी स्वयं कौन सा खर्च उठाने के लिए तैयार हैं?
5) गाँधीजी के अनुमानित खर्च में भूल क्यों हो सकती थी?

उत्तर:-

1)पाठ का नाम "आश्रम का अनुमानित व्यय "और लेखक का नाम"मोहनदासकरमचंदगाँधी"है।
2) गाँधीजी ने अहमदाबाद शहर से जमीन और मकान की मांग की है।
3) गांधीजी के अनुसार एक वर्ष का खर्च अहमदाबाद शहर को उठाना चाहिए।
4) गाँधीजी स्वयं खाने का खर्च उठाने के लिए तैयार हैं।
5) क्योकि गाँधीजी को अहमदाबाद शहर की स्थानीय स्थितियों के बारे में जानकारी नहीं थी।

4) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-
यदि अहमदाबाद सब खर्च उठाए तो विभिन्न मदों में खर्च इस तरह होगा---
●किराया-बंगला और खेती करने के लिए जमीन।
● किताबों की अलमारियों का खर्च।
● बढई के औजार।
● मोची के औजार।
● चौके का सामान।
● एक बैलगाड़ी या घोडागाडी।
● एक वर्ष केलिए खाने का खर्च- छह हजार रुपया।
मेरा ख्याल है कि हमें लुहार और राजमिस्त्री के औजारों की भी जरुरत होगी। दूसरे बहुत से औजार भी चाहिए, किंतु इस हिसाब से मैने उनका खर्च और शिक्षण– संबंधी सामान का खर्च शामिल नहीं किया है।शिक्षण के सामान में पाँच- छह देशी हथकरघों की आवश्यकता होगी।

1) उपरोक्त गद्यांश में किसने किसको खर्च की मदों की सूची प्रदान की है?
2) गद्यांश में किनकिन मदों पर खर्च का वर्णन किया गया है?
3) गद्यांश में दी गई मदों की सूची के अतिरिक्त विशेष जरुरी क्या हैं?
4) गद्यांश में दी गई सूची में किस मद को शामिल नहीं किया गया है?
5) शिक्षण के सामान में विशेष जरुरत किस चीज की बताई गई है?

उत्तर:-

1) उपरोक्त गद्यांश में गाँधी जी ने अहमदाबाद शहर को खर्च की सूची प्रदान की है।
2) गाँधीजी ने निम्न मदों पर खर्च का वर्णन किया है:-
   ● किराया, जमीन, किताबों के लिए अलमारियों, बढई के औजार, मोची के औजार, चौके का सामान, यातायात औरएक वर्ष के खाने का खर्च।

3) मदों में खर्च की सूची के अतिरिक्त लुहार और राजमिस्त्री के औजारों की विशेष जरुरत थी।
4) गद्यांश में दी गई सूची में शिक्षण- संबंधी सामान के खर्च को शामिल नहीं किया गया है।
5) शिक्षण– संबंधी सामान मे पाँच- छह हथकरघों की आवश्यकता बताई गई है।

व्याकरण आधारित प्रश्न- उत्तर:-

1) एक वर्ष, पांच हथकरघे - इन दोनों में विशेषण का भेद लिखिए?
2) " छोटा, ऊपर, जाना"आदि शब्दों के विपरीतार्थक शब्द बताइये।
3) वाक्यांश के लिए एक शब्द बताइये:-
   जो लकडी का काम करे।
   जहाँ पढने के लिए अनेक प्रकार की पुस्तकें पाईं जाती हैं।
4) " बैलगाड़ी, घोडागाडी" शब्दों का संधि- विच्छेद करिए।
5) " प्रारंभिक" शब्द में उपसर्ग बताइये।

उत्तर:-

1) निश्चित संख्यावाचक विशेषण
2) बडा, नीचे, आना
3) जो लकडी का काम करे:- बढई।
   जहाँ पढने के लिए अनेक प्रकार की पुस्तकें पाईं जाती हैं:- पुस्तकालय।
4) बैल+गाडी।
   घोडा+ गाडी

5] प्र।

विप्लव गायन (कविता)

1) निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये:-

कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ-
जिससे उथल-पुथल मच जाए।
एक हिलोर इधरसे,
एक हिलोर उधर से आए।
सावधान !मेरी वीणा में
चिंगारियां आन बैठी है,
टूटीहैं मिजराबें,अंगुलियां
दोनों मेरी ऐठी है।
कंठ रुका है महानाश का
मारक गीत रुद्ध होता है,
आग लगेगी क्षणमें, ह्रत्तल में
अब क्षुब्ध- युद्ध होता है।

1) प्रस्तुत पद्याशं किस कविता से उद्धृत है?कविता के कवि का नाम बताइये।
2) कवि से कैसी तान सुनाने के लिए कहा जा रहा है?
3) कवि के अनुसार उसकी अंगुलियों को क्या हुआ है?
4) कवि मारक गीत क्यों नहीं लिख पाता है?
5) कवि की वीणा में से कैसे स्वर निकल रहेहैं?

उत्तर:-

1) प्रस्तुत पद्यांशं"विप्लवगायन"से उद्धृत है जिसके कवि है"श्रीबालकृष्णशर्मा 'नवीन' "है।
2)जिससे सारे जनमानस के हृदय में क्रांति का भाव उत्पन्न हो जाए।
3)कवि की अंगुलियां ऐंठ यानि अकड गई है।
4)क्योंकि कवि सोचता है कि स्थिति याँ जल्दी से ठीक हो जाएँगी।
5)कवि की वीणा में से कर्कश स्वर निकल रहे हैं।

2) निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

झाड और झंखाड दग्ध है
इस ज्वलंत गायन के स्वर से,
रुद्ध- गीत की क्रुद्ध तान है
निकली मेरे अंतरतर से।
कण-कण में है व्याप्त वही स्वर
रोम- रोम गाता है वह ध्वनि,
वही तान गाती रहती है,
कालकूट फणि की चिंतामणि।
आज देख आया हूँ- जीवनके
सब राज समझ आया हूँ,
भ्रू-विलास मे महानाश के
पोषक सूत्र परख आया हूँ।

1) प्रस्तुत पद्यांश में कवि गायन के स्वर को ज्वलंत क्यों बोलता है?
2) कवि के अंतर्मन से क्या निकल रही है?
3) कवि के अनुसार उसके गीतों का जनता पर क्या प्रभाव पड़ा रहा है?
4) कवि ने जीवन के क्या राज समझ लिए है?
5) कवि के अनुसार कण-कण में कौन सा स्वर व्याप्त है?

उत्तर

1) क्योंकि उनके स्वर से क्रांति और पुरानी रूढियों के विनाश की बाते निकल रहीहै।
2) क्रांति और नई परम्पराओं का आगमन।
3) कवि के अनुसार जनता पुरानी परम्पराओं का खण्डन करनें के लिए तैयार हो जाएगी।
4) विनाश मे ही सृजन छिपा होताहै।
5) क्रांति का स्वर।

व्याकरण आधारितप्रश्न उत्तर:-

1) विराम चिन्ह को पहचान कर उसका नाम बताइये:-
| , -
2) कवि"," अल्प विराम का प्रयोग क्यों करतेहैं?
3) मारक–गीत शब्द का क्या अर्थ होताहै?
4) कालकूट"शब्द का क्या अर्थ होता है?

उत्तर

1) पूर्णविराम, अल्पविराम, योजक चिन्ह।
2) ताकि कविता को पढने वाला रुक कर वाक्य में छिपे भाव को समझ सके।
3) मारक गीत का अर्थ है- मारनेवाला गीत।
4) कालकूट का अर्थ होता है:- जहर ।

बाल महाभारत

चौसर का खेल व द्रौपदी की व्यथा

प्रश्न.1 पांडवों को चौसर के खेल का निमंत्रण देने कौन गया था?
(अ) कर्ण (ब) विदुर (स) शकुनि (द) धृतराष्ट्र
उत्तर.1(ब) विदुर
प्रश्न.2 खेल के बारे में युधिष्ठिर ने शकुनि से क्या कहा?
(अ) जुआ खेलना धोखा देने के बराबर है
(ब) मुझे खेलना नहीं आता
(स) मुझे खेल का कोई डर नहीं
(द) जीत तो मेरी ही होगी
उत्तर.2 (अ) जुआ खेलना धोखा देने के बराबर है।
प्रश्न.3 दुर्योधन की जगह चौसर का खेल कौन खेला?
(अ) कर्ण (ब) विदुर (स) शकुनि (द) धृतराष्ट्र
उत्तर.3 शकुनि
प्रश्न.4 "पांचालराज" शब्द किस राजा के लिए प्रयुक्त हुआ है?
(अ) विदुर (ब) धृतराष्ट्र (स) द्रुपद (द) शकुनि
उत्तर.4(स) द्रुपद
प्रश्न.5 द्रौपदी को बालों से खींचकर सभा में कौन लेकर आया?
(अ) दुर्योधन (ब) विकर्ण (स) कर्ण (द) दु:शासन
उत्तर.5(द) दु:शासन
प्रश्न.6 कुशल समाचार पूछने के बाद शकुनि ने युधिष्ठिर से क्या कहा?
उत्तर.6 शकुनि ने कहा - "युधिष्ठिर खेल के लिए चौपड़ बिछा हुआ है। चलिए दो हाथ खेल लें।"
प्रश्न.7 दुर्योधन के स्थान पर चौसर किसने खेला?
उत्तर.7 दुर्योधन के स्थान पर चौसर का खेल मामा शकुनि ने खेला।
प्रश्न.8 शकुनि ने सांवले रंग का युवक किसको बोला?
उत्तर.8 शकुनि ने सांवले रंग का युवक महाराज युधिष्ठिर के भाई नकुल को बोला।
प्रश्न.9 द्रुपदराज की पुत्री का क्या नाम था?
उत्तर.9 द्रुपदराज की पुत्री का नाम द्रौपदी था।
प्रश्न.10 महाराज युधिष्ठिर चौसर के खेल में क्या-क्या हार गए?
उत्तर.10 महाराज युधिष्ठिर चौसर के खेल में अपना देश, देश की प्रजा, दास- दासियां, आभूषण, अपने चारों भाई, स्वयं अपने आपको एवं अपनी पत्नि द्रौपदी को भी हार गए।
प्रश्न.11 विकर्ण कौन था? और उसने क्या कहा?
उत्तर.11 विकर्ण दुर्योधन का छोटा भाई था। उसने कहा मेरी राय में द्रौपदी नियमपूर्वक नहीं जीती गई है।
प्रश्न.12 विदुर की बातों को सुनकर दुर्योधन ने प्रतिकामी से क्या कहा?
उत्तर.12 दुर्योधन ने प्रतिकामी से कहा - " विदुर तो हमसे जलते हैं और पांडवों से डरते हैं। रनवास में जाओ और द्रौपदी को बुला लाओ।"
प्रश्न.13 विकर्ण की बात सुनकर कर्ण ने क्रोधित होते हुए क्या कहा?
उत्तर.13 कर्ण ने कहा - "विकर्ण, अभी तुम बच्चे हो। सभा में इतने बड़े- बूढ़ों के होते हुए, तुम कैसे बोल पड़े। तुम्हें यहां बोलने और तर्क - वितर्क करने का कोई अधिकार नहीं है।"

प्रश्न.14 दु:शासन ने द्रौपदी के साथ कैसा व्यवहार किया?
उत्तर.14 दु:शासन ने द्रौपदी के गुथे हुए बाल बिखेर डाले, गहने तोड़ -फोड़ दिए और उसके बाल पकड़कर बलपूर्वक घसीटना हुआ सभा की ओर ले जाने लगा। द्रौपदी विकल हो उठी।
प्रश्न.15 धृतराष्ट्र के समझाने के बाद ही युधिष्ठिर ने क्या किया?
उत्तर.15 धृतराष्ट्र के समझाने के बाद पांडवों में शांति आ गई और वह द्रौपदी और कुंती सहित सब पांडव इंद्रप्रस्थ चले गए और शांति से रहने लगे।
प्रश्न.16 चौसर का खेल दुबारा खेलने पर क्या शर्त रखी गई थी?
उत्तर.16 दुबारा के खेल में यह शर्त रखी गई कि हारा हुआ दल अपने भाइयों के साथ बारह वर्ष तक वनवास करेगा तथा उसके उपरांत एक वर्ष अज्ञातवास में रहेगा। यदि इस एक वर्ष में उनका पता चल जाएगा तो उन सब को बारह वर्ष का वनवास ।

धृतराष्ट्र की चिन्ता

प्रश्न.1 दुर्योधन की चापलूसी कौन करता था?
(अ) कर्ण और शकुनि (ब) कर्ण और विकर्ण
(स) कर्ण और विदुर (द) कर्ण और चित्रसेन
उत्तर.1(अ) कर्ण और शकुनि
प्रश्न.2 दुर्योधन ने कर्ण से क्या कहा?
(अ) राज्य की सीमा बढ़ा लें
(ब) मुश्किल में पड़े पांडवों को वन में जाकर देखूँ
(स) भीष्म को पांडवों के पास भेज दें
(द) पांडवों की सहायता की जाए
उत्तर.2(ब) मुश्किल में पड़े पांडवों को वन में जाकर देखूँ
प्रश्न.3 द्वैतवन की बस्तियों में क्या कार्य किया जा सकता है?
(अ) द्वैतवन को उजाड़ दिया जाए
(ब) द्वैत वन में पेड़ पौधे लगाएं जाएं
(स) चौपायों की गणना की जाए
(द) चौपायों को भगा दिया जाए
उत्तर.3(स) चौपायों की गणना की जाए
प्रश्न.4 सूर्य से प्राप्त अक्षय पात्र की क्या विशेषता थी?
(अ) उसका प्रयोग केवल पुरुष कर सकते थे
(ब) वह बहुत बड़ा और सुंदर था
(स) यह पात्र केवल अपनों को ही भोजन खिला सकता था
(द) इससे जितना चाहो उतना भोजन प्राप्त कर सकते हैं
उत्तर.4(घ) इससे जितना चाहो उतना भोजन प्राप्त कर सकते हैं
प्रश्न.5 युधिष्ठिर के आश्रम पर कौन से ऋषि आए?
(अ) मैत्रेय ऋषि (ब) कणव ऋषि (स) दुर्वासा ऋषि (द) याज्ञवल्क्य ऋषि
उत्तर.5(अ) दुर्वासा ऋषि
प्रश्न.6 गंधर्वराज ने अपना डेरा कहां डाले हुए था?
उत्तर.6 गंधर्वराज चित्रसेन ने अपना डेरा जलाशय के तट पर डाले हुए था।
प्रश्न.7 दुर्योधन सेना लेकर कहां गया?
उत्तर.7 दुर्योधन अपनी सेना लेकर द्वैतवन गया।
प्रश्न.8 श्रीकृष्ण ने अन्न का कण और साग का पत्ता क्यों खाया?
उत्तर.8 श्रीकृष्ण ने दुर्वासा ऋषि व उनके दस हजार शिष्यों की भूख शांत करने के अन्न का कण और साग पत्ता खाया।

प्रश्न.9 श्रीकृष्ण ने बाहर जाकर भीमसेन से क्या कहां?
उत्तर.9 श्रीकृष्ण ने कहा-"भीम, जल्दी जाकर ऋषि दुर्वासा को शिष्यों समेत भोजन के लिए बुला लाओ।"
प्रश्न.10 श्रीकृष्ण ने रसोई में जाकर द्रौपदी से क्या कहां?
उत्तर.10 श्रीकृष्ण ने कहा -" बहन कृष्णा, बड़ी भूख लगी है।कुछ खाने को दो।"
प्रश्न. 11 दुर्योधन ने कर्ण से क्या कहा?
उत्तर. 11 दुर्योधन ने कर्ण से कहा - " कर्ण , मैं तो चाहता हूं कि पांडवों को मुसीबतों में पड़े हुए अपनी आंखो से देखूं। इसलिए तुम और मामा शकुनि कुछ देर ऐसा उपाय करो कि वन में जाकर पाण्डवों को देखने की पिताजी से अनुमति मिल जाएं।
प्रश्न.12 गंधर्वराज और कौरवों में युद्ध क्यों हुआ था?
उत्तर.12 कौरव गंधर्वराज के जलाशय के तट पर डेरा लगाने के लिए तंबू गाड़ने लगे तो गंधर्वराज के नौकरों को यह अच्छा नहीं लगा। इसलिए उन दोनो में युद्ध हुआ।
प्रश्न.13 दुर्योधन को बंदी बना लिए जाने पर युधिष्ठिर ने भीम से क्या कहा?
उत्तर.13 युधिष्ठिर ने भीम से कहा -" भाई भीमसेन!ये हमारे ही कुटुम्बी हैं।तुम अभी जाओ और किसी तरह अपने बन्धुओं को गंधर्वों के बंधन से छुड़ा लाओ।"
प्रश्न.14 सूर्य द्वारा युधिष्ठिर को दिए गए अक्षय पात्र की क्या विशेषता थी?
उत्तर.14 युधिष्ठिर को अक्षयपात्र देते समय सूर्य ने कहा था- कि बारह बरस तक इसके द्वारा तुम भोजन प्राप्त करोगे, भले ही कितने लोग भोजन प्राप्त करें।किंतु शर्त यह है कि द्रौपदी के भोजन कर लेने के पश्चात पात्र की शक्ति अगले दिन तक के लिए समाप्त हो जाएगी।
प्रश्न.15 दुर्वासा ऋषि ने भीमसेन से क्या कहा?
उत्तर.15 दुर्वासा ऋषि ने भीमसेन से कहा-" हम सब तो भोजन कर चुके हैं। युधिष्ठिर से जाकर कहना कि असुविधा के लिए हमे क्षमा करें।" यह कहकर ऋषि अपने शिष्यों के साथ वहां से रवाना हो गए।

भीम और हनुमान

प्रश्न.1 द्रौपदी कहां पर खड़ी थी?
(अ) आश्रम के अंदर (ब) आश्रम के बाहर
(स) आश्रम के पीछे (द) आश्रम के बगल में
उत्तर.1(ब) आश्रम के बाहर
प्रश्न.2 द्रौपदी ने भीम को क्या लाने को कहा?
(अ) फूल (ब) फल (स) पेड़ (द) डाली
उत्तर.2 (अ) फूल
प्रश्न.3 भीम कहां जा रहा था?
(अ) वन में घूमने को (ब) समुद्र की सीमा देखने
(स) द्रौपदी के लिए फूल लेने (द) फल लाने
उत्तर.3(स)
प्रश्न.4 बगीचा के बीच रास्ता रोके कौन बैठा था?
(अ) शेरों का झुंड (ब) बंदर (स)कोई मुनि (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर.4(ब) बंदर
प्रश्न.5 बंदर के मनुष्य जैसा उपदेश देने पर भीम को कैसा लगा?
(अ) हंसी आई (ब) क्रोध आया (स) शांत रहे (द) दौड़े
उत्तर.5(ब) क्रोध आया
प्रश्न.6 द्रौपदी जब आश्रम के बाहर खड़ी थी तो क्या हुआ?
उत्तर.6 द्रौपदी जब आश्रम के बाहर खड़ी थी तो एक सुंदर फूल हवा में उड़ता हुआ उसके पास आकर गिरा।

प्रश्न.7 फूल देखकर द्रौपदी ने भीम से क्या कहा?
उत्तर.7 फूल देखकर द्रौपदी ने उसे उठा लिया और भीमसेन के पास जाकर बोली-" क्या तुम जाकर ऐसे ही कुछ और फूल ला सकोगे।"
प्रश्न.8 भीमसेन ने बंदर को क्यों नहीं लांघा?
उत्तर.8 भीमसेन ने कहा क्योंकि जानवर को लांघना अनुचित है।
प्रश्न.9 द्रौपदी फूल लेकर किसके पास दौड़ कर गई?
उत्तर.9 द्रौपदी फूल लेकर युधिष्ठिर के पास दौड़कर गई।
प्रश्न10 भीमसेन फूल लेने के लिए कहां पर गया था?
उत्तर.10 भीमसेन फूल लेने के लिए पहाड़ की घाटी में गया जहां केले के पेड़ों का विशाल बगीचा लगा हुआ था।
प्रश्न.11 भीम की गर्व से कही बातों को सुनकर बंदर ने क्या कहा?
उत्तर.12 भीम की गर्व से कही बातों को सुनकर बंदर ने कहा-" देखो भाई, मैं बूढ़ा हूं कठिनाई से उठ -बैठ सकता हूं। ठीक है, यदि तुम्हें आगे बढ़ना ही है, तो मुझे लांघ कर चले जाओ।"
प्रश्न.13 भीमसेन जब कड़ककर बोला तो बंदर ने क्या कहा?
उत्तर.13 बंदर बड़े करण स्वर में बोला-" हे वीर शांत हो जाओ। इतना क्रोध न करो। यदि मुझे लांघना तुम्हें अनुचित लगता हो, तो मेरी इस पूंछ को हटाकर एक ओर कर दो और चले जाओ।"
प्रश्न.14 भीमसेन ने नम्र होकर बंदर से क्या कहा?
उत्तर.14 भीमसेन ने नम्र होकर कहा-" मुझे क्षमा करें। आप कौन हैं?
प्रश्न.15 हनुमान ने भीम को क्या आशीर्वाद दिया?
उत्तर.15 हनुमान ने आशीर्वाद देते हुए कहां -"भीम! युद्ध के समय तुम्हारे भाई अर्जुन के रथ पर उड़ने वाली ध्वजा पर मैं विद्यमान रहूंगा। विजय तुम्हारी ही होगी।"

द्वेष करने वाले का जी नहीं भरता

प्रश्न.1 दुर्योधन की चापलूसी कौन करता था?
(अ) कर्ण और शकुनि (ब) कर्ण और विकर्ण
(स) कर्ण और विदुर (द) कर्ण और चित्रसेन
उत्तर.1(अ) कर्ण और शकुनि
प्रश्न.2 दुर्योधन ने कर्ण से क्या कहा?
(अ) राज्य की सीमा बढ़ा लें
(ब) मुश्किल में पड़े पांडवों को वन में जाकर देखूँ
(स) भीष्म को पांडवों के पास भेज दें
(द) पांडवों की सहायता की जाए
उत्तर.2(ब) मुश्किल में पड़े पांडवों को वन में जाकर देखूँ
प्रश्न.3 द्वैतवन की बस्तियों में क्या कार्य किया जा सकता है?
(अ) द्वैतवन को उजाड़ दिया जाए
(ब) द्वैत वन में पेड़ पौधे लगाएं जाएं
(स) चौपायों की गणना की जाए
(द) चौपायों को भगा दिया जाए
उत्तर.3(स) चौपायों की गणना की जाए
प्रश्न.4 सूर्य से प्राप्त अक्षय पात्र की क्या विशेषता थी?
(अ) उसका प्रयोग केवल पुरुष कर सकते थे
(ब) वह बहुत बड़ा और सुंदर था

(स) यह पात्र केवल अपनों को ही भोजन खिला सकता था
(द) इससे जितना चाहो उतना भोजन प्राप्त कर सकते हैं
उत्तर.4(घ) इससे जितना चाहो उतना भोजन प्राप्त कर सकते हैं
प्रश्न.5 युधिष्ठिर के आश्रम पर कौन से ऋषि आए?
(अ) मैत्रेय ऋषि (ब) कणव ऋषि (स) दुर्वासा ऋषि (द) याज्ञवल्क्य ऋषि
उत्तर.5(अ) दुर्वासा ऋषि
प्रश्न.6 गंधर्वराज ने अपना डेरा कहां डाले हुए था?
उत्तर.6 गंधर्वराज चित्रसेन ने अपना डेरा जलाश्य के तट पर डाले हुए था।
प्रश्न.7 दुर्योधन सेना लेकर कहां गया?
उत्तर.7 दुर्योधन अपनी सेना लेकर द्वैतवन गया।
प्रश्न.8श्रीकृष्ण ने अन्न का कण और साग का पत्ता क्यों खाया?
उत्तर.8 श्रीकृष्ण ने दुर्वासा ऋषि व उनके दस हजार शिष्यों की भूख शांत करने के अन्न का कण और साग पत्ता खाया।
प्रश्न.9 श्रीकृष्ण ने बाहर जाकर भीमसेन से क्या कहां?
उत्तर.9 श्रीकृष्ण ने कहा-"भीम, जल्दी जाकर ऋषि दुर्वासा को शिष्यों समेत भोजन के लिए बुला लाओ।"
प्रश्न.10 श्रीकृष्ण ने रसोई में जाकर द्रौपदी से क्या कहां?
उत्तर.10 श्रीकृष्ण ने कहा -" बहन कृष्णा, बड़ी भूख लगी है।कुछ खाने को दो।"
प्रश्न. 11दुर्योधन ने कर्ण से क्या कहा?
उत्तर. 11दुर्योधन ने कर्ण से कहा - " कर्ण , मैं तो चाहता हूं कि पांडवों को मुसीबतों में पड़े हुए अपनी आंखो से देखूं। इसलिए तुम और मामा शकुनि कुछ देर ऐसा उपाय करो कि वन में जाकर पाण्डवों को देखने की पिताजी से अनुमति मिल जाएं।
प्रश्न.12 गंधर्वराज और कौरवों में युद्ध क्यों हुआ था?
उत्तर.12 कौरव गंधर्वराज के जलाशय के तट पर डेरा लगाने के लिए तंबू गाड़ने लगे तो गंधर्व के नौकरों को यह अच्छा नहीं लगा। इसलिए उन दोनो में युद्ध हुआ।
प्रश्न.13 दुर्योधन को बंदी बना लिए जाने पर युधिष्ठिर ने भीम से क्या कहा?
उत्तर.13 युधिष्ठिर ने भीम से कहा -" भाई भीमसेन!ये हमारे ही कुटुम्बी हैं।तुम अभी जाओ और किसी तरह अपने बन्धुओं को गंधर्वों के बंधन से छुड़ा लाओ।"
प्रश्न.14 सूर्य द्वारा युधिष्ठिर को दिए गए अक्षय पात्र की क्या विशेषता थी?
उत्तर.14 युधिष्ठिर को अक्षयपात्र देते समय सूर्य ने कहा था- कि बारह बरस तक इसके द्वारा तुम भोजन प्राप्त करोगे, भले ही कितने लोग भोजन प्राप्त करें।किंतु शर्त यह है कि द्रौपदी के भोजन कर लेने के पश्चात पात्र की शक्ति अगले दिन तक के लिए समाप्त हो जाएगी।
प्रश्न.15 दुर्वासा ऋषि ने भीमसेन से क्या कहा?
उत्तर.15 दुर्वासा ऋषि ने भीमसेन से कहा-" हम सब तो भोजन कर चुके हैं। युधिष्ठिर से जाकर कहना कि असुविधा के लिए हमें क्षमा करें।" यह कहकर ऋषि अपने शिष्यों के साथ वहां से रवाना हो गए।

मायावी सरोवर

प्रश्न.1 पाण्डवों के वनवास की अवधि कितने समय की थी?
(अ) दस वर्ष (ब) चौदह वर्ष (स)बारह वर्ष (द) आठ वर्ष
उत्तर.1(स)बारह वर्ष
प्रश्न.2 युधिष्ठिर ने नकुल से क्या देखने को कहा?
(अ) सागर (ब) पहाड़ (स) जलाशय या नदी (द) पेड़
उत्तर.2(स) जलाशय या नदी
प्रश्न.3 माद्री के पुत्र का क्या नाम था?

(अ) कर्ण (ब) दुर्योधन (स)नकुल (द) विकर्ण
उत्तर.3(स) नकुल
प्रश्न.4 सरोवर पर नकुल को क्या आवाज आई?
(अ)जल पीने हेतु इसकी कीमत चुकानी होगी
(ब) पहले अपना नाम बताओ
(स)तुम जल पीने के लिए आगे मत बढ़ो
(द) पहले मेरे प्रश्नों का उत्तर दो, फिर जल पियो
उत्तर.4(द) पहले मेरे प्रश्नों का उत्तर दो, फिर जल पियो
प्रश्न.5 भाइयों के वापिस न आने पर युधिष्ठिर ने क्या निर्णय लिया?
(अ) विदुर के साथ सलाह करेंगे
(ब) दुर्योधन की चाल है
(स) कर्ण का छलावा है
(द) स्वयं जाकर देखेंगे कि भाई क्यों नहीं लौटे
उत्तर.5(द) स्वयं जाकर देखेंगे कि भाई क्यों नहीं लौटे
प्रश्न.6 नकुल ने पेड़ पर चढ़कर क्या देखा?
उतर.6 नकुल ने देखा कि कुछ दूरी पर ऐसे पौधे दिखाई दे रहे हैं जो पानी के नजदीक हैं।
प्रश्न.7 युधिष्ठिर ने नकुल को क्या लाने को कहा?
उत्तर.7 युधिष्ठिर ने कहा कि जाकर देखो और पानी मिले तो ले आओ।
प्रश्न.8 नकुल के न लौटने पर युधिष्ठिर ने क्या किया?
उत्तर.8 नकुल के न लौटने पर युधिष्ठिर ने सहदेव को ढूंढने के लिए भेजा।
प्रश्न.9 सरोवर पर नकुल को क्या आवाज आई?
उत्तर.9 सरोवर पर नकुल को आवाज आई - "माद्री के पुत्र! दु:साहस न करो यह जलाशय मेरे अधीन है। पहले मेरे प्रश्नों का उत्तर दो। फिर पानी पियो।"
प्रश्न.10 सरोवर पर अर्जुन को क्या आवाज आई?
उत्तर.10 सरोवर पर अर्जुन को आवाज आई-" अर्जुन! मेरे प्रश्नों का उत्तर देने के बाद ही प्यास बुझा सकते हो। यह तालाब मेरा है। मेरी बात नहीं मानोगे तो तुम्हारी भी वही गति होगी, जो तुम्हारे भाइयों की हुई है।"
प्रश्न.11 अपने बाणों को बेकार होते देख अर्जुन ने क्या किया?
उतर.11 अपने बाणों को बेकार होते देख कर अर्जुन के क्रोध की सीमा न रही। उसने सोचा पहले अपनी प्यास तो बुझा ही लूं। फिर लड़ लिया जाएगा।
प्रश्न.12 भाइयों के वापिस न आने पर युधिष्ठिरने क्या निर्णय लिया?
उत्तर.12 भाइयों के वापिस न आने पर युधिष्ठिर ने सोचा आखिर भाइयों को हो क्या गया? क्या कारण है कि अभी तक वे लौटे नहीं नहीं? मैं स्वयं चल कर देखूं कि क्या बात है।

यक्ष -प्रश्न

प्रश्न.1 युधिष्ठिर कहां पर जा पहुंचे?
(अ) विषैले तालाब पर (ब) नदी पर
(स) सागर पर (द) पेड़ पर
उत्तर.1(अ) विषैली तालाब पर
प्रश्न.2 यक्ष के प्रश्न कि -"मनुष्य का साथ कौन देता है" का उत्तर युधिष्ठिर ने क्या दिया?
(अ) माता -पिता (ब) पत्नि (स) भाई (द) धैर्य

उत्तर.2(द) धैर्य
प्रश्न.3 यक्ष के प्रश्न कि-" हवा से भी तेज चलने वाला कौन है" के बारे में युधिष्ठिर ने क्या कहा?
(अ) मन (ब) धन (स) अहंकार (द) चिंता
उत्तर.3(अ) मन
प्रश्न.4 घास से भी तुच्छ कौन -सी चीज है? इसके बारे में युधिष्ठिर ने क्या कहा?
(अ) वैर-भाव (ब) चिन्ता (स) मिट्टी (द) गरीबी
उत्तर.4(ब)चिन्ता
प्रश्न.5 आकाश से भी ऊंचा कौन है? इसके बारे में युधिष्ठिर ने क्या कहा।
(अ) माता (ब) भाई (स) बहिन (द) पिता
उत्तर.5(द) पिता
प्रश्न.6 किसके छूट जाने पर मनुष्य सर्वप्रिय बनता है? उत्तर लिखो।
उत्तर.6 अहम भाव के छूट जाने पर मनुष्य सर्वप्रिय बन जाता है। यह युधिष्ठिर ने कहा।
प्रश्न.7 यक्ष के प्रश्न कौन सा शास्त्र (विद्या) है, जिसका अध्ययन करके मनुष्य बुद्धिमान बनता है?
उत्तर.7 कोई भी शास्त्र ऐसा नहीं है। महान लोगों की संगति से ही मनुष्य बुद्धिमान बनता है।
प्रश्न.8 भूमि से भारी चीज किसे कहा गया है?
उत्तर.8 संतान को कोख में धारण करने वाली माता को भूमि से भारी कहा गया है।
प्रश्न.9 विदेश जाने वाले का मित्र कौन होता है?
उतर.9 विदेश जाने वाला का मित्र विद्या होती है।
प्रश्न.10 बर्तनों में सबसे बड़ा बर्तन कौन सा है?
उत्तर.10 भूमि ही सबसे बड़ा बर्तन है, जिसमें सब कुछ समा सकता है।
प्रश्न.11 संसार में सबसे बड़े आश्चर्य की बात किसे कहा गया है?
उत्तर.11 हर रोज आंखों के सामने कितने ही प्राणियों को मृत्यु के मुंह में जाते देखकर भी बचे हुए प्राणी, जो यह चाहते है

अज्ञातवास

प्रश्न.1 राजा विराट के यहां पर युधिष्ठिर किस नाम से रहे?
(अ) कंक (ब) वल्लभ (स) ग्रंथिक (द) तंत्रिपाल
उत्तर.1(अ) कंक
प्रश्न.2 राजा विराट के यहां रसोइए का कार्य किसने संभाला?
(अ) अर्जुन (ब) नकुल (स) सहदेव (द) भीमसेन
उत्तर.2 (द) भीमसेन
प्रश्न.3 नकुल ने राजा विराट के यहां पर किस नाम से काम किया?
(अ) तंत्रिपाल (ब) वल्लभ (स) ग्रंथिक (द) कंक
उत्तर.3(स) ग्रंथिक
प्रश्न.4 राजा विराट के बेटे का क्या नाम था?
(अ) अर्जुन (ब) उत्तर (स) रतन (द) तंत्रिपाल
उत्तर.4(ब) उत्तर
प्रश्न.5 रानी सुदेष्णा के भाई का क्या नाम था?
(अ)त्रिगत्रराज (ब) सुशर्मा (स) कीचक (द) भवन शर्मा
प्रश्न.6 द्रौपदी ने राजा विराट के यहां किस नाम से और क्या काम किया?
उत्तर.6 द्रौपदी ने सैरंध्री के नाम से राजा विराट की पत्नि सुदेष्णा की सेवा - सुश्रुषा की।
प्रश्न.7 कीचक की क्या विशेषता थी?

उत्तर.7 कीचक बड़ा ही बलिष्ठ और प्रतापी वीर था। मत्स्य देश की सेना का वही नायक बना हुआ था।
प्रश्न.8 त्रिगर्त देश का राजा कौन था?
उत्तर.8 त्रिगर्त देश का राजा सुशर्मा था।
प्रश्न.9 कर्ण ने सुशर्मा की किस बात का अनुमोदन किया?
उत्तर.9 त्रिगर्त देश का राजा सुशर्मा राजा विराट और कीचक से पुरानी शत्रुता का बदला लेना चाहता था।
प्रश्न.10 दुर्योधन ने कैसे अनुमान लगाया कि पांडव मत्स्य देश में है?
उत्तर.10 कीचक के मारे जाने की खबर पाते ही दुर्योधन का माथा ठनका कि हो न हो कीचक का वध भीम ने ही किया है। यह दुर्योधन का अनुमान था।
प्रश्न.11 अर्जुन ने राजा विराट के यहां पर क्या काम किया और किस नाम से किया?
उत्तर.11 अर्जुन ने राजा विराट के यहां राजा की पुत्री उत्तरा और उसकी सहेलियों एवं दास - दासियों को नाच और गाना - बजाना सिखाया और बृहन्नाला के नाम से काम किया।
प्रश्न.12 मत्स्य देश पर किन के द्वारा और किस ओर से आक्रमण किया गया?
उत्तर.12 मत्स्य देश पर राजा सुशर्मा ने दक्षिण की ओर से दुर्योधन ने उत्तर की ओर से आक्रमण किया।
प्रश्न.13 राजा विराट के बंदी बना लेने पर युधिष्ठिर ने भीम से क्या कहा?
उत्तर.13 विराट के बंदी होने पर युधिष्ठिर भीमसेन से बोले- "भीम विराट को अभी छुड़ाकर लाना होगा और सुशर्मा का दर्प चूर करना होगा। यदि तुम सदा की भांति सिंह की सी गर्जना करने लग जाओगे, तो शत्रु तुम्हें तुरंत पहचान लेंगे। इसलिए सामान्य लोगों की भांति रहकर और धनुष बाण के सहारे लड़ना ठीक होगा।"
प्रश्न.14 सुशर्मा की पराजय की खबर सुनकर विराटनगर में क्या हुआ?
उत्तर.14 सुशर्मा की पराजय की खबर सुनकर विराटनगर वालों ने नगर को खूब सजाकर आनंद मनाया और विजयी राजा के स्वागत के लिए नगर के बाहर आ गए। लोगों ने खूब खुशियां मनाई।
प्रश्न.15 औरत के भेष में उत्तर के रथ पर अर्जुन को देखकर दुर्योधन ने क्या कहा?
उत्तर.15 औरत के भेष में रथ पर बैठे योद्धा के विषय में दुर्योधन ने कहा-" हमें इस बात से क्या मतलब कि यह औरत के भेष में कौन है। मान लें कि यह अर्जुन ही है। फिर भी हमारा तो उससे काम ही बनता है। शर्त के अनुसार उन्हें और बारह वर्ष का वनवास भुगतना पड़ेगा।"
प्रश्न.16 अर्जुन ने कौरव -सेना के सामने क्या किया?
उत्तर.16 अर्जुन ने कौरव -सेना के सामने रथ ला खड़ा किया। अपने गांडीव को संभाल लिया और उस पर डोरी चढ़ा कर तीन बार जोर से टंकार की।

प्रतिज्ञा-पूर्ति

प्रश्न.1 आचार्य द्रोण की शंका और घबराहट किस को ठीक नहीं लगी?
(अ) भीष्म (ब) कृपाचार्य (स) दुर्योधन (द) कर्ण
उत्तर.1(स) दुर्योधन
प्रश्न.2 पांडवों को अज्ञातवास में कितने वर्ष बिताने थे?
(अ)चार वर्ष (ब)दो वर्ष (स) एक वर्ष (द)तीन वर्ष
उत्तर.2(स) एक वर्ष
प्रश्न.3 कर्ण! मूर्खता की बातें न करो। किसने कहा?
(अ) कृपाचार्य ने (ब) भीष्म ने (स) दुर्योधन ने (द) द्रोणाचार्य ने
उत्तर.3(अ) कृपाचार्य ने
प्रश्न.4 कृपाचार्य के भांजे का क्या नाम था?
(अ) विकर्ण (ब) कर्ण (स) दुः शासन (द) अश्वत्थामा
उत्तर.4(द) अश्वत्थामा
प्रश्न.5 पांडवों से संधि करने के लिए भीष्म ने किससे कहा?

(अ) कर्ण से (ब) दुर्योधन से (स) विकर्ण से (द) दु: शासन
उत्तर.5(ब) दुर्योधन से
प्रश्न.6 कृपाचार्य ने झल्लाकर कर्ण से क्या कहा?
उत्तर.6 कृपाचार्य ने कहा - "कर्ण! मूर्खता की बातें न करो। हम सबको एक साथ मिलकर अर्जुन का मुकाबला करना होगा।"
प्रश्न.7 कर्ण को गुस्सा क्यों आया?
उत्तर.7 आचार्य द्रोण द्वारा अर्जुन की प्रशंसा किए जाने पर कर्ण को गुस्सा आ गया।
प्रश्न.8 संधि करने की बात लेकर दुर्योधन ने पितामह भीष्म से क्या कहा?
उत्तर.8 संधि की बात को लेकर दुर्योधन ने कहा-" पूज्य पितामह! मैं संधि नहीं करना चाहता और पांडवों को एक गांव भी नहीं दूंगा।"
प्रश्न.9 कर्ण, कृपाचार्य व अश्वत्थामा के बीच झगड़े को देखकर भीष्म ने क्या कहा?
उत्तर.9 इन तीनों के बीच विवाद को देखकर भीष्म ने कहा कि इस समय आपस में वैर- विरोध न करके मिलकर शत्रु से लड़ना ही उचित है।
प्रश्न.10 धनुष की टंकार सुनकर दुर्योधन ने क्या सोचा?
उत्तर.10 धनुष की टंकार सुनकर दुर्योधन ने सोचा कि हो न हो यह गांडीवधारी अर्जुन ही है।
प्रश्न.11 अर्जुन ने अद्भुत रण-कौशल का परिचय किस प्रकार दिया?
उत्तर.11 अर्जुन ने आचार्य द्रोण और पितामह भीष्म की ओर दो-दो बाण छोड़े। फिर दुर्योधन का पीछा किया। अश्वत्थामा पर बाण वर्षा की और कृपाचार्य को भी हरा दिया। इस तरह रण-कौशल का परिचय दिया।
प्रश्न.12 अर्जुन युद्ध में दुर्योधन तक किस प्रकार पहुंचा?
उत्तर.12 अर्जुन ने दुर्योधन का पीछा करना न छोड़ा। पांच महारथियों द्वारा एक साथ रोके जाने पर भी अर्जुन दुर्योधन तक पहुंच गया। उसने दुर्योधन पर भीषण हमला किया। दुर्योधन घायल हो गया और मैदान छोड़कर भाग गया।
प्रश्न.13 कर्ण द्वारा आचार्य कृपाचार्य के बारे में चुटकी ली तो अश्वत्थामा ने क्या कहा?
उत्तर.13 अश्वत्थामा ने कहा-" कर्ण! किया तुमने कुछ नहीं और कोरी डीगें मारने में समय गंवा रहे हो।"
प्रश्न.14 प्रतिज्ञा के समय के बारे में भीष्म ने दुर्योधन से क्या कहा?
उत्तर.14 प्रतिज्ञा के समय के बारे में भीष्म ने दुर्योधन से कहा -"प्रतिज्ञा का समय कल ही पूरा हो चुका है। चंद्र और सूर्य की गति वर्ष, महीने और पक्ष विभाग के पारस्परिक संबंध को अच्छी तरह जानने वाले मेरे कथन की पुष्टि करेंगे। प्रत्येक वर्ष में एक जैसे महीने नहीं होते। मालूम होता है कि तुम लोगों की गणना में भूल हुई है।
प्रश्न.15 कौरवों को हराने के बाद अर्जुन ने उत्तर से क्या कहा?
उतर.15 युद्ध से लौटते हुए अर्जुन ने कहा- "उत्तर अपना रथ नगर की ओर ले चलो। तुम्हारी गायें छुड़ा ली गई हैं। शत्रु भी भाग खड़े हुए हैं। इस विजय का यश तुम्हीं को मिलना चाहिए। इसलिए चंदन लगाकर और फूलों का हार पहनकर नगर में प्रवेश करना।"

विराट का भ्रम

प्रश्न 1° राजकुमार उत्तर की विजय के बारे में सुनकर विराट की क्या दशा हो गई थी ?
उत्तर :-विराट प्रसन्नता से झूम उठा था । उसे तो विश्वास ही नहीं हो रहा था की राजकुमार उत्तर अकेला कौरव सेना को हरा सकता था । उसने दूतों को काफ़ी मात्रा धन-दौलत पुरस्कार-स्वरूप प्रदान किया था और अन्त:पुर में जाकर कंक से चौपड़ खेलने लगा था ।
प्रश्न 2° राजकुमार उत्तर ने कंक के मुंह से बहते खून को देखकर क्या प्रतिक्रिया की थी ?
उत्तर :- राजकुमार उत्तर ने कंक के मुंह से बहते खून को देखकर जब इसका कारण जाना तो वह भय से काँप उठा था । उसने कंक के पांव पकड़कर क्षमा-याचना की थी और अपने पिता को बताया था कि युद्ध उसने नहीं किया था । बल्कि अर्जुन की वीरता से उसे विजय की प्राप्ति हुई थी ।
प्रश्न 3° विराट ने अर्जुन से क्या कहा था और अर्जुन ने क्या सुझाव दिया था ?

उत्तर :- विराट ने अर्जुन से कहा था कि वह राजकन्या उत्तरा से विवाह कर ले पर अर्जुन ने कहा कि उसने उसे नाच -गाने की शिक्षा दी थी इसलिए वह उसकी बेटी के समान थी, जिससे वह विवाह नहीं कर सकता था । यदि राजा चाहे तो वह उसका विवाह उसके पुत्र अभिमन्यु से कर दें ।

प्रश्न 4° युधिष्ठिर ने दुर्योधन के दूतों से अज्ञातवास के विषय में क्या कहा था ।

उत्तर :- युधिष्ठिर ने दुर्योधन के दूतों से अज्ञातवास के विषय में कहा था कि अर्जुन ने तेरहवाँ बरस पूरा हो जाने के बाद ही अपने धनुष की टंकार की थी । वह पितामह भीष्म तथा अन्य जानकारों से इस विषय में पूछताछ कर सकते थे ।

प्रश्न 5° बहुविकल्पीय प्रश्न

(1) वास्तव में कंक के भेष में कौन थे ?

(क) युधिष्ठिर (ख) भीम (ग) नकुल

उत्तर(क) युधिष्ठिर

(2) अर्जुन ने किसके साथ उत्तरा के विवाह को स्वीकार किया ?

(क) सहदेव के साथ (ख) अभिमन्यु के साथ (ग) स्वयं के साथ

उत्तर: (ख) अभिमन्यु के साथ

मंत्रणा

प्रश्न 1° तेरहवाँ वर्ष पूरा होने पर पांडवों से मिलने के लिए कौन-कौन आया था और क्यों ?

उत्तर :- पांडवों के वनवास और अज्ञातवास के तेरह वर्ष पूरा होते ही वे विराट राज के राज्य में स्थित 'उपप्लव्य' नामक नगर में जाकर रहने लगे थे । जहां उनसे मिलने के लिए बलराम, श्रीकृष्ण, अर्जुन की पत्नी सुभद्रा और पुत्र अभिमन्यु, यादव वंश के वीर काशीराज और वीर शैव्य, पांचाल नरेश द्रुपद, शिखंडी, धृष्टद्युम्न, द्रौपदी के पुत्र तथा अनेक अन्य राजा पांडवों की सहायता करने के लिए आ गए थे ।

प्रश्न 2 :- श्रीकृष्ण ने द्रुपद से क्या कहा था ?

उत्तर :-श्रीकृष्ण ने द्रुपद से कहा था कि वे सभी राजाओं से श्रेष्ठ, कुशल बुद्धि और आयु में बड़े थे और उनके लिए वे आचार्य के समान थे । वे कुछ दूतों को समझा-बुझाकर हस्तिनापुर भेज दें और यदि दुर्योधन न्यायोचित रूप से संधि के लिए तैयार न हो तो वे युद्ध के लिए तैयार हो जाएं।

प्रश्न 3 :-श्रीकृष्ण के द्वारिका वापस लौट जाने के बाद पांडवों ने क्या किया था ?

उत्तर :- श्रीकृष्ण के द्वारिका वापस चले जाने के बाद विराट, द्रुपद, युधिष्ठिर आदि ने युद्ध की तैयारियां शुरू कर दी थीं । उन्होंने चारों ओर दूत भेजे थे । और मित्र राजाओं से सेना के लिए सहायता मांगी ।

प्रश्न 4 :- दुर्योधन ने श्रीकृष्ण से सहायता मांगते समय क्या कहा था ?

उत्तर :-दुर्योधन ने श्रीकृष्ण से सहायता मांगते समय कहा था कि वह सहायता प्राप्ति के लिए पहले आया था इसलिए उन्हें पहले कौरवों की सहायता करनी चाहिए ।

प्रश्न 5 :- श्रीकृष्ण ने दुर्योधन से क्या कहा था ?

उत्तर :-श्रीकृष्ण ने दुर्योधन से कहा था कि वह सहायता प्राप्ति के लिए उनके पास पहले अवश्य आए पर अर्जुन आयु में उनसे छोटा था और पूर्वजों की चलाई हुई प्रथा यह थी कि जो आयु में छोटा हो पुरस्कार की प्राप्ति पहले उसी को होनी चाहिए । इसलिए वे अर्जुन से ही सहायता प्राप्ति के विषय में पहले पूछेंगे ।

बहुविकल्पीय प्रश्न :-

(1) भद्र देश के राजा शल्य नकुल और सहदेव के क्या लगते थे।

(क) चाचा (ख) मामा (ग) नाना

उत्तर: (ख) मामा

(2) सात्यकी किसका हितैषी था ?

(क) कौरवों का (ख) गन्धर्वों का (ग) पांडवों का ।

उत्तर: (ग) पांडवों का ।

राजदूत संजय

प्रश्न :- पांडवों ने उपप्लव्य नगर में रहते हुए मित्र राजाओं से कितनी सेना एकत्रित कर ली थी ?

उत्तर :-पांडवों ने उपलव्य नगर में रहते हुए मित्र राजाओं की सहायता से सात अक्षैहिणी सेना एकत्रित की थी।

प्रश्न :- पितामह ने कर्ण के प्रति क्रोध प्रकट करते हुए क्या चेतावनी दी थी ?

उत्तर :-पितामह ने चेतावनी दी थी कि यदि युधिष्ठिर के दूत के कहे अनुसार संधि न की गई तो निश्चित रूप से युद्ध छिड़ जाएगा, जिससे दुर्योधन आदि सबको पराजित होकर मृत्यु के मुख में जाना पड़ेगा ।

प्रश्न:- संजय ने युधिष्ठिर से कौरव पुत्रों के विषय में क्या कहा था ?

उत्तर :-संजय ने युधिष्ठिर से कहा था कि धृतराष्ट्र के पुत्र न तो अपने पिता की बात पर ध्यान देते थे और ना ही भीष्म पितामह की सुनते हैं । आप सदा न्याय पर स्थिर रहे हैं इसलिए आप युद्ध की चाह न करें ।

प्रश्न :- युधिष्ठिर ने संजय को कौरवों से क्या कहने का संदेश दिया था ?

उत्तर :-युधिष्ठिर ने संजय से कहा था, "कौरवों की राजसभा में जाकर महाराज धृतराष्ट्र को मेरी तरफ से प्रार्थनापूर्वक संदेश सुनाना कि हमें कम-से-कम पाँच गांव ही दे दें । हम पाँचों भाई इसी में संतोष कर लेंगे और संधि करने को तैयार हो जाएंगे ।"

प्रश्न :-धृतराष्ट्र को समझाने के प्रयास में दुर्योधन ने क्या कहा था ?

उत्तर :-दुर्योधन ने कहा था कि वे पांडवों को सुई की नोक के बराबर ज़मीन नहीं देंगे । उनकी जो इच्छा हो, वे करें । अब इसका फैसला युद्ध-भूमि में ही होगा ।

बहुविकल्पीय प्रश्न

(1) कुंती क्यों व्याकुल हो रही थी ?

(क) पांडवों की चिंता के कारण

(ख) युद्ध की चिंता के कारण

(ग) कर्ण की चिंता के कारण

उत्तर: (क) पांडवों की चिंता के कारण

(2) दुर्योधन ने सभा में किसे लाने को कहा ?

(क) गांधारी को

(ख) द्रोपदी को

(ग) कुंती को

उत्तर: (ख) द्रोपदी को

शांतिदूत श्रीकृष्ण

प्रश्न :- श्रीकृष्ण ने दुर्योधन के द्वारा दिए गए भोजन के न्योते के विषय में क्या कहा था ?

उत्तर :-श्रीकृष्ण ने कहा था कि वे जिस उद्देश्य को लेकर आए हैं, पहले वह पूरा हो जाए तब उन्हें भोजन का न्योता देना उचित होगा।

प्रश्न :- श्रीकृष्ण कहाँ ठहरे थे और उन्होंने उन्हें क्या सलाह दी थी ?

उत्तर :- श्रीकृष्ण विदुर के यहाँ गए थे । उन्होंने वहाँ भोजन करके विश्राम किया था । विदुर ने उन्हें सलाह दी थी कि उनका कौरवों की सभा में जाना उचित नहीं था क्योंकि दुर्योधन कोई-न-कोई कुचक्र चला कर उनके प्राणों पर संकट उत्पन्न कर सकता है ।
प्रश्न :-श्रीकृष्ण ने दुर्योधन से क्या कहा था ?
उत्तर :-श्रीकृष्ण ने दुर्योधन से कहा था कि पांडवों को आधा राज्य लौटाकर उनके साथ संधि कर लेनी चाहिए । यदि यह बात मान ली गई तो स्वयं पांडव उसे युवराज और धृतराष्ट्र को महाराज के रूप में स्वीकार कर लेंगे ।
प्रश्न :-कुंती ने कर्ण को क्या सुझाव दिया था ?
उत्तर :-कुंती ने कर्ण को सुझाव दिया था कि वह धृतराष्ट्र के लड़कों के आश्रय को छोड़कर अर्जुन के साथ मिल जाए । वीरता से लड़ कर राज्य प्राप्त करे । पांचों पांडव उसके छोटे भाई हैं और वे भी उसके अधीन रहेंगे ।
प्रश्न :- कुंती ने कर्ण को क्या आशीर्वाद दिया था ?
उत्तर :-कुंती ने कर्ण को गले लगाया था और आशीर्वाद देते हुए कहा था, "तुम्हारा कल्याण हो ।"

पांडवों और कौरवों के सेनापति

प्रश्न / उत्तर

प्रश्न-1 कौरवों की सेना के नायक कौन थे?

उत्तर - कौरवों की सेना के नायक भीष्म पितामह थे ।

प्रश्न-2 पांडवों की सेना का नायक किसे बनाया गया?

उत्तर – वीर कुमार धृष्टद्युम्न को पांडवों की सेना का नायक बनाया गया।

प्रश्न-3 रुक्मी के अपमानित होने का कारण क्या था?

उत्तर -रुक्मी कर्तव्य से प्रेरित होकर नहीं, बल्कि अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाने के उद्देश्य से कुरुक्षेत्र गया था| इस कारण वह अपमानित हुआ।

प्रश्न-4 युद्ध के समय कौन-कौन से राजा युद्ध में सम्मिलित नहीं हुए और तटस्थ रहे?

उत्तर- युद्ध के समय सारे भारतवर्ष में दो ही राजा युद्ध में सम्मिलित नहीं हुए और तटस्थ रहे-
एक बलराम और दूसरे भोजकट के राजा रुक्मी।

प्रश्न-5 पांडवों की विशाल सेना को कितने हिस्सों में बाँटा गया? उनका नायक किन्हें बनाया गया?

उत्तर – पांडवों की विशाल सेना को सात हिस्सों में बाँटा गया। द्रुपद, विराट, धृष्टद्युम्न, शिखंडी, सात्यकि, चेकितान, भीमसेन आदि सात महारथी इन सात दलों के नायक बने।

प्रश्न-6 युद्ध को लेकर कर्ण का क्या हठ था?

उत्तर- कर्ण का हठ था कि जब तक भीष्म जीवित रहेंगे, तब तक वह युद्ध
भूमि में प्रवेश नहीं करेगा। भीष्म के मारे जाने के बाद ही वह युद्ध में भाग लेगा और केवल अर्जुन को ही मारेगा।

प्रश्न-7 कौरवों की सेना की व्यूह-रचना देखकर युधिष्ठिर ने अर्जुन को क्या कहा?

उत्तर- कौरवों की सेना की व्यूह-रचना देखकर युधिष्ठिर ने अर्जुन को आज्ञा दी–
“एक जगह सब वीरों को इकट्टे रहकर लड़ना होगा। अतः सेना को सूची-मुख (सूई की नोंक के समान) व्यूह में सज्जित करो।"

प्रश्न-8 रुक्मी किस मंशा से पांडवों की सहायता के लिए गए?

उत्तर- कुरुक्षेत्र में होनेवाले युद्ध का समाचार सुनकर रुक्मी ने सोचा कि यह अवसर वासुदेव की मित्रता प्राप्त कर लेने के लिए ठीक होगा। इसलिए वह पांडवों के पास उनकी सहायता का प्रस्ताव लेकर गए।

प्रश्न-9 रुक्मी को अपमानित होकर भोजकट क्यों लौटना पड़ा?

उत्तर – कुरुक्षेत्र में होनेवाले युद्ध के समाचार सुनकर रुक्मी ने सोचा कि यह अवसर वासुदेव की मित्रता प्राप्त कर लेने के लिए ठीक होगा। इसलिए वह पांडवों के पास उनकी सहायता का प्रस्ताव ले कर गए। इस पर अर्जुन ने रुक्मी से बोला "राजन्! आप बिना शर्त के सहायता करना चाहते हैं, तो आपका स्वागत है। नहीं तो आपकी जैसी इच्छा।" यह सुनकर रुक्मी क्रोध में अपनी सेना लेकर दुर्योधन के पास गया और उससे कहा "पांडव मेरी मदद नहीं चाहते हैं। इस कारण मैं आपकी सहायता हेतु आया हूँ।" परन्तु दुर्योधन ने कहा "पांडवों ने जिसकी सहायता स्वीकार नहीं की, हमें उसकी सहायता स्वीकार करने की ज़रूरत नहीं है।" इस प्रकार रुक्मी दोनों तरफ़ से अपमानित होकर भोजकट वापस लौट गए ।

प्रश्न-10 कर्ण की मृत्यु कब हुई?

उत्तर- सत्रहवें दिन की लड़ाई में कर्ण की मृत्यु हो गई।

प्रश्न-11 द्रोणाचार्य के बाद कौरव सेना का सेनापति किसे बनाया गया?

उत्तर- द्रोणाचार्य के बाद कौरव सेना का सेनापति कर्ण को बनाया गया।

प्रश्न-12 महाभारत का युद्ध कुल कितने दिन तक चला?

उत्तर- महाभारत का युद्ध कुल अट्ठारह दिन तक चला।

प्रश्न-13 भीष्म के नेतृत्व में कौरव-वीरों ने कितने दिन तक युद्ध किया?

उत्तर - भीष्म के नेतृत्व में कौरव-वीरों ने दस दिन तक युद्ध किया।

प्रश्न-14 कर्ण की मृत्यु के बाद किसने सेनापति बनकर सेना का संचालन किया?

उत्तर- कर्ण की मृत्यु के बाद शल्य ने कौरवों का सेनापति बनकर सेना का संचालन किया।

प्रश्न-15 अर्जुन के भ्रम को दूर करने के लिए श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र में क्या किया?

उत्तर– अर्जुन के भ्रम को दूर करने के लिए श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र में कर्मयोग का उपदेश दिया।

प्रश्न-16 महाभारत के युद्ध में कितने राजा तटस्थ रहे, नाम भी बताइए?
उत्तर- महाभारत के युद्ध में दो ही राजा तटस्थ रहे- एक बलराम और दूसरे भोजकट के राजा रुक्मी।
प्रश्न-17 भीष्म कब आहत हुए और उनके बाद सेनापति किसे नियुक्त किया गया?

उत्तर-दस दिन के युद्ध के बाद भीष्म आहत हुए और उनके बाद द्रोणाचार्य को सेनापति नियुक्त किया गया।
प्रश्न-18 युद्ध शुरू होने से पहले युधिष्ठिर क्यों अपने रथ से उतरे?

उत्तर – युद्ध शुरू होने के पहले युधिष्ठिर अपने रथ से बड़ों की आज्ञा लेने के लिए उतरे क्योंकि बिना बड़ों की आज्ञा लिए युद्ध करना अनुचित माना जाता है।

प्रश्न-19 भीम ने युधिष्ठिर के सामने अपनी क्या विवशता व्यक्त की?

उत्तर – भीष्म बोले-"बेटा युधिष्ठिर, मुझे तुमसे यही आशा थी। मैं स्वतंत्र नहीं हूँ। विवश होकर मुझे तुम्हारे विपक्ष में रहना पड़ रहा है। फिर भी मेरी यही कामना है कि रण में विजय तुम्हारी हो।"

प्रश्न-20 युद्धक्षेत्र में क्या देख कर दोनों ही पक्षवाले आश्चर्यचकित रह गए?

उत्तर – युद्धक्षेत्र में दोनों पक्षों के वीर इस इंतज़ार में थे कि कब शंखनाद हो और युद्ध की शुरुआत हो कि एकाएक पांडव-सेना के बीच हलचल मच गई। युधिष्ठिर ने अचानक अपना कवच और धनुष-बाण उतारकर रथ पर रख दिया और रथ से उतरकर हाथ जोड़े कौरव-सेना की हथियारबंद पंक्तियों को चीरते हुए भीष्म की ओर पैदल जा रहे थे। बिना सूचना दिए उनको इस प्रकार जाते देखकर दोनों ही पक्षवाले आश्चर्यचकित रह गए।

पहला, दूसरा और तीसरा दिन

प्रश्न-1 कौरव-सेना में कौन से वीर अर्जुन का मुकाबला कर सकते थे?
उत्तर - सारी कौरव-सेना में तीन ही ऐसे वीर थे, जो अर्जुन का मुकाबला कर सकते थे- भीष्म, द्रोण और कर्ण।

प्रश्न-2 युद्ध के समय पांडवों और कौरवों की सेना के अग्रभाग में कौन रहा करते थे?
उत्तर - कौरवों की सेना के अग्रभाग पर प्रायः दु:शासन ही रहा करता था और पांडवों की सेना के आगे भीमसेन।

प्रश्न-3 आप कैसे कह सकते हैं कि इस युद्ध में संबंधो का कोई मूल्य नहीं रह गया था?
उत्तर – इस युद्ध में बाप ने बेटे को मारा। बेटे ने पिता के प्राण लिए। भानजे ने मामा का वध किया। मामा ने भानजे का काम तमाम किया। युद्ध का यह दृश्य पुष्टि करता है कि इस युद्ध में संबंधों का कोई मूल्य नहीं रह गया था।

प्रश्न-4 पहले दिन की लड़ाई में पांडवों की क्या स्थिति रही?
उत्तर- पहले दिन की लड़ाई में भीष्म ने पांडवों पर ऐसा हमला किया कि पांडव
सेना थर्रा उठी। युधिष्ठिर के मन में भय छा गया। दुर्योधन आनंद के कारण झूमता हुआ दिखाई दिया। पांडव घबराहट के मारे श्री कृष्ण के पास गए। श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर और पांडव-सेना का धीरज बँधाया।

प्रश्न-5 पहले दिन की लड़ाई में हुई दुर्गति से पांडवों ने क्या सबक लिया?
उत्तर- पहले दिन की लड़ाई में पांडव-सेना की जो दुर्गति हुई थी, उससे सबक लेकर पांडव-
सेना के नायक धृष्टद्युम्न ने दूसरे दिन बड़ी सतर्कता के साथ व्यूहरचना की और सैनिकों का साहस बँधाया।

प्रश्न-6 तीसरे दिन की लड़ाई में कौरवों की क्या स्थिति रही?

उत्तर – भीमसेन द्वारा चलाए एक बाण से दुर्योधन ज़ोर का धक्का खाकर बेहोश हो गया और रथ पर गिर पड़ा। यह देखकर उसके सारथी ने दुर्योधन को लड़ाई के मैदान से हटाकर छावनी की ओर ले गया। अनुशासन के टूटने से सैनिकों में भगदड़ मच गई। इस बिखरी हुई सेना को फिर से इकट्ठा करके भीष्म ने पांडवों पर हमला किया परन्तु शाम होते-होते कौरव-सेना बड़ी बुरी तरह से हार गई।

प्रश्न-7 युद्ध के दूसरे दिन पांडवों ने कैसा प्रदर्शन किया?
उत्तर अर्जुन ने इस कुशलता से युद्ध किया कि कौरवसेना के सभी महारथी देखकर दंग रह गए। अर्जुन और भीष्म के बीच बड़ी देर तक युद्ध होता रहा फिर भी हारजीत का कोई निर्णय न हो सका।
सात्यकि द्वारा छोड़े गए एक बाण ने भीष्म के सारथी को मार गिराया। सारथी के गिर जाने पर घोड़े हवा से बातें करते हुए अत्यंत वेग से भाग खड़े हुए। इससे कौरव-सेना में बड़ी तबाही मची।

प्रश्न-8 युद्धक्षेत्र में श्रीकृष्ण को क्रोध क्यों आया और यह देखकर अर्जुन की क्या प्रतिक्रिया हुई?
उत्तर- भीष्म के छोड़े गए कई बाण अर्जुन एवं श्रीकृष्ण के शरीर पर लग गए। इस पर श्रीकृष्ण को असीम क्रोध आ गया। उनसे रहा न गया। उन्होंने खुद भीष्म को मारने की ठानी। अर्जुन यह देखकर सन्न रह गया। अर्जुन के आग्रह पर श्रीकृष्ण वापस लौटकर फिर से अर्जुन का रथ हाँकने लगे। श्रीकृष्ण के इस कार्य से अर्जुन उत्तेजित हो उठा और कौरवसेना पर वह वज्र के समान गिरा।

चौथा, पाँचवाँ और छठा दिन

प्रश्न-1 घटोत्कच कौन था?
उत्तर – घटोत्कच भीम एवं हिडिम्बा का पुत्र था।

प्रश्न-2 चौथे दिन के युद्ध में दुर्योधन के कितने भाई मारे गए?
उत्तर - चौथे दिन के युद्ध में दुर्योधन के आठ भाई मारे गए।

प्रश्न-3 घटोत्कच के क्रोध का क्या कारण था?
उत्तर- अपने पिता भीम को मूर्च्छित देखकर घटोत्कच को क्रोध आ गया।

प्रश्न-4 धृतराष्ट्र को कुरुक्षेत्र के मैदान का आँखों देखा हाल कौन सुनाता था?
उत्तर – संजय कुरुक्षेत्र के मैदान का आँखों देखा हाल धृतराष्ट्र को सुनाता था।

प्रश्न-5 युद्ध के पाँचवें दिन क्या हुआ?
उत्तर - युद्ध के पाँचवें दिन संध्या होते-होते अर्जुन ने हजारों कौरव-सैनिकों का जीवन समाप्त कर दिया।

प्रश्न-6 दुर्योधन के भीषण अस्त्र का भीमसेन पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर – दुर्योधन ने निशाना साधकर भीमसेन की छाती पर एक भीषण अस्त्र चलाया जिसके कारण भीम चोट खाकर मूर्च्छित-सा होकर रथ पर बैठ गया|

प्रश्न-7 घटोत्कच के क्रोध का युद्ध पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर- अपने पिता को मूर्च्छित देखकर घटोत्कच आपे से बाहर हो गया और उसने भयानक युद्ध शुरू कर दिया। घटोत्कच के भीषण आक्रमण के आगे कौरवसेना टिक न सकी। सेना को विह्वल होती देखकर भीष्म ने युद्ध बंद कर दिया और सेना लौटा दी।

प्रश्न-8 छठे दिन के युद्ध का हाल संक्षेप में लिखिए?

उत्तर- छठे दिन सवेरे युद्ध छिड़ते ही दोनों तरफ़ की जन
हानि बड़ी तादाद में होने लगी। पर अंत में द्रोण ने वह तबाही मचाई कि पांडव-
सेना के पाँव उखड़ गए। इसके बाद तो अंधाधुंध युद्ध होने लगा। अंत में दुर्योधन बुरी तरह घायल हुआ और बेहोश होकर रथ से गिर पड़ा। तब कृपाचार्य ने बड़ी चतुराई से उसे रथ पर ले लिया, जिससे दुर्योधन की जान बच गई।

सातवाँ, आठवाँ और नवाँ दिन

प्रश्न-1 कुमार शंख की मृत्यु कब हुई?
उत्तर – सांतवें दिन के युद्ध में कुमार शंख की मृत्यु कब हुई।

प्रश्न-2 आठवें दिन के युद्ध में भीमसेन ने धृतराष्ट्र के कितने बेटों का वध किया?
उत्तर – आठवें दिन के युद्ध में भीमसेन ने धृतराष्ट्र के आठ बेटों का वध किया।

प्रश्न-3 आठवें दिन के युद्ध में अर्जुन क्यों शोक-विह्वल हो उठा?
उत्तर- आठवें दिन के युद्ध में एक ऐसी घटना हुई कि जिससे अर्जुन शोक
विह्वल हो उठा। उसका लाड़ला, साहसी और वीर बेटा रावान, जो एक नागकन्या से पैदा हुआ था, उस दिन उसका वध हो गया।

प्रश्न-4 इरावान की मृत्यु का भीमसेन के पुत्र घटोत्कच पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर - भीमसेन के पुत्र घटोत्कच ने जब देखा कि इरावान मारा गया, तो उसने इतने ज़ोर से गर्जना की कि जिससे सारी सेना थर्रा उठी। उसके बाद वह कौरवसेना पर टूट पड़ा और घोर प्रलय मचाने लगा।

प्रश्न-5 नवें दिन के युद्ध का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
उत्तर – नवें दिन के युद्ध में अभिमन्यु और अलंबुष में घोर संग्राम छिड़ गया। धनंजय के पुत्र ने पिता की ही भांति रण-कौशल का परिचय दिया। पांडवों की सेना की पितामह ने उस दिन बड़ी दुर्गति की। यहाँ तक कि अर्जुन और श्रीकृष्ण दोनों को ही बड़ी पीड़ा हुई। सैनिक बहुत पीड़ित हो रहे थे। थोड़ी देर में सूर्यास्त हुआ और उस दिन युद्ध बंद कर दिया गया।

भीष्म शर-शैय्या पर

प्रश्न1. दसवें दिन के युद्ध में पांडवों ने किसे आगे करके युद्ध प्रारंभ किया?
उत्तर- दसवें दिन के युद्ध में पांडवों ने शिखंडी को आगे करके युद्ध प्रारंभ किया|
प्रश्न 2. भीष्म जब शरशैय्या पर पड़े थे तो उन्होंने अर्जुन से क्या माँगा?
उत्तर- भीष्म जब शरशैय्या पर पड़े थे तो उन्होंने अर्जुन से पानी माँगा।
प्रश्न-3. अर्जुन ने पितामह भीष्म को पानी कैसे पिलाया?
उत्तर- अर्जुन ने पितामह भीष्म को पानी पिलाने के लिए तुरंत धनुष तानकर उनके दाहिने बगल में पृथ्वी पर बड़े ज़ोर से एक तीर मारा। बाण पृथ्वी में घुसकर सीधा पाताल में जा लगा और उसी क्षण जल का एक स्रोत फूट निकला। पितामह ने अमृत के समान मधुर शीतल जल पीकर अपनी प्यास बुझाई।
प्रश्न-4. भीष्म के शरीर त्यागने का उचित समय कब था?
उत्तर- भीष्म के शरीर त्यागने का उचित समय सूर्य नारायण के उत्तरायण होने पर था।
प्रश्न-5. कर्ण ने भीष्म की बातों का क्या जबाव दिया?
उत्तर- भीष्म की बातों को सुनकर कर्ण भीष्म पितामह से बोला कि वह जानता है कि वह कुंती का पुत्र है, फिर भी वह दुर्योधन का

साथ छोड़कर उनके शत्रुओं से नहीं मिल सकता। उसका कर्त्तव्य था कि वह दुर्योधन के साथ रहकर ही युद्ध करे।
इस बात के लिए उसने भीष्म से क्षमा माँगी।
प्रश्न-6. भीष्म के बाद किसे सेनापति बनाया गया?
उत्तर- भीष्म के बाद द्रोणाचार्य को सेनापति बनाया गया।
प्रश्न-7. द्रोणाचार्य के सेनापतित्व पद ग्रहण करने के बाद दुर्योधन ने उनसे क्या कहा?
उत्तर- द्रोणाचार्य के सेनापतित्व पद ग्रहण करने के बाद दुर्योधन ने उनसे कहा-"आचार्य! किसी भी उपाय से आप युधिष्ठिर को जीवित ही पकड़ कर हमारे हवाले कर सकें तो बड़ा ही उत्तम होगा"।
प्रश्न-8. युधिष्ठिर के पकड़े जाने पर अर्जुन ने क्या किया?
उत्तर- "युधिष्ठिर पकड़े गए" की चिल्लाहट से सारा कुरुक्षेत्र गूँज उठा इतने में अर्जुन के गांडीव से बाणों की ऐसी अविरल बौछार छूट पड़ी कि कुरुक्षेत्र का आकाश बाणों से भर गया और सारे मैदान में अंधकार छा गया। शाम होते ही उस दिन का युद्ध खत्म हो गया।
प्रश्न-9. अर्जुन ने किस स्थिति में भीष्म पर बाण चलाया तथा उसका क्या परिणाम हुआ?
उत्तर- दसवें दिन के युद्ध में पांडवों ने शिखंडी को रथ पर आगे बैठा दिया था। पीछे अर्जुन बैठे थे। उसी समय शिखंडी की आड़ से अर्जुन एवं शिखंडी ने भीष्म पर इतने बाण चलाए कि पितामह भीष्म का वक्षस्थल बिंध गया। फिर भी पितामह के चेहरे पर शिकन तक नहीं आई और उन्होंने उनके बाणों का प्रत्युत्तर भी नहीं दिया। अर्जुन एवं शिखंडी के बाणों ने पितामह के शरीर में उँगली तक रखने की भी जगह नहीं छोड़ी थी। ऐसी अवस्था में भीष्म रथ से सिर के बल ज़मीन पर गिर पड़े किंतु उनका शरीर भूमि से नहीं लगा। सारे शरीर में लगे बाण एक तरफ से घुसकर दूसरी तरफ निकल गए थे। भीष्म का शरीर ज़मीन पर न गिरकर तीरों के सहारे ही ऊपर उठा रहा।

प्रश्न-10. भीष्म पितामह, अर्जुन दवारा चलाए गए बाणों का जवाब क्यों नहीं दे रहे थे?

उत्तर- भीष्म पितामह अत्यंत पराक्रमी और वीर योद्धा थे। उन्हें हरा पाना असंभव नहीं तो मुश्किल ज़रूर था। पांडवों विशेषतः जब अर्जुन ने देखा कि पितामह को हरा पाना आसान नहीं है तथा किसी भी विधि से उन पर विजय नहीं मिल रही है तो उन्होंने छल का सहारा लिया और अपने रथ पर शिखंडी नामक पुरूष बनी महिला को बैठा लिया। वास्तव में शिखंडी पूर्व में अंबा नामक वह महिला थी, जिसे भीष्म पितामह स्वयंवर से हरण करके लाए थे। बाद में अंबा से किसी ने विवाह नहीं किया। अपनी इस बर्बादी का कारण वह भीष्म को मानती थी। उसने तप से पुरूष रूप धारण कर अपना नाम शिखंडी रख लिया। पितामह की दृष्टि में शिखंडी अब भी नारी ही थी, इसलिए वह शिखंडी को सामने पाकर अर्जुन के बाणों का कोई जवाब नहीं दे रहे थे।
प्रश्न-11. भीष्म जब घायल होकर युद्धक्षेत्र में पड़े थे तब उन्होंने कर्ण और पाडवों में मेल कराने का प्रयास किस प्रकार किया?
उत्तर- भीष्म कर्ण से बोले कि वह राधा के नहीं, कुंती पुत्र है। वे सूर्यपुत्र थे। भीष्म ने कभी भी कर्ण से द्वेष नहीं किया। कर्ण की दानवीरता और शूरता से वे भलीभाँति परिचित थे। वे पांडवों में ज्येष्ठ थे। इसलिए उनका कर्त्तव्य था कि वे पांडवों से मित्रता कर लें। भीष्म पितामह ने यह भी कहा कि उनकी इच्छा है कि युद्ध में उनके सेनापतित्व के साथ ही पांडवों के प्रति कर्ण के वैरभाव का अंत भी आज ही हो जाए।

प्रश्न-12. युधिष्ठिर को ज़िंदा पकड़वाने के पीछे दुर्योधन की क्या मंशा थी?
उत्तर- युधिष्ठिर को ज़िंदा पकड़वाने के पीछे दुर्योधन की यह मंशा थी कि अगर युधिष्ठिर को जीवित पकड़ लिया जाए, तो युद्ध भी शीघ्र ही बंद हो जाएगा और जीत भी कौरवों की होगी। थोड़ा राज्य युधिष्ठिर को देने का बहाना करके उसे दे देंगे फिर जुआ खेलकर सहज ही में उसे वापस छीन लेंगे। इन्हीं सब विचारों से प्रेरित होकर दुर्योधन ने द्रोणाचार्य से युधिष्ठिर को जीवित पकड़ने का अनुरोध किया।

बारहवाँ दिन

प्रश्न1.' भगदत्त अब इस संसार को अंतिम बार अच्छी तरह से देख लो ' – यह किसने कहा ?
उ. यह कथन अर्जुन का है।
प्रश्न 2. अर्जुन के धनुष का नाम क्या था?
उ. अर्जुन के धनुष का नाम गांडीव था।
प्रश्न 3. भगदत्त ने किस पर तोमर चलाया और वह कहाँ लगा ?
उ. भगदत्त ने तोमर अर्जुन पर चलाया और वह अर्जुन के मुकुट पर जा लगा।
प्रश्न 4. वृषक और अचक कौन थे?
उ. वृषक और अचक शकुनि के भाई थे।
प्रश्न 5. भगदत्त को किसने मारा ?
उ. भगदत्त को अर्जुन ने मारा।
प्रश्न6. भगदत्त को अर्जुन ने कैसे मारा ?
उ. अर्जुन ने भगदत्त के मर्म – स्थानोंपर बाण चलाकर उन्हें छेद डाला। इसके बाद अर्जुन के तेज बाणों से भगदत्त के आँखों के ऊपर बंधी हुई रेशम की पट्टी फट गई जो उसकी आँखों के ऊपर लटक जाने वाली चमड़ी को उपर उठाए रखती थी।इससेभगदत्त की आँखें बंद हो गई और उसे कुछ दिखाई नहीं दिया। अर्जुन के बाण ने उसकी छाती भेद डाली और वह मारा गया।
प्रश्न 7. बारहवें दिन कौन – सी अफवाह फैलाई गई?
उ. बारहवें दिन यह अफवाह फैलाई गई कि भगदत्त के हाथी ने भीमसेन को मार दिया।

. अभिमन्यु

प्रश्न 1. तेरहवें दिन चक्रव्यूह की रचना किसने की?
उ. तेरहवें दिन चक्रव्यूह की रचना द्रोणाचार्य ने की।
प्रश्न 2. अभिमन्यु किसका पुत्र था?
उ. अभिमन्यु अर्जुन और सुभद्रा का पुत्र था।
प्रश्न 3. जयद्रथ कौन था?
उ. जयद्रथ सिन्धु देश के सुप्रसिद्ध राजा वृद्धक्षत्र का पुत्र और धृतराष्ट्र का दामाद था।
प्रश्न 4. दुर्योधन का पुत्र कौन था? उसे किसने मारा ?
उ. दुर्योधन का पुत्र लक्ष्मण था। उसे अभिमन्यु ने मारा।
प्रश्न 5. अभिमन्यु की मृत्यु के पश्चात अर्जुन ने क्या प्रतिज्ञा ली ?
उ. अभिमन्यु की मृत्यु के पश्चात अर्जुन ने प्रतिज्ञा लेते हुए कहा – जिसके कारण मेरे प्रिय पुत्र की मृत्यु हुई है, उस जयद्रथ का मै कल सूर्यास्त होने से पहले वध करके रहूँगा। यह मेरी प्रतिज्ञा है।
प्रश्न 6. अभिमन्यु को युधिष्ठिर और भीम ने क्या आश्वासन दिया?
उ. युधिष्ठिर ने कहा – '' बेटा! व्यूह को तोड़कर एक बार तुम भीतर प्रवेश कर लो ; फिर तो जिधर से तुम आगे बढोगे , उधर से ही हम तुम्हारे पीछे – पीछे चले आएँगे और तुम्हारी मदद को तैयार रहेंगे। युधिष्ठिर की बातों का समर्थन करते हुए भीमसेन ने कहा – '' तुम्हारे ठीक पीछे – पीछे मैं चलूँगा। धृष्टद्युम्न, सात्यकी आदि वीर भी अपनी – अपनी सेनाओं के साथ तुम्हारा अनुकरण करेंगे। एक बार तुमने व्यूह को तोड़ दिया, तो फिर यह निश्चित समझना कि हम सब कौरव सेना को तहस – नहस कर डालेंगे।"

युधिष्ठिर की चिंता और कामना

प्रश्न 1. कौरव सेना किस प्रकार कमजोर पड़ी ?

उ.दुर्योधन को अर्जुन का पीछा करते देखकर पांडव सेना ने शत्रुओ पर और भी तेज हमला किया। धृष्टधुमन ने सोचा कि जयद्रथ की रक्षा करने हेतु यदि द्रोण भी चले गए तो अनर्थ हो जाएगा इसकारण द्रोणाचार्य को रोके रखने के इरादे से उसने द्रोण पर लगातार आक्रमण जारी रखा। धृष्टद्युम्न की इस चाल के कारण कौरव सेना तीन हिस्सों में बंटकर कमजोर पड़ गई।
प्रश्न2.कर्ण और भीम के युद्ध में किसके रथ के घोड़े मारे गए?
उ. कर्ण और भीम के युद्ध में भीमसेन के रथ के घोड़े मारे गए।
प्रश्न 3. कर्ण ने माता कुंती को क्या वचन दिया था ?
उ. कर्ण ने माता कुंती को वचन दिया था कि वह अर्जुन के अतिरिक्त और किसी को युद्ध में नहीं मारेगा।
प्रश्न 4. सात्यकि व् अर्जुन की रक्षा हेतु जाते समय भीम ने धृष्टद्युम्न से क्या कहा?
उ. युधिष्ठिर का आदेश पाने के बाद भीम ने धृष्टद्युम्न से कहा कि आचार्य द्रोण के प्रण को विफल करने अर्थात युधिष्ठिर को बंदी न होने देने का दायित्व आपका है। मै महाराज को आपके भरोसे पर छोड़कर जा रहा हूँ।

भूरिश्रवा, जयद्रथ और आचार्य द्रोण का अंत

प्रश्न 1. भूरिश्रवा का वध किस प्रकार हुआ ?
उ. भूरिश्रवा युद्ध के मैदान में शरों को फैलाकर आसन जमाकर बैठ गया था तब सात्यकी ने उसका सिर धड़ से अलग कर दिया था। इस कार्य को सभी ने निकृष्ट कहकर धिक्कारा था।
प्रश्न 2 . जयद्रथ का वध किसने किया ?
उ. जयद्रथ का वध अर्जुन ने किया।
प्रश्न 3. घटोत्कच कौन था?
उ. घटोत्कच भीमसेन का हिडिम्बा से उत्पन्न पुत्र था।
प्रश्न 4. घटोत्कच कैसे मारा गया ?
उ. घटोत्कच और कर्ण के बीच बहुत भयानक युद्ध हो रहा था। घटोत्कच ने कर्ण को इतनी पीड़ा पहुँचाई थी कि वह आपे में न रहा और इंद्र की दी हुई शक्ति का , जिसे उसने अर्जुन का वध करने के उद्देश्य से यत्नपूर्वक सुरक्षित रखा था , घटोत्कच पर प्रयोग कर दिया। इससे अर्जुन का संकट तो टल गया , परन्तु भीमसेन का प्रिय एवं वीर पुत्र मारा गया।
प्रश्न 5. द्रोण को किसने मारा ?
उ. द्रोण को धृष्टद्युम्न ने मारा।
प्रश्न 6. जयद्रथ के पिता का अंत कैसे हुआ ?
उ. अर्जुन का तेज बाण जयद्रथ के कटे सिर को उड़ा ले गया था। वह सिर जयद्रथ के ध्यान-मग्न पिता राजा वृद्धक्षत्र की गोद में जा गिरा। ध्यान समाप्त होने पर जब वृद्धक्षत्र की आँखें खुलीं और वह उठे, तो जयद्रथ का सिर उनकी गोद से जमीन पर गिर पड़ा और उसी क्षण बूढ़े वृद्धक्षत्र के सिर के भी सौ टुकड़े हो गए।

कर्ण और दुर्योधन भी मारे गए

प्रश्न 1. द्रोण के मारे जाने पर कौरव सेना का सेनापति किसे बनाया गया?
उ. द्रोण के मारे जाने के बाद कौरव सेना का सेनापति कर्ण को बनाया गया।
प्रश्न 2 . कर्ण के सारथी कौन बने ?
उ. मद्रराज शल्य कर्ण के सारथी बने।
प्रश्न 3 . कृष्ण ने अर्जुन को कैसे बचाया ?

उ. कर्ण ने अर्जुन पर एक ऐसा बाण चलाया जो आग उगलता गया। अर्जुन की ओर उस भयानक तीर को आता हुआ देखकर कृष्ण ने रथ को पाँव के अँगूठे से दबा दिया, जिससे रथ जमीन में पाँचअँगुलधँसगया। कृष्ण की इस युक्ति से अर्जुन मरते – मरते बचा।

प्रश्न 4. कृपाचार्य ने दुर्योधन को क्या सलाह दी?

उ. कर्ण के मारे जाने के बाद दुर्योधन के शोक की सीमा न रही। इस समय कृपाचार्य ने दुर्योधन को कहा कि वह पांडवों से किसी प्रकार संधि कर ले। अब युद्ध बंद करना ही श्रेयस्कर होगा।

प्रश्न 5. शकुनि को किसने मारा ?

उ. शकुनि को सहदेव ने मारा।

प्रश्न 6. कर्ण का अंत किस प्रकार हुआ ?

उ.कर्ण के रथ का पहिया धरती में धँस गया। वह उसे निकालने के लिए रथ से उतरकरकोशिश करने लगा। उसका पहिया निकल नहीं रहा था। तब श्री कृष्ण ने अर्जुन को उसे ख़त्म करने की सलाह दी। अर्जुन ने तुरंत बाण से कर्ण का सिर काट दिया। इस तरह कर्ण का अंत हुआ।

प्रश्न 7. दुर्योधन का वध किसने और कैसे किया ?

उ. दुर्योधन और भीम का गदा युद्ध बहुत देर तक चला तब श्री कृष्ण के इशारे पर भीम ने दुर्योधन की जांघ पर गदा से प्रहार किया , जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गई।

अश्वत्थामा

प्रश्न 1. कौरव सेना का अंतिम सेनापति कौन बना तथा उसने क्या प्रतिज्ञा की ?

उ. कौरव सेना का अंतिम सेनापति अश्वत्थामा को बनाया गया। उसने दुर्योधन के सामने प्रतिज्ञा की कि वह उसी रात पांडवों को समाप्त कर देगा।

प्रश्न 2 . रात्रि में अश्वत्थामा ने किसके साथ मिलकर पांडवों को मारा?

उ. अश्वत्थामा ने कृपाचार्य व कृतवर्मा के साथ मिलकर रात्रि में पांडव शिविर में आग लगाईं। अश्वत्थामा ने धृष्टद्युमनको और द्रौपदी के पाँचों पुत्रों को कुचलकर मार डाला , साथ ही आग लगाने के बाद भागते हुए सैनिको को भी मार डाला।

प्रश्न 3 . उत्तरा कौन थी? उसके पुत्र का क्या नाम था ?

उ. उत्तरा अभिमन्यु की पत्नी थी। उसके पुत्र का नाम परीक्षित था जो पांडवों के वंश का एकमात्र चिह्न बच गया था।

युधिष्ठिर की वेदना

प्रश्न 1. कृष्ण ने ध्रुतराष्ट्र के क्रोध से भीम की रक्षा कैसे की ?

उ. ध्रुतराष्ट्र को अत्यंत क्रोधित देखकर कृष्ण ने भीम के स्थान पर एक लौह प्रतिमा दृष्टिहीनध्रुतराष्ट्र के सामने लाकर खड़ीकर दी। ध्रुतराष्ट्र ने प्रतिमा को भीम समझकर जैसे ही छाती से लगाया , उसे याद आया कि इसी भीम ने मेरे सौ पुत्र मारे हैं। क्रोधित राजा ने प्रतिमा को इतने जोर से दबाया कि वह चूर – चूर हो गई। इस चतुराई से ही भीम के प्राणों की रक्षा हो सकी।

प्रश्न 2. युधिष्ठिर ने वन जाने का निश्चय क्यों किया?

उ.युधिष्ठिर के मन में यह बात समा गई थी कि हमने अपने बंधु – बांधवों को मारकर राज्य पाया है , इससे उनको भारी व्यथा रहने लगी अंत में उन्होंने वन में जाने का निश्चय किया , ताकि इस पाप का प्रायश्चित हो सके।

प्रश्न 3 . गांधारी ने द्रौपदी से क्या कहा ?

उ.गांधारी ने द्रौपदी से कहा – " बेटी दुखी ना हो। हम और तुम एक जैसी है , हमें सांत्वना देनेवाला कौन है। मेरे ही कारण हमारे कुल का सर्वनाश हुआ है पर अब दोष देने से क्या लाभ ?"

पांडवों का ध्रुतराष्ट्र के प्रति व्यवहार

प्रश्न 1. धृतराष्ट्र ने युधिष्ठिर से किस बात की आज्ञा मांगी ?
उ. धृतराष्ट्र ने युधिष्ठिर से कहा कि – " तुम तो शास्त्रों के ज्ञाता हो और यह भी जानते हो कि हमारे वंश की परम्परागत प्रथा के अनुसार हम वृद्धों को वल्कल धारण करके वन में जाना चाहिए। इसके अनुसार ही मै अब तुम्हारी भलाई की कामना करता हुआ वन में जाकर रहना चाहता हूँ। तुम्हे इस बात की अनुमति मुझे देनी ही होगी।
प्रश्न 2. युधिष्ठिर से अनुमति पाकर कौन – कौन वन में गए ?
उ.युधिष्ठिर की अनुमति पाकर वन में धृतराष्ट्र, गान्धारी, कुंती गए , साथ में संजय भी गए।
प्रश्न 3. कुंती को वन जाते देख युधिष्ठिर क्या बोले ?
उ. कुंती को वन जाते देख युधिष्ठिर बोले कि माँ तुम वन क्यों जा रही हो ? तुम्हारा जाना ठीक नहीं है तुम्ही ने आशीर्वाद देकर युद्ध के लिए भेजा था और अब तुम ही हमें छोड़कर जा रही हो।

श्री कृष्ण और युधिष्ठिर

प्रश्न 1. श्री कृष्ण ने महाभारत के युद्ध की समाप्ति के बाद द्वारका में कितने बरस तक शासन किया ?
उ.छत्तीस बरस तक।
प्रश्न 2. विशाल यदुवंश का नाश कैसे हुआ।
उ.आपसी फूट के कारण विशाल यदुवंश का नाश हो गया।
प्रश्न 3. कृष्ण का देहावसान कैसे हुआ ?
उ.एक शिकारी का तीर उनके तलवे को छेदता हुआ शरीर में घुस गया। जिसके कारण उनकी मृत्यु हो गई।
प्रश्न 4. श्री कृष्ण की मृत्यु का समाचार सुनकर पांडवो ने क्या किया ?
उ.श्री कृष्ण की मृत्यु का समाचार सुनकर पांडवों के मन में सांसारिक जीवन के प्रति विराग छा गया। वे अभिमन्यु के पुत्र परीक्षित को राजगद्दी पर बैठाकर द्रौपदी को साथ लेकर तीर्थयात्रा के लिए निकल पड़े और अंत में हिमालय की ओर चल दिए।

अपठित गद्यांश :-

<u>नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-</u>

1]. **प्राचीन काल की बात है एक बार सरिता प्रवाहित हो रही थी। तभी अचानक उसने कुछ सुना और वह थम सी गयी। तब उन्हें ज्ञात हुआ कि ये उन्हीं के सदस्यों में विवाद छिडा हुआ है। वह सहम सी गई कि आखिर विवाद किस कारण से हो रहा है तभी साहिल(किनारा) ने दुसरे साहिल से बोला कि अगर हम ना होते तो तुम अकेले सरिता कोन रोक पाते।**

इसी तरह से विवाद बढता गया इस बीच सरिता क्षणभर के लिए सूख गई ताकि उन दोनो मे बाते होसके और मिलाप होसके ।जब सरिता द्रवित नही रही तो वहां पर कोई साहिल न दिखाई दिए। क्योंकि बिना सरिता के साहिल नही बनते। यह बात उन दोनो साहिल को तब जाकर मालूम पडा जब सरिता उन के बीच मे से लुप्त हो गई। फिर जब सरिता अपने स्थान पर वापिस आई तब जाकर दोनो साहिल के बीच प्रीति भी आई। अन्यथा अगर सरिता ऐसा ना करती तो उन दोनो के बीच कभी मिलापन हीं होता।

1) कलकल करती हुई कौन बह रही थी?
2) अचानक सरिता क्यो थम सी गयी?

3) विवाद किसके बीच हो रहा था?
4) दोनों साहिलों के बीच वाद-विवाद का क्या कारण था?
5) सरिता ने विवाद खत्म करने के लिए क्या उपाय किया?
6) उपरोक्त गद्यांश को पढ़कर क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर

1)कलकल करती हुई एक सरिता (नदी) बह रही थी।
2) अचानक सरिता ने कुछ शोर सुना,जिसको सुनकर वह थम सी गयीथी।
3) विवाद दोनों साहिलों के बीच हो रहा था।
4) दोनों साहिल अपने आपको दूसरे की अपेक्षा महत्वपूर्ण साबित करना चाहते थे। इसलिए दोनों झगडा कर रहे थे।
5) दोनों साहिलों को देखकर सरिता क्षणभर के लिए सूखगई ।जिसके कारण साहिलों का अस्तित्व ही समाप्त हो गया।
6) " अपने ऊपर अहंकार कभी भी नहीं करना चाहिए"।

2) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

किसी गाँव में राजू नाम का एक किसान रहता था।वह बहुत मेहनती था, इसलिए उसके खेतों में फसल अच्छी होती थी।राजू के पास दो हट्टे-कट्टेबैल थे।एक बैल सीधा– सादा और दूसरा बहुत गुस्सैल था। गांव केलोग उस बैल से डरते थे। उसी गाँव में रामू नाम का एक आलसी और दुष्ट व्यक्ति रहता था।वह राजू से ईर्ष्या करता था। रामू एक दिन राजू के घर के सामने से गुजर रहा था। उस समय राजू घर पर नहीं था। तभी रामू को शैतानी सूझी। उसने सोचा, "अगर मै इस गुस्सैल बैल की रस्सी खोलदूँ तो आफत मचा देगा। लोग नाराज हो जाएँगे और राजू को नुकसान की भरपाई करनी पड़ेगी।"यह सोचकर उसने रस्सी खोल दी और वहां से भाग गया। राजू खेतों में काम कर रहा था किसी ने आकर उसको बताया कि तुम्हारा बैल रस्सी कर भाग गया है। राजू तुरंत घ रकी तरफ चला, रास्ते में कई लोगो से उसने बैल के बारे में पूछा, लेकिन कोई कुछ नहीं बता सका । तभी उसने रामू का शोरवसुना जो छप्पर के ऊपर बैठा था और बैल छप्पर को टक्कर मार रहा था ।राजू को देख कर रामू ने सारी बात उसको बताई और उस से अपने किए की माफी भी माँगी।

1) राजू के पास कितने बैल थे ?
2) रामू का स्वभाव कैसा था ?
3) एक दिन रामू ने क्या शरारत की ?
4) रामू को अपने द्वारा की गई शरारत पर पछतावा क्यों हुआ?
5) इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर:-

1) राजू के पास दो हट्टे–कट्टे बैल थे।
2) रामू ईर्ष्यालू स्वभाव का व्यक्ति था।
3) एक दिन रामू ने गुस्सैल बैल की रस्सी खोल दी।
4) गुस्सैल बैल रामू के पीछे ही पड गया था।
5) " जैसा करोगे,वैसा भरोगे"।

3)निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नोके उत्तर दीजिए:-

एंड्रोक्लीज नामक एक गुलाम राजा की सेवा करता था। लेकिन राजा बात- बात पर उसे कोडे लगवाता था। राजा के अत्याचारों से तंग आकर एक दिन वह जंगल में भाग गया। अचानक उसे एक शेर की दहाड़ सुनाई दी। जब उसने ध्यान से पास जाकर देखा तो समझ में आया कि शेर के पंजे में एक काँटा लगा हुआहै। उसने धीरेसे काँटा निकाल दिया और उसको सहला दिया। कुछ समय केबाद वह सिपाहियों द्वारा पकडा गया। राजा ने उसे भूखे शेरके सामने डालने का आदेश दिया। परंतु जबशेर उसके

नजदीक आया तो शेर उसके पैरो को चाटने लगा। राजा और देखने वाले लोग आश्चर्य चकित हो गए।जब राजा ने इस का कारण पूछा तो एंड्रोक्लीज ने सब कुछ बताया ।राजा को अपनी गलती का अहसास हुआ और उसने एंड्रोक्लीज को मुक्त कर दिया।

1) राजा के गुलाम का क्या नाम था?
2) एंड्रोक्लीज जंगल में क्यों चला गया ?
3) जंगल में शेर क्यों दहाड़ रहा था?
4) एंड्रोक्लीज ने शेर की अवस्था को देखकर क्या किया?
5) एंड्रोक्लीज को जब भूखे शेर के सामने डाला गया , तब क्या हुआ?
6) इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

<u>उत्तर:-</u>

1) गुलाम का नाम एंड्रोक्लीज था।
2) राजा के अत्याचारों से तंग आकर वह जंगल में भाग गया।
3) क्योंकि शेर केपंजे में एक काँटा लगाहुआथा।
4) एंड्रोक्लीज ने शेर के पंजे में सेकाँटा निकाल दिया।
5) शेर एंड्रोक्लीज के पैरचाटनेलगा।
6) " अच्छे कर्मों का फल अच्छा ही मिलता है।"

4)निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

गुरुकुल की पढाई पूरी होने पर गुरुजी ने सब को बाहर एक जगह बुलाया ।सभी छात्र मैदान में इकट्ठा हो गए। गुरुजी ने बोलना प्रारंभ किया- कि प्रिय शिष्यों मै चाहता हूँ कि यहाँ से जाने से पहले आप सब एक बाधा दौड में भाग ले। इसदौड में आपको एक अंधेरी सुरंग से गुजरना पडेगा। गुरुजी की आज्ञानुसार सभी शिष्य सुरंग में से गुजरे जहाँ पर अनेक नुकीले पत्थर पडे हुए थे।दौड पूरी होने पर गुरु जी ने कहा कि कुछ शिष्यों ने दौड जल्दी पूर्ण कर ली, कुछ ने देर लगा दी, भला ऐसा क्यों हुआ। शिष्यों ने नुकीले पत्थरों के बारे में बताया, जिनको उठाकर वे अपनी जेब में रख रहेथे ताकि पीछे आने वालो को पीडा न हो सके। गुरुजी ने बताया कि जिन को तुम पत्थर बोल रहे हो वे बहुमूल्य हीरे है। ये तुम सबका उपहार है। यह दौड जिंदगी की सच्चाई बताती है कि सच्चा विजेता वहीं है जो इस दौडती दुनिया में दूसरों का भला करते हुए आगे बढें।

1)गुरुजी ने सभी शिष्यों को कहाँ इकट्ठा होने का आदेश दिया?
2)गुरुजी ने शिष्यों के सामने क्या इच्छा प्रकट की?
3) शिष्यों को सुरंग में किस कठिनाई का सामना करना पड़ा?
4) गुरुजी ने शिष्यों को क्या दिया?
5)उपर्युक्त कहानी का उचित शीर्षक लिखिए।

<u>उत्तर:-</u>

1) गुरुजी ने शिष्यों को बाहर मैंदान में इकट्ठा होने का आदेश दिया।
2) गुरुजी ने शिष्यों को बताया कि उनके जाने से पहले वे उनकी एक बाधादौड करवाना चाहते हैं।
3) सुरंग में अनेक नुकीले पत्थर पडे हुएथे।
4) गुरुजी ने शिष्यों को जिंदगी की सच्चाई का पाठपढाया।
5) हमें अपने साथ दूसरों केबारे में भी सोचना चाहिए।

5)निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

13 मई**1967** को जाकिर साहब ने राष्ट्रपति का पद संभालते हुए कहाथा कि" सारा भारत मेरा घर है, मै सच्ची लगन से इस घर को मजबूत और सुन्दर बनाने की कोशिश करूँगा ताकि वह मेरे महान देशवासियो का उपयुक्त घर हो, जिसमें इंसाफ और खुशहाली का अपना स्थानहो" उनकी विनम्रता ऐसी थी किउन्होंने कहा था," मै स्वीकार करता हूँ कि हमारी जनता ने इस उच्चतम पद के लिए निर्वाचित कर के मुझे पर जो विश्वास प्रकट किया है, उससे मै बहुत प्रभावित हुआ हूँ। यह भावना इस वजह से और भी प्रबल हो जातीहै कि भारत के महान सपूत डा॰ राधाकृष्णन जी के बाद मुझसे पद संभालने के लिए कहा गया।मै उनके कदमों परचलने की कोशिश करूँगा, लेकिन उनकी बराबरी कैसे कर सकूँगा ।एक बार रामलीला मे जनता ने उनसे राम का

तिलक करने के लिए कहा। जाकिर साहब खुशी से आए और तिलक किया इस पर कुछ उर्दू अखबारों ने एतराज किया।तो उन्होंने जवाब दिया"इन नादानो को मालूम नहीं है कि मै भारत का राष्ट्रपति हूँ। किसी खास धर्म का नहीं।

1) जाकिर साहब भारत के राष्ट्रपति कब बनेथे ?
2) किस महान सपूत के बाद उन्हें राष्ट्रपति बनने का मौका मिलाथा?
3) " सपूत" शब्द का विलोम शब्द बताइये।
4) जाकिर हुसैन को रामचंद्र का तिलक करते समय किन-किन लोगों ने उनका विरोध किया था?
5) <u>जाकिर हुसैन ने विरोधियों को क्या उत्तर दिया था?</u>

<u>उत्तर:-</u>

1) 1967 मे।
2) डॉ० राधाकृष्णन जी के बाद।
3) "कपूत"।
4) कुछ उर्दू अखबारों ने।
5) उन्होंने कहा कि मैं भारत का राष्ट्रपति हूँ,किसी खास एक धर्म का नहीं।

संवाद लेखन

(1)

छुट्टियों के उपयोग के कार्यक्रम के बारे में दो मित्रों के मध्य संवाद ।

रमेश– " राम छुट्टियाँ प्रारंभ हो गई है ।हमें पढाई के साथ–साथ कुछ खेल कूद का कार्यक्रम भी बनाना चाहिए ।
राम :– " हाँ " तुम्हारी बात तो सही है ।पढाई करना जितना आवश्यक है, खेल कूद भी हमारे जीवन में उतना ही आवश्यक है ।
रमेश :– क्यो न हम सब मिलकर एक पिकनिक का आयोजन करे ।
राम :– " अच्छा प्रस्ताव है ।" लेकिन सप्ताह के पाँच दिन हम सब मन लगाकर पढाई करेंगे, शनिवार को खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन और रविवार को हम पिकनिक आयोजित करेंगे ।ठीक है न ।
रमेश :– " वाह ! बहुत अच्छा प्रोग्राम बनाया है । हम सब मिलकर इसको सफल बनाएँगे ।
राम :– चलो तो तैयारी करते हैं । क्योंकि कल रविवार है न ।

(2)

करोना वायरस को लेकर दो मित्रों के मध्य संवाद ।

अनिल :– कैसे हो मुकेश । क्या कर रहें हो?
मुकेश :– कुछ खास नहीं अनिल । करोना के कारण आर्थिक स्थिति और सामाजिक स्थिति दोनों ही खराब हो चुकी है ।
अनिल :– भाई । इस करोना ने तो तुम्हारी क्या सारी दुनिया की हालत खराब कर छोडी है ।
मुकेश :– सच कहते हो मित्र । इस करोना वायरस ने तो कितने लोगों के रोजगार को समाप्त कर दिया, कितने घरों को बर्बाद कर दिया ।
अनिल :– हाँ । संक्रमण फैलता भी इतनी तेजी से है कि सप्ताह भर में लोगों की संख्या दुगुनी हो चुकी है ।
मुकेश :– अरे! जो पहले से ही बीमार व्यक्ति है उनके लिए तो यह मौत ही है ।क्योंकि रोग प्रतिरोधक क्षमता तो अन्य लोगों से कमजोर होती है ।जिससे वे ज्यादा प्रभावित होते हैं ।
अनिल :– इस वायरस से मरने वाले व्यक्ति का शव भी उनके परिवार वालों को नसीब नहीं होता ।

मुकेश :- इतना कुछ हो रहा है लेकिन तब भी लोग इस वायरस से बचाव के नियमों का पालन करने में लापरवाही करते हैं।
अनिल :- सही कह रहे हो मित्र। यदि वायरस से बचना है तो दो गज की दूरी, मास्क का प्रयोग, नियमित रूप से हाथ धोते रहने का पालन करते रहना चाहिए। और टीकाकरण मे भाग अवश्य लेना चाहिए।
मुकेश :- सही कहा , अनिल ।मेरा पहला टीकाकरण पूरा हो चूका है। दूसरा भी ध्यान से करवाएगे। और तुम भी अवश्य करवाना।

(3)

दो विद्यार्थियों के मध्य दूरदर्शन पर संवाद।

राहुल :- आजकल जिसे भी देखो दूरदर्शन से चिपका रहता है।
कमल- यह ठीक है, कि दूरदर्शन पर कई उपयोगी एवं मनोरंजक कार्यक्रम प्रसारित किए जा रहे हैं ।पर कई विदेशी चैनल अश्लील कार्यक्रम भी दिखा रहे हैं।
राहुल - इन कार्यक्रमों को देखकर हमारी युवा पीढ़ी गलत दिशा में जा रही है।
कमल - यह प्रवृत्ति पर रोक लगाने आवश्यक है।
राहुल - पर इस पर रोक कैसे लगाई जा सकती है।
कमल - सरकार को दूरदर्शन नियंत्रण बोर्ड बनाना चाहिए। इस बोर्ड की स्वीकृति के बाद ही कार्यक्रम प्रसारित किया जाना चाहिए।
राहुल - वह तो ठीक है, पर पर समाज को भी तो कुछ करना चाहिए।
कमल - हां ,समाज में चेतना जगाने चाहिए। ऐसा वातावरण तैयार करना होगा -कि दूरदर्शन हिंसा और अश्लीलता भरे कार्यक्रम ना दिखाने को विवश हो जाए।
राहुल - हमें घरों में ऐसे कार्यक्रम में देखने का भी वातावरण बनाना होगा।
कमल - यह सबसे अच्छा और हमार बेहतर तरीका है।
राहुल - हां, हमारे बड़े बूढ़े घरों में बच्चों की तरफ से यह ध्यान अवश्य रखें- कि वह दूरदर्शन पर कोई ऐसा हिंसापूर्ण एवं अश्लीलता से भरा हुआ कोई कार्यक्रम ना देखें।
कमल - हां, अगर दूरदर्शन का सदुपयोग किया जाए, तो यह शिक्षा में और हमारी युवा पीढ़ी को ज्ञान एवं संस्कार देने में भी सहयोगी साबित हो सकता है।
राहुल - सही बात कही आपने सभी चीजों के गलत और ठीक परिणाम तो होते ही हैं ,यह हमारे ऊपर है- कि हम उसका उपयोग सही दिशा में करें अथवा गलत दिशा मे करे।

(4)

दो महिलाओं के मध्य बढती हुई महंगाई को लेकर संवाद।

रश्मि :- कैसी हो , विनीता बहन ?
विनीता :- क्या बताऊँ, रश्मि बहन? आजकल तो मानो हर चीज की कीमत आसमान छू रही है।
रश्मि :- ठीक कहती हो बहन महंगाई ने तो मानो सबकी कमर तोड़ रखी है।
विनीता :- नौकरी करने वालो की तो बंधी बंधाई तनख्वाह है , उसमें महीने भर का खर्च चलाना बहुत मुश्किल होता है।
रश्मि :- अरे, गरीब लोगों का तो और भी बुरा हाल है।उन लोगों की मजदूरी तो कोई भी नहीं बढाता।
विनीता :- महंगाई तो दिन- प्रतिदिन बढती जाती है, लेकिन हमारे वेतन तो उस हिसाब से नहीं बढते ।करे तो कोई क्या करे।

(5)

चिडिया के घोसले के बारे में भाई–बहन के मध्य संवाद ।

रेखा : – राहुल भैया ।ऊपर चिड़िया ने अपना घर बनाया है ।
राहुल : – अच्छा । रेखा तुमने चिडिया के घर को देखा है । कैसे बनाया है और उसमें चिडिया के अलावा कौन रहता है ।
रेखा : – भैया । तिनको से बनाया हुआ है ।और उसमें दो अंडे रखे हुए हैं ।
राहुल : – जानती हो रेखा, चिड़िया के घर को क्या बोलते हैं?
रेखा : – घर बोलते हैं भैया और क्या बोलते हैं?
राहुल : – पगली ! घोंसला बोलते हैं उसे और उसमें चिडिया के अंडे रखे हुए हैं ।जिसमें से चिडिया के छोटे–छोटे बच्चे निकलेगे ।
रेखा : – तो भैया बच्चे फिर उड जाएंगे ।
राहुल : – इतना जल्दी नही । थोडा बडा होने पर चिडिया उनको उडना सिखाएगी । तब वे उडेगे ।
रेखा : – भैया । छोटे छोटे बच्चे कितने प्यारे होंगे न ।
राहुल : – हाँ रेखा । जब वे निकल आएंगे तब हम उनको देखेंगे । तब तक चिडिया को आराम करने दो ।
रेखा : – ठीक है भैया ।

पत्र लेखन

1) अपने विद्यालय के प्राचार्य को फीस माफी हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए ।

सेवा में

श्रीमान प्राचार्य महोदय

केन्द्रीय विद्यालय

.....

दिनांक- ....

विषय:- फीस माफी हेतु प्रार्थना पत्र ।

महोदय

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की सातवीं ब कक्षा का छात्र/छात्रा हूँ। मेरे पिताजी एक किसान हैं । उनकी मासिक आय/आमदनी 3000 रुपये है । हमारे परिवार में 8 सदस्य हैं। मेरे 3 भाई बहन भी इसी विद्यालय में पढ़ते हैं। हमारे परिवार का गुजारा भी बड़ी मुश्किल से हो पाता है। मेरे पिताजी मेरी फीस भरने में असमर्थ हैं। मैं विद्यालय में हमेशा प्रथम स्थान पर आता हूँ। खेलकूद मे भी मैं बढ़-चढ़कर भाग लेता/लेती हूँ। अतः आपसे निवेदन कि आप मेरी पूरी फीस माफ करने का कष्ट करें।

धन्यवाद

आपका/आपकी आज्ञाकारी शिष्य/शिष्या

नाम:- ..... .

कक्षा- ..... .

अनुक्रमांक- .....

2)अपने विद्यालय के प्राचार्य को स्थानांतरण प्रमाण पत्र लेने हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए।

सेवा में

श्रीमान प्राचार्य महोदय

केन्द्रीय विद्यालय

.....

दिनांक- .....

विषय:- स्थानांतरण प्रमाण पत्र लेने हेतु प्रार्थना पत्र ।

महोदय

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की आठवीं ब कक्षा का छात्र हूँ। मेरे पिताजी फौज में हैं । उनका तबादला दिल्ली से जयपुर हो गया है । हमारा पूरा परिवार उनके साथ जा रहा है तथा मैं भी उनके साथ जाना चाहता हूँ , क्योंकि यहाँ अकेले रहकर मेरी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाएगी । अतः आपसे निवेदन है कि आप मेरा स्थानांतरण प्रमाण पत्र देने का कष्ट करें ताकि मैं वहाँ जाकर दाखिला ले सकूँ तथा आगे की पढ़ाई जारी रख सकूँ।

धन्यवाद

आपका/आपकी आज्ञाकारी शिष्य/शिष्या

नाम:- ....

कक्षा- .....

अनुक्रमांक- .....

3)आपके विद्यालय के प्रधानाध्यापक/प्राध्यापिका को जुर्माना माफी हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए ।

सेवा में

श्रीमान प्राचार्य महोदय

केन्द्रीय विद्यालय

.....

दिनांक- ....

विषय:- जुर्माना माफी हेतु प्रार्थना पत्र ।

महोदय

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की सातवीं ब कक्षा का छात्र/छात्रा हूँ। कल खेल के मैदान में खेलते समय मुझसे गलती से एक गमला टूट गया। जिसकी वजह से हमारी कक्षा के अध्यापक ने मुझ पर 100 रुपये का जुर्माना लगा दिया है। मेरे पिताजी एक गरीब व्यक्ति हैं तथा वे ये जुर्माना नहीं भर सकते। मैं आपको यकीन दिलाता हूँ कि भविष्य में मैं ऐसी गलती दोबारा नहीं करूंगा/करूँगी । अतः आपसे प्रार्थना है कि आप मेरा जुर्माना माफ कर दें । मैं आपका/आपकी सदा आभारी रहूँगा/रहूँगी ।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य/शिष्या

नाम- ....

कक्षा- ....

अनुक्रमांक-..... .

4)आपके विद्यालय के प्रधानाध्यापक/प्राध्यापिका को दो दिनों के अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए ।

सेवा में

श्रीमान प्राचार्य महोदय

केन्द्रीय विद्यालय

.....

दिनांक- .....

विषय:- दो दिनों के अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र ।

महोदय

सविनय निवेदन यह है, कि मैं आपके विद्यालय की सातवीं कक्षा का छात्र/छात्रा हूँ। कल विद्यालय से घर जाते ही मुझे बहुत तेज बुखार हो गया। डॉक्टर ने मुझे दो दिनों तक आराम करने की सलाह दी है। अतः मुझे दो दिनों का अवकाश प्रदान करें। आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य/शिष्या

नाम- ....

कक्षा- ..... .

अनुक्रमांक-..... . .

5)अपने मित्र को जन्मदिन की बधाई देते हुए प्रार्थना पत्र लिखिए।

म. न. 268,

सेक्टर 26,

मॉडल टाउन

नई दिल्ली 110112

दिनांक - .....

प्रिय मित्र हरीश,

बड़े हर्ष का विषय है, कि अगले महीने की 5 तारीख को तुम्हारा जन्मदिन है। मुझे याद है कि पिछले वर्ष हमने तुम्हारा जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया था। इस बार भी मैं चाहता था कि तुम्हारा जन्मदिन और भी शानदार तरीके से मनाएं लेकिन अगले महीने मेरी परीक्षा है जिस कारण मैं तुम्हारे जन्मदिन पर नहीं आ सकता। मैं इस पत्र के माध्यम से तुम्हें जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं भेज रहा हूँ। साथ मे तुम्हारे जन्मदिन पर तुम्हें तोहफा भी भेजा है। पत्र मिलते ही जवाब जरूर देना कि तुम्हें मेरा तोहफा कैसा लगा? चाचा-चाची को मेरा प्रणाम कहना।

एक बार फिर से तुम्हें आने वाले जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं !

तुम्हारा अभिन्न मित्र

नाम- ....

अनुच्छेद लेखन

अनुच्छेद लेखन भी एक कला है।अपने विचारों को उदाहरणों के साथ स्पष्ट करते हुए एक ही अनुबंध में लिखना अनुच्छेद लेखन कहलाता है।

लालच बुरी बला

लालच को मनुष्य की उन दुष्प्रवृत्तियों में गिना गया है जिसके कारण मनुष्य का सामाजिक और नैतिक पतन होता है। दूसरों की वस्तुओं के प्रति आकर्षण और उन वस्तुओं को प्राप्त करने की इच्छा ही लालच है। लालच में फंसकर व्यक्ति एक के बाद एक अपराध करता चला जाता है और अपने सुखमय जीवन को संकटमय बना डालता है।अपनी लालची आदतों के कारण मनुष्य लगातार गलतियां करता जाता है। हमारे समाज में आज जितने अपराध देखने को मिलते हैं,उनकी जड़ में लालच का भाव ही है। लालच असंतोष का कारण है। प्रत्येक व्यक्ति को यह प्रयास करना चाहिए कि वह लालच से बचा रहे। चाहे वह लालच बड़ी वस्तु के लिए हो या छोटी वस्तु के लिए ।लालच पाप का मूल है और पाप मनुष्य को पतन की ओर ले जाता है। लालची को अपनी करनी पर पछताना पड़ता है। जिस प्रकार एक कुत्ता पानी में अपनी ही छाया को दूसरा कुत्ता समझ कर उसके मुंह से रोटी छीनने के प्रयास में अपनी ही रोटी गवां बैठा था, उसी प्रकार कभी-कभी लालच में व्यक्ति अपना सब कुछ गंवा बैठता है। अतः मनुष्य को लालच से बचना चाहिए।

प्रातः काल का भ्रमण

प्रातः काल का भ्रमण मानव जीवन के लिए वरदान है। प्रातः काल अपनी अद्भुत छटा, पूर्व दिशा से उगती हुई अरुणाई से नील गगन में भावनात्मक चित्रों का निर्माण कर देता है। शीतल,मंद,सुगंधित पवन रोम-रोम में नव स्फूर्ति का संचार करती है। अंग-प्रत्यंग में शक्ति भर जाती है।इससे मस्तिष्क का विकास होता है तथा स्मरण शक्ति बढ़ती है। स्वच्छ तथा ताजी वायु में सांस लेने से आलस्य का नाश हो जाता है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को आलस्य का त्याग करके प्रातः काल भ्रमण अवश्य करना चाहिए। जो मनुष्य देर तक सोया रहता है वह अपना बहुमूल्य समय गवां डालता है तथा अस्वस्थ रहता है। प्रातः काल चारों ओर सुहावने दृश्य देखकर मन खुशी से झूम उठता है। सचमुच प्रातः काल का भ्रमण मानव जीवन में जागृति उत्पन्न करके एक नव क्रांति का विकास करता है, जिससे दरिद्रता तथा आलस्य लुप्त हो जाते हैं तथा सच्ची शांति प्राप्त होती है।

एकता में बल

एक होने के भाव को 'एकता' कहा जाता है। एकता शक्ति का प्रतीक है। कहा गया है कि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता।हाथ की पांचों अंगुलियां मिलकर एक मुट्ठी बना लेती हैं तो वह काफी ताकतवर हो जाती है। एकता में अपार शक्ति होती है।इसी शक्ति के अभाव से हमारा देश गुलाम हुआ और अंग्रेजों ने 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाकर इस पर कब्जा करके वर्षों तक शासन किया। इसी शक्ति के कारण हमारा देश आजाद भी हुआ। एक रहकर ही हम अपने देश को उन्नत बना सकते हैं तथा देश की आजादी को कायम रख सकते हैं ।एक होकर हम कठिन से कठिन कार्य को भी आसान बना लेते हैं। घर, परिवार तथा समाज में सुख,शांति तथा समृद्धि को बनाए रखने के लिए एकता आवश्यक है। हम अगर भाषा, संप्रदाय, जाति और धर्म आदि के नाम पर लड़ेंगे तो देश पराजित होगा ।अतः आवश्यक है कि हम समग्र संसार में एकता का शंख फूंकें तथा वसुधैव कुटुंबकम की भावना में बंध जाएं।

कंप्यूटर का महत्व

आज का युग कंप्यूटर का युग है। कंप्यूटर एक ऐसा मशीनी मस्तिष्क है जो ऐसे-ऐसे कार्य करने में सक्षम है जो मनुष्य की पहुंच से भी बाहर हैं।लाखों करोड़ों व इससे भी अधिक संख्याओं की गणना यह पलक झपकते ही करने की क्षमता रखता है।इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि भले ही मनुष्य इसके उपयोग में किसी प्रकार की कोई गलती कर दे तो भी यह सही सूचना देने में पूर्णतया सफल होता है। आज कंप्यूटर सभी कार्यालयों, विद्यालयों, बैंक, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, हवाई अड्डों, यहां तक कि सभी दुकानों के कामकाज करने में पूर्ण सहयोगी है। मनोरंजन के साधनों में भी इसका जवाब नहीं। बच्चे तो बच्चे बड़े से बड़े भी इसके मनोरंजन से प्रसन्न रहते हैं। वैज्ञानिक क्षेत्र में देश-विदेश व अंतरिक्ष के कार्य कंप्यूटर के सहारे ही होते हैं। इंटरनेट इसकी विशेष देन है। कुछ ही क्षणों में हम अपने प्रत्येक कार्य हेतु पूरे विश्व से सूचनाएं प्राप्त कर सकते हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में हर प्रयोग व हर बीमारी की जांच यहां तक कि हृदय गति तक मापने तक का कार्य यह बखूबी करता है। लेकिन कई बार बच्चे व कुछ लोग इसका

गलत प्रयोग कर स्वयं को गुमराह कर लेते हैं जोकि गलत है। हमें इस उपयोगी साधन का सकारात्मक रूप में ही प्रयोग करना चाहिए।